राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.gauravshalibharat.com

गौरवशाली भारत

नई दिल्ली से प्रकाशित

वर्ष : 11
अंक : 291
पृष्ठ : 08
नई दिल्ली
मंगलवार 03 मई 2022
मूल्य : 1.50/-

RNI No .DELHIN/2011/38334

मुख्य अपडेट
पेज 3 दिल्ली के पार्कों में गार्डनिंग के लिए होगी रीसायक्लड वाटर की सप्लाई, डिसेंट्रलाइज्ड- सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट्स लगाए जाएंगे
पेज 5 शादी अनुदान योजना : अधिकाधिक पात्रों को लाभ देने को झांसी प्रशासन ने तेज की मुहिम
पेज 7 इमरान खान की राह पर शाहबाज शरीफ, सऊदी अरब से ले आए 14 खरब रुपये से ज्यादा का कर्ज

कोरोना वैक्सीनेशन पर सुप्रीम डिसीजन

लोगों को वैक्सीन लेने के लिए मजबूर नहीं कर सकती सरकार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि किसी भी व्यक्ति को वैक्सीनेशन के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता है। जस्टिस एल नागेश्वर राव और जस्टिस बीआर गवई की बेंच ने सुनवाई करते हुए कहा कि आर्टिकल-21 के तहत व्यक्ति की शारीरिक अखंडता को बिना अनुमति नहीं भंग की जा सकती है। ऐसे में देश में वैक्सीनेशन अनिवार्य नहीं किया जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि कुछ राज्य सरकारों ने जो शर्तें लगाईं, सार्वजनिक स्थानों पर नॉन वैक्सीनेटेड लोगों को बैन करना सही नहीं है। इसके अलावा, स्ट ने केंद्र को कोविड-19 टीकाकरण के प्रतिकूल प्रभावों का डेटा सार्वजनिक करने का भी निर्देश दिया है। हालांकि, कोर्ट ने यह भी कहा कि वह संतुष्ट है कि मौजूदा वैक्सीन नीति को अनुचित और स्पष्ट रूप से मनमाना नहीं कहा जा सकता है। स्ट का कहना है कि सरकार सिर्फ नीति बना सकती है और जनता की भलाई के लिए कुछ शर्तें लगा सकती है।

केंद्र ने दाखिल किया था हलफनामा

कोरोना वैक्सीनेशन पर 17 जनवरी 2022 को सुप्रीम कोर्ट में केंद्र ने हलफनामा दाखिल किया था। केंद्र ने अपने हलफनामा में कहा था कि देश भर में कोरोना वैक्सीनेशन अनिवार्य नहीं है, न किसी पर वैक्सीन लगवाने का कोई दबाव है।

देश में कोरोना से 5 लाख से अधिक लोगों की मौत

अब तक देश में कोरोना से कुल 4.3 करोड़ लोग संक्रमित हो चुके हैं, जबकि 5.2 लाख लोगों की मौत हो चुकी है। स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक देश में कोरोना से 4.2 करोड़ लोग रिकवर हुए हैं। पिछले 24 घंटे में कोविड के 3,157 नए केस आए हैं।

उत्तराखंड में मलबा गिरने से फंसे श्रद्धालु

ऋषिकेश बद्रीनाथ हाईवे पर सुबह से फंसे 100 से ज्यादा लोग, सड़क निर्माण के दौरान हुई घटना

एजेंसी

ऋषिकेश। उत्तराखंड के ऋषिकेश बद्रीनाथ हाईवे पर सड़क चौड़ीकरण के दौरान भारी मात्रा में मलबा गिर गया, जिसके चलते पूरी सड़क ब्लॉक हो गई है। घटना पीपलकोटी से आगे मायापुर के पास हुई। सड़क ब्लॉक हो जाने की वजह से पिछले कई घंटों से 100 से ज्यादा लोग फंसे हैं।

घटना 2 मई की सुबह की है। 3 मई यानी अक्षय तृतीया के दिन चारधाम यात्रा शुरू होने वाली है। उत्तरकाशी में पड़ने वाली यमुनोत्री धाम, गंगोत्री धाम, केदारनाथ धाम और बद्रीनाथ धाम के कपाट खुलने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। अक्षय तृतीया के चलते ज्यादा संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए निकले हैं। लेकिन मलबा गिरने की वजह से वे रास्ते में फंस गए हैं।

चारधाम यात्रा को लेकर प्रशासन की तैयारियां पूरी थी। दो साल से कोरोना के चलते चारधाम यात्रा पर रोक लगी, थी लेकिन इस बार चारधाम की यात्रा के लिए पहले ही सभी तैयारियां कर ली गई थीं।

श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए सबसे ज्यादा फोकस सड़क मार्गों पर ही था, लेकिन इस घटना ने प्रशासनिक तैयारियों पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

राघव चड्ढा सहित आप के तीन सदस्यों ने ली 'रास' की शपथ

नयी दिल्ली। उप राष्ट्रपति एवं राज्यसभा के सभापति एम. वेंकैया नायडू ने सोमवार को आम आदमी पार्टी के तीन सदस्यों को सदन की सदस्यता की शपथ दिलायी। राज्यसभा सचिवालय के अनुसार श्री नायडू ने आप पार्टी के राघव चड्ढा, संजीव अरोड़ा तथा डा. अशोक कुमार मित्तल को सभापति कक्ष में सदन की सदस्यता की शपथ दिलायी।

हीट स्ट्रोक का खतरा बढ़ा

महाराष्ट्र में दो महीने में 374 से अधिक मामले, अब तक 25 मौतें

मुंबई। महाराष्ट्र में मार्च और अप्रैल में हीट स्ट्रोक से 25 मौतें हुई हैं। जो छह साल में सबसे अधिक है। पिछले दो महीने में हीट स्ट्रोक के 374 मामले सामने आए हैं लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि सही आंकड़ें इससे कुछ और ज्यादा हैं। इस वक्त उत्तर और मध्य महाराष्ट्र, मराठवाड़ा और विदर्भ के जिलों में तापमान 40-46 डिग्री से अधिक है।

राज्य स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के अनुसार पिछले दो महीनों के 374 मामलों में सबसे ज्यादा नागपुर (262) में दर्ज किए गए हैं। इसके बाद अकोला (29), पुणे (21), नासिक (14), औरंगाबाद (10) लातूर और कोल्हापुर में (1-1) मामला मिला। बाकी मामले अन्य जगहों के हैं।

पिछले दो साल में कोई मामला नहीं

राज्य स्वास्थ्य विभाग का कहना है आने वाले महीनों में मामले और बढ़ेंगे। इसके लिए स्वास्थ्य विभाग ने एक एडवाइजरी जारी करते हुए कहा है कि शरीर में पानी की कमी न होने दें, हल्के सूती और ढीले कपड़े पहने और अच्छे प्रोटीन वाला खाना खाएं। साथ ही हीटवेव के प्रभावों को रोकने के लिए सावधानी बरतने का भी अनुरोध किया है। राज्य ने पिछले दो सालों में हीट स्ट्रोक का कोई मामला दर्ज नहीं किया है। इसके पहले 2016 में हीट स्ट्रोक से 19 मौतें दर्ज की गई थीं।

गर्मी100 साल में सबसे ज्यादा

राज्य सर्विलांस अधिकारी डॉ. प्रदीप आवटे ने कहा- %इस साल मौतों की संख्या बाकी सालों से ज्यादा है। ऐसे में उम्मीद है कि मामलों में और बढ़ोत्तरी होगी। नागपुर में हीटस्ट्रोक के मामले सबसे ज्यादा हैं। महाराष्ट्र में इस साल के पहले चार महीनों में हीट स्ट्रोक से रिकॉर्ड 25 मौतें हुई हैं। 2018 में गर्मी से बमुश्किल दो मौतें हुई थीं। इस साल गर्मी 100 सालों में सबसे ज्यादा है। अभी तक महाराष्ट्र में 25 संदिग्ध मौतें हुई हैं, जिनमें से छह की पुष्टि हो चुकी है।%

ढ्ढरूष्ठ ने जारी किया अलर्ट

हीट स्ट्रोक गर्मी से जुड़ी एक गंभीर समस्या है जो गर्मी का तापमान बढ़ने से शरीर के कंट्रोल से बाहर हो जाती है। भारत मौसम विज्ञान विभाग और राज्य के स्वास्थ्य विभाग ने विदर्भ और मध्य महाराष्ट्र सहित अन्य हिस्सों के लिए यलो और ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

क्या है हीट स्ट्रोक

हीट स्ट्रोक हाइपरथर्मिया या गर्मी से होने वाली एक बीमारी है, जो ज्यादा तापमान होने पर होती है। इसमें शरीर में पानी की कमी हो जाती है। इसके लक्षण हैं- चक्कर आना, मचली होना, गुस्सा आना, मांसपेशियों में ऐंठन और थकान होना। इसके साथ ही थकान ज्यादा महसूस करना, शरीर में पानी की कमी होना, सिर में गर्मी से खिचाव व दर्द होना हीट स्ट्रोक के लक्षण होते हैं। हीट स्ट्रोक एक मेडिकल इमरजेंसी है जो समय पर और सही इलाज न कराने पर मौत का कारण भी बन सकती है।

क्यों होता है हीट स्ट्रोक

जब कोई व्यक्ति बाहर ज्यादा तापमान में समय बिताता है या लंबे समय तक धूप में काम करता है, तो शरीर का तापमान बढ़ जाता है। शरीर का तापमान 104स्न (40 डिग्री सेल्सियस) या इससे अधिक हो जाने पर हीट स्ट्रोक होता है। यह स्थिति गर्मियों में सबसे आम है।

देश में एक दिन में कोरोना के 3,157 नये मामले

अभी तक कुल चार करोड़ 25 लाख 38 हजार 976 मरीज कोविड से उबर चुके है

नयी दिल्ली। देश में पिछले 24 घंटों में कोरोना वायरस संक्रमण के 3,157 नये मामले सामने आए हैं।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने सोमवार को बताया कि देश में एक अरब 89 करोड़ 23 लाख 98 हजार 347 कोविड टीके दिये जा चुके हैं। मंत्रालय ने बताया कि पिछले 24 घंटों में कोविड संक्रमण के 3157 नये मरीज सामने आये हैं। वहीं इस दौरान 2723 लोग कोविड से मुक्त हुए हैं। अभी तक कुल चार करोड़ 25 लाख 38 हजार 976 मरीज कोविड से उबर चुके हैं। वहीं इस बीमारी से 26 और मरीजों की मौत होने से मृतकों का आंकड़ा 523869 हो गया है। इस समय देश में कोरोना के सक्रिय मामलों की दर 0.05 प्रतिशत, रिकवरी रेट 98.74 फीसदी तथा मृत्यु दर 1.22 फीसदी है। बीते कुछ दिनों से राष्ट्रीय

राजधानी दिल्ली में कोरोना के नये मामलों में तेजी देखी जा रही है। यहां पर पिछले 24 घंटों के दौरान 281 सक्रिय मामले बढ़ने के बाद इनकी संख्या 5991 हो गयी। वहीं 1204 लोगों के स्वस्थ होने के बाद इससे निजात पाने वाले लोगों का आंकड़ा 1852388 पर पहुंच गया, मृतकों की संख्या 26,175 पर स्थिर हैं। हरियाणा में सक्रिय मामले 32 घटकर 2528 हो गये हैं। इस दौरान 511 लोगों के स्वस्थ होने से महामारी से उबरने वाले मरीजों की कुल संख्या 979872 हो गयी। जबकि मृतकों का आंकड़ा 10,619 पर स्थिर है।

केरल में कोरोना वायरस के सक्रिय मामले 20 बढ़कर 2830 हो गए है। इससे निजात पाने वाले लोगों की संख्या 273 बढ़कर 6469830 हो गयी, जबकि मृतकों की संख्या में 21 की बढ़ोतरी होने से यह आंकड़ा 69068 पर पहुंच गया है।

कर्नाटक में कोरोना के सक्रिय मामलों की संख्या पांच घटकर 1780 हो गयी, जबकि 108 लोगों के स्वस्थ होने के बाद कोरोना मुक्त लोगों की संख्या 3905844 हो गयी है। मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 40102 हो गया है।

उत्तर प्रदेश में पिछले 24 घंटों के दौरान सक्रिय मामले 49 बढ़कर 1587 हो गये हैं। राज्य में इस दौरान 218 लोग महामारी से उबरे और स्वस्थ होने वालों की कुल संख्या 2049520 हो गयी। इस दौरान संक्रमण से एक मरीज की मरीज की मौत होने से मृतकों की संख्या 23,508 हो गयी।

कोविड टीकाकरण में 189.23 करोड़ टीके लगे

देश भर में राष्ट्रीय कोविड टीकाकरण अभियान के अंतर्गत 189.23 करोड से अधिक कोविड टीके लगाए गए हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने सोमवार को यहां बताया कि आज सुबह सात बजे तक 189 करोड़ 23 लाख 98 हजार 347 कोविड टीके दिये जा चुके हैं। मंत्रालय ने बताया कि पिछले 24 घंटों में कोविड संक्रमण के 3157 नये मरीज सामने आये हैं। इनके साथ ही देश में कोरोना रोगियों की संख्या 19 हजार 500 हो गयी है। यह संक्रमित मामलों का 0.05 प्रतिशत है। दैनिक संक्रमण दर 1.07 प्रतिशत हो गयी है। मंत्रालय ने बताया कि इसी अवधि में 2723 लोग कोविड से मुक्त हुए हैं। अभी तक कुल चार करोड़ 25 लाख 98 हजार 347 कोविड से उबर चुके हैं। स्वस्थ होने की दर 98.74 प्रतिशत है। देश में पिछले 24 घंटे में 2 लाख 95 हजार 588 कोविड परीक्षण किए गये हैं। देश में अब तक कुल 83 करोड़ 82 लाख 8 हजार 648 कोविड परीक्षण किए गये हैं।

कोल क्राइसिस पर एक्शन में सरकार

शाह के घर कोयला, बिजली और रेल मंत्री की हाई लेवल मीटिंग

नई दिल्ली। कोल क्राइसिस पर सोमवार दोपहर गृहमंत्री अमित शाह के घर पर बड़ी बैठक हुई। इस मीटिंग में रेल मंत्री अश्विणी वैष्णव, ऊर्जा मंत्री आरके सिंह और कोयला मंत्री प्रह्लाद जोशी शामिल रहे। बैठक के लिए कोयला और ऊर्जा सचिव समेत कई बड़े अधिकारियों को भी बुलाया गया था। मीटिंग में कोयले की वर्तमान स्थिति और उपलब्धता की सुचारू आपूर्ति के बारे में समीक्षा की गई।

राजस्थान, मध्य प्रदेश समेत 12 राज्यों में बिजली संकट

अखिल भारतीय बिजली इंजीनियर

महासंघ के मुताबिक राजस्थान, मध्य प्रदेश, बिहार और उत्तर प्रदेश समेत 12 राज्य बिजली संकट से जूझ रहे हैं। AIPEF के प्रवक्ता वीके गुप्ता का कहना है कि गर्मी के दिनों में बिजली की मांग बढ़ जाती है। ऐसे में बिजली प्रोडक्शन बढ़ाने के लिए ज्यादा कोयला की जरूरत होती है।

गर्मी में पीक पावर सप्लाई ने रिकॉर्ड बनाया

देश भर में तेज गर्मी के बीच इस हफ्ते में पीक पावर सप्लाई तीन बार रिकॉर्ड लेवल तक पहुंची। पीक पावर सप्लाई ने 26 अप्रैल को रिकॉर्ड 201.65GW के लेवल को छुआ। इसके बाद 28 अप्रैल को 204.65 GW का नया रिकॉर्ड बनाया और 29 अप्रैल को 207.11GW के ऑलटाइम हाई पर पहुंच गई। 27 अप्रैल को यह 200.65GW थी और 25 अप्रैल को 199.34 GW पिछले साल 7 जुलाई को पीक पावर सप्लाई 200.53 GW रही थी।

देश में बिजली उत्पादन में 70 प्रतिशत कोयले का उपयोग

भारत करीब 200 गीगावॉट बिजली, यानी करीब 70 प्रतिशत बिजली का उत्पादन कोयले से चलने वाले प्लांट्स से करता है। देश में कोयले से चलने वाले 150 बिजली के प्लांट्स है। पिछले दिनों बिजली संकट गहराने पर बिजली प्लांट्स तक कोयला ले जाने वाली ट्रेनों को रास्ता देने के लिए रेलवे ने ट्रेनों के 670 फेरे रद्द कर दिए थे।

शाह के बंगाल दौरे से पहले भाजपा में भगदड़, बारासात में 15 नेताओं ने दिया इस्तीफा

नई दिल्ली। अमित शाह के पश्चिम बंगाल दौरे से पहले भाजपा में अंदरूनी कलह खुलकर सामने आने लगी है। उत्तर 24 परगना के बारासात में पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष समेत 15 नेताओं ने इस्तीफा दे दिया है। वहीं बांकुड़ा में भी जिलाध्यक्ष के खिलाफ स्थानीय नेताओं ने मोर्चा खोल दिया है। बंगाल में पिछले साल मई में चुनावी परिणाम आने के बाद से ही पार्टी के भीतर भगदड़ मची हुई है।

न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक बारासात में 15 नेताओं ने भाजपा जिलाध्यक्ष तापस मित्रा पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए इस्तीफा दे दिया है। नेताओं ने प्रदेश अध्यक्ष सुकांतो मजूमदार को लेटर लिखकर कहा है

कि जिलाध्यक्ष तृणमूल नेताओं के साथ मिलकर भ्रष्टाचार में संलिप्त हैं।

बांकुड़ा और विष्णुपुर में भी बगावत

बारासात के अलावा बांकुड़ा और विष्णुपुर में भी पार्टी के भीतर विद्रोह का सुर तेज हो गया है। भाजपा पंचायत सदस्य गौतम महतो ने बांकुड़ा जिलाध्यक्ष पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि भांग का सेवन करने वाले व्यक्ति को पार्टी जिलाध्यक्ष बनाती है। वहीं विष्णुपुर में भी संगठन के नेताओं ने जिलाध्यक्ष के खिलाफ हल्ला बोल दिया है।

एक साल में 7 विधायकों ने पार्टी छोड़ी

बंगाल चुनाव का रिजल्ट मई 2021 में आया था, जिसके बाद से अब तक 7 विधायक भाजपा छोड़ चुके हैं। इसमें कद्दावर नेता मुकुल रॉय भी शामिल हैं। इसके अलावा राजीब बनर्जी, बाबुल सुप्रियो जैसे दिग्गज नेता भी पार्टी छोड़ चुके हैं। बंगाल चुनाव में भाजपा ने 77 सीटों पर जीत हासिल की थी।

4 मई से 3 दिवसीय दौरे पर बंगाल जा रहे हैं शाह

अमित शाह 4 मई से 3 दिवसीय दौरे पर बंगाल जा रहे हैं। भाजपा राज्य उपाध्यक्ष सौमित्र खान ने मीडिया को बताया कि शाह कोलकाता में 4 मई को पार्टी नेताओं के साथ मीटिंग करेंगे। बैठक में शाह कार्यकर्ताओं से संगठन के कामकाज को लेकर फीडबैक भी लेंगे।

बेरोजगारी बनी समस्या : अप्रैल में बेरोजगारी दर 7.83 प्रतिशत पर पहुंची

एजेंसी

नई दिल्ली। देश में बेरोजगारी की समस्या लगातार बढ़ती जा रही है। अप्रैल महीने में देश की बेरोजगारी दर बढ़कर 7.83 प्रतिशत पर पहुंच गई। इससे पहले मार्च में ये 7.60 प्रतिशत पर थी। CMIE के आंकड़ों के मुताबिक मार्च 2022 में शहरी बेरोजगारी की दर 9.22 प्रतिशत और ग्रामीण क्षेत्रों के लिए यह 7.18त्न रही है।

मई में बेरोजगारी दर 11.84त्न पर पहुंच गई थी

CMIE के मुताबिक 2021 में मई में बेरोजगारी दर 11.84त्न पर पहुंच गई थी। हालांकि इसके बाद इसमें गिरावट देखने को मिली और ये जनवरी 2022 में 6.57 प्रतिशत पर आई थी, लेकिन फरवरी में ये फिर 8.10 प्रतिशत पर पहुंच गई थी जो अब 7.83 प्रतिशत पर है।

इकोनॉमी की हेल्थ को दर्शाती है बेरोजगारी दर

CMIE के मुताबिक भारतीय अर्थव्यवस्था की सेहत को बेरोजगारी दर सही तरह से दर्शाती है, क्योंकि यह देश की कुल जनसंख्या में कितने बेरोजगार हैं, इसको बताती है। थिंक टैंक को उम्मीद है कि रबी फसल की बुआई की शुरुआत में तेजी देखने को मिल सकती है। इसका मतलब है कि चालू वित्त वर्ष में एग्री सेक्टर एक बार फिर शानदार प्रदर्शन करेगा। इससे प्रवासी मजदूर खेतों की ओर वापसी करेंगे।

सबसे कम बेरोजगारी हिमाचल प्रदेश में और सबसे ज्यादा हरियाणा में

रिपोर्ट के अनुसार सबसे ज्यादा बेरोजगारी हरियाणा और राजस्थान में दर्ज की गई है। हरियाणा में यह 34.5 प्रतिशत और राजस्थान में 28.8 प्रतिशत है। जबकि हिमाचल प्रदेश, छत्तीसगढ़ और असम में सबसे कम बेरोजगारी दर देखी गई जो क्रमश: 0.2 प्रतिशत, 0.6 प्रतिशत और 1.2 प्रतिशत रही थी।

गैंगरेप

स्टेशन पर ट्रेन का इंतजार कर रही फैमिली को किया अगवा, पति को बुरी तरह पीटा

तीन बच्चों की मां, प्रेग्नेंट महिला से किया गैंगरेप

हैदराबाद। आंध्र प्रदेश में एक गर्भवती महिला और तीन बच्चों की मां के साथ गैंग रेप का मामला सामने आया है। पुलिस के मुताबिक बापटला जिले के रेपल्ले रेलवे स्टेशन पर शनिवार रात तीन लोगों ने सामूहिक दुष्कर्म किया। यह घटना रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर की है जहां परिवार ट्रेन आने का इंतजार कर रहा था। आरोपियों ने पहले पूरे परिवार को अगवा किया। फिर महिला के पति को बांधकर बुरी पीटा। महिला के पति ने शोर मचाया और रेलवे पुलिस से मदद पाने की कोशिश की, लेकिन उसे कोई मदद नहीं मिली। जख्मी महिला का अस्पताल में इलाज चल रहा है।

काम की तलाश में जा रहा था परिवार

पुलिस के मुताबिक तीन आरोपियों को अरेस्ट कर लिया गया जिनमें एक नाबालिग है। एनडीटीवी की रिपोर्ट के मुताबिक यह घटना शनिवार रात 1 बजे की है। पीड़ित परिवार परिवार काम की तलाश में गुंटूर से कृष्णा जिले की ओर जा रहा था। परिवार प्रकाशम जिले का रहने वाला है।

रात में स्टेशन पर सो रहे थे सभी

शनिवार की रात पांच लोगों का परिवार रेलवे स्टेशन पर ट्रेन के इंतजार

में बेंच पर सो रहा था, तभी तीनों लोगों ने उन्हें जगाया। बताया जा रहा है कि तीनों आरोपी नशे में धुत थे। आरोपियों ने महिला के पति पर हमला किया और जब उसकी पत्नी ने हस्तक्षेप किया, तो वे उसे रेपल्ले में स्टेशन से खींच कर ले गए। रेपल्ले रेलवे स्टेशन आंध्र प्रदेश की राजधानी अमरावती से लगभग 80 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है।

महिला के पति ने भागकर रेलवे पुलिस की मदद लेने की कोशिश की, लेकिन स्टेशन पर कोई अधिकारी नहीं मिला।

बाद में महिला जख्मी हालत में पास की झाड़ियों में मिली। उसे मेडिकल जांच और इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

महिला आयोग हुआ सख्त

चौंकाने वाली घटना ऐसे समय में आई है जब सरकार आंध्र प्रदेश में महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए दिशा योजना के तहत फास्ट ट्रैक जांच, मुकदमे चलाने का दावा कर रही है।

आंध्र प्रदेश महिला आयोग की अध्यक्ष वासिरेड्डी पद्मा ने पुलिस को आरोपियों पर गंभीर कार्रवाई करने का निर्देश दिया है।

पद्मा ने डॉक्टरों को पीड़िता को बेहतर मेडिकल हेल्प देने का भी निर्देश दिया है।

इस बीच, तेलुगु देशम पार्टी के नेताओं ने आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग को लेकर अस्पताल के सामने धरना-प्रदर्शन किया है।

शार्ट न्यूज

कश्मीर में आईईडी किया गया निष्क्रिय

श्रीनगर। दक्षिण कश्मीर के पुलवामा जिले में सोमवार को सुरक्षा बलों ने एक कम तीव्रता वाले शक्तिशाली विस्फोटक उपकरण (आईईडी) का पता लगाया और उसे निष्क्रिय कर दिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पुलवामा-राजपोरा रोड के किनारे आईईडी का पता लगा। बम निरोधक दस्ता मौके पर पहुंचा और उसे निष्क्रिय कर दिया।

राज्य में नेतृत्व परिवर्तन नहीं हुआ : येदियुरप्पा

शिकारीपुर। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बी.एस. येदियुरप्पा ने सोमवार को स्पष्ट किया कि राज्य में नेतृत्व परिवर्तन नहीं हुआ है। येदियुरप्पा ने यहां संवाददाताओं से बातचीत में इस आशय की बात कही। उन्होंने कहा, मेरा मतलब है कि राज्य में नेतृत्व परिवर्तन नहीं हुआ है। मौजूदा मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई बहुत अच्छा काम कर रहे हैं। नेतृत्व परिवर्तन के बारे में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रधान सचिव बी. एल. संतोष के बयान के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कोई टिप्पणी करने से साफ इंकार कर दिया। उन्होंने केवल इतना कहा कि पार्टी के वरिष्ठ नेता लोग बयान पर फैसला करते हैं। आगामी विधानसभा चुनाव के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे चुनावी समय नजदीक आ रहा है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा राज्य की राजनीतिक स्थिति का जायजा लेने और राज्य में भाजपा को फिर से सत्ता में लाने के लिए राज्य का दौरा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी राज्य के 150 निर्वाचन क्षेत्रों में भाजपा को जिताने के लिए हर बूथ स्तर पर पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ विचार-विमर्श करेगी।

गहलोत ने अनुकम्पा नियुक्ति के 62 प्रकरणों में दी शिथिलता

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सरकारी कार्मिक की मृत्यु के उपरांत आश्रित द्वारा अनुकम्पा नियुक्ति के लिए आवेदन के 62 विभिन्न प्रकरणों में शिथिलता प्रदान की है। गहलोत के इस संवेदनशील निर्णय से मृतक आश्रित इन परिवारों को संबल मिल सकेगा। श्री गहलोत ने निर्धारित अवधि (90 दिवस) निकलने के बाद विलंब से प्रस्तुत किए गए आवेदनों के 41 प्रकरण, बालिग होने के उपरान्त तीन वर्ष से अधिक विलम्ब अवधि में शिथिलन के आठ प्रकरणों, आवेदक के 18 वर्ष की आयु पूर्ण नहीं करने के सात प्रकरण, अधिआयु सीमा में शिथिलन के तीन प्रकरण तथा प्रथम नियुक्ति आदेश की कार्यग्रहण अवधि बढ़ाने के तीन प्रकरण आदि में सहानुभूतिपूर्वक विचार करते हुए यह शिथिलता दी है। मुख्यमंत्री गत करीब तीन साल में अनुकम्पा नियुक्ति के 1105 प्रकरणों में शिथिलता प्रदान कर आवेदकों को राहत प्रदान कर चुके हैं। इस अवधि में 3510 मृतक आश्रितों को अनुकम्पा नियुक्तियां भी दी गई हैं।

संघर्ष के दिनों में जो चाय पिलाता था, गहलोत ने उसे अपने आवास पर बुलाकर पिलाई चाय

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अपने संघर्ष के दिनों में उन्हें जो चाय पिलाता था, उसे अपने आवास पर बुलाकर चाय पिलाई और अपनी पुरानी यादें ताजा की। गहलोत ने संघर्ष के दिनों में उन्हें चाय पिलाने वाले जोधपुर के चांदपोल में पवनपुत्र चाय एवं नमकीन की दुकान वाले किशनलाल रांकावत को रविवार शाम को जयपुर में मुख्यमंत्री निवास पर बुलाया और उनके साथ बातचीत कर पुरानी यादें ताजा की। इस अवसर पर श्री किशनलाल के पुत्र रवीन्द्र रांकावत भी मौजूद थे। श्री गहलोत ने किशनलाल को शॉल ओढ़ाया और चाय के साथ पुरानी यादें खूब ताजा की। गहलोत संघर्ष के दिनों में इनकी दुकान में चाय पीया करते थे और वहां बैठकर चर्चाएं किया करते थे तब श्री किशनलाल अपने पिता बंशीलाल के साथ दुकान चलाया करते थे। मुख्यमंत्री ने अपनी पुरानी यादें ताजा करने की फोटों भी सोशल मीडिया पर साझा की जिसे लोगों ने खूब सराहा।

जन सुराज की रणनीति का 05 मई को खुलासा करेंगे प्रशांत

पटना। चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर जन सुराज को जनता के बीच लेकर जाने और इस पथ पर आगे बढ़ने की पूरी रणनीति का खुलासा 05 मई को करेंगे। किशोर के कांग्रेस में शामिल होने से इनकार कर अब अपनी नई पार्टी बनाने का संकेत देने के कुछ देर बाद उनकी ओर से बताया गया कि वह गुरुवार (05 मई) को संवाददाता सम्मेलन कर लोगों के मन में उनके भविष्य की योजनाओं को लेकर उठ रहे सभी सवालों का जवाब देंगे । चुनावी रणनीतिकार ने इससे पूर्व आज ही ट्वीट कर कहा, लोकतंत्र में एक सार्थक भागीदार बनने और जन-समर्थक नीति को आकार देने में मदद करने की मेरी खोज का 10 साल का सफर काफी उतार-चढ़ाव वाला रहा है। आज मैं जब पन्ने पलटता हूं तो लगता है समय आ गया है कि असली मालिक के पास जाएं, यानी लोगों के बीच ताकि उनकी समस्याओं को बेहतर तरीके से समझ सके और जन सुराज के पथ पर अग्रसर हो सकें। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन, आंध्रप्रदेश के मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी के अलावा कांग्रेस के लिए कई राज्यों में चुनावी रणनीति बनाने वाले श्री किशोर ने ट्वीट में अपनी नई पारी की शुरुआत बिहार से करने का संकेत दिया है ।

बेटियां बोझ नहीं वरदान हैं, इसलिए शुरू की लाडली लक्ष्मी योजना : शिवराज

भोपाल। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आज कहा कि बेटियां बोझ नहीं वरदान हैं, इसलिए वर्ष 2007 में लाडली लक्ष्मी योजना प्रारंभ की गयी। चौहान की गरिमामयी उपस्थिति में यहां आयोजित 'मां तुझे प्रणाम योजना' के पुनः शुभारंभ कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रगीत वंदेमातरम के साथ हुयी। इस अवसर पर खेल मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया भी मौजूद रहीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि वे चाहते है कि मेरी लाडली लक्ष्मी बेटियां हर क्षेत्र में सफलता प्राप्त करें। हम जैसा सोचते और करते हैं, वैसा बन जाते हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 2007 में हमने लाडली लक्ष्मी बेटी योजना शुरू इसलिए की, कि बेटी बोझ नहीं बेटी वरदान हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनके मन में कल्पना थी की मध्यप्रदेश की धरती पर बेटी जन्म ले, तो वह लखपति होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि आज दो योजनाओं का संगम है। एक जो मेरे हृदय से निकली है लाड़ली लक्ष्मी योजना और एक 'मां तुझे प्रणाम योजना' जो भारत माता के प्रति देशभक्ति का भाव पैदा करने के लिए प्रारंभ की है। उन्होंने कहा कि आज लाड़ली लक्ष्मी बेटियां वाघा बॉर्डर पर जा रहीं हैं। चौहान ने कहा कि मां तुझे प्रणाम योजना के तहत अपने गांव की माटी ले जाकर सैनिकों का तिलक करेंगे, उनसे चर्चा करेंगे। जब आएंगे तो शहीदों के लहू से पवित्र माटी का तिलक लगाकर आएंगे। हम ये संकल्प भी लें कि जरूरत पड़ी तो मां भारती की रक्षा के लिए सर्वस्व समर्पण कर देंगे। उन्होंने कहा कि कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती। लाड़ली लक्ष्मी का मतलब है बड़ा लक्ष्य तय करना। आत्मविश्वास से भरा रहना। उन्होंने कहा कि उनके दिमाग में कल्पना आई थी कि बेटी पैदा हो तो लखपति पैदा हो। आज प्रदेश में 43 लाख लाड़ली लक्ष्मी बेटियां हैं। भगवान से प्रार्थना हैं कि बेटियों पर कृपा और आशीर्वाद बनाए रखें। इनके पांव में कभी कांटा न लगे, इनकी आंखों में कभी आंसू न आएं।

गोदाम में आग लगने से सामान जलकर नष्ट

खंडवा। मध्यप्रदेश के खंडवा जिला मुख्यालय के बुरहानपुर रोड स्थित एक गोदाम में आज सुबह अचानक आग लग गयी, जिससे गोदाम में रखा सामान जलकर नष्ट हो गया। हालाकि बाद में दमकल वाहनों की मदद से आग पर काबू पा लिया गया। पुलिस सूत्रों के अनुसार शहर के गुलमोहर कॉलोनी स्थित एक फल की गोदाम में सुबह अचानक आग लग गयी, जिससे उसमें रखा सामान जलकर नष्ट हो गया। घटना के बाद नगर निगम का अग्निशमन दस्ता मौके पर पहुंच गया और आग पर तत्काल काबू पा लिया गया। यह गोदाम इरफ़ान नामक फल व्यवसाई का था। व्यवसाई का कहना है कि गोदाम के सामने कचरे के ढ़ेर में लगाई आग ही गोदाम तक पहुंची है। इस गोदाम के सामने एक पेट्रोल पम्प होने से चिन्ता ज्यादा थी।

प्रधानमंत्री के सलाहकार नियुक्त किए गए रिटायर्ड आईएएस तरुण कपूर, केंद्र में कई फेरबदल

नई दिल्ली। पूर्व पेट्रोलियम सेक्रटरी रिटायर्ड आईएएस तरुण कपूर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सलाहकार नियुक्त किया गया है। सोमवार को सरकार ने यह आदेश जारी किया है। कपूर हिमाचल प्रदेश कैडर के 1987 बैच के आईएएस ऑफिसर हैं। वह पेट्रोलियम और नेचुरल गैस मंत्रालय में सेक्रटरी रह चुके हैं।

मंत्रालय की तरफ से जारी आदेश में कहा गया है, कैबिनेट की अपॉइनमेंट कमिटी ने प्रधानमंत्री के सलाहकार के तौर पर तरुण कपूर की नियुक्ति को

मंजूरी दी है। वह भारत सरकार के सचिव के तौर पर पीएमओ में कार्य करेंगे। फिलहाल दो साल के लिए उनकी नियुक्ति की गई है।

सीनियर अधिकारी हर रंजन राव और आतिश चंद्र को प्रधानमंत्री कार्यालय में अतिरिक्त सचिव नियुक्त किया गया है। राव 1994 बैच के मध्य प्रदेश कैडर के आईएएस ऑफिसर हैं और वर्तमान में टेलीकॉम डिपार्टमेंट में यूनिवर्सल सर्विस ऑब्लिगेशन फंड के ऐडमिनिस्ट्रेटर के तौर पर कार्य कर रहे हैं।

चंद्रा और राव दोनों ही बिहार के बैच के साथ हैं। चंद्रा इस समय फूड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर हैं। इसके अलावा सीनियर आईएएस अधिकारी ज्ञानेश कुमार को सहकारिता मंत्रालय में सचिव नियुक्त किया गया है। वह देवेंद्र कुमार सिंह की जगह लेंगे।

देवेंद्र कुमार सिंह अब मानवाधिकार आयोग के महासचिव के तौर पर काम करेंगे।

इसके अलावा कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग के सचिव प्रदीप कुमार त्रिपाठी को अलकेश शर्मा के स्थान पर सचिव, कैबिनेट सचिवालय बनाया गया है। वहीं अलकेश शर्मा अब सूचना प्रौद्योगिकी व दूससंचार में सचिव के तौर पर काम करेंगे।

आतंकवाद के सफाये के लिए सुरक्षा एजेंसियों के बीच समन्वय बेहद ज़रूरी : भटनागर

एजेंसी

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल के सलाहकार राजीव राय भटनागर ने सोमवार को कहा कि आतंकवाद और नार्को -आतंकवाद के खतरे को पूरी तरह से समाप्त करने के लिए विभिन्न् सुरक्षा एजेंसियों के बीच बेहतर सहयोग एवं समन्वय की दरकार है। यहां हुमहामा में सीमा सुरक्षाबल (बीएसएफ) के अनुषंगी प्रशिक्षण केंद्र पर आयोजित पासिंग आउट परेड में उत्तर प्रदेश के 459 रंगरूटों को बीएसएफ में शामिल किया गया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री भटनागर ने कहा बीएसरएफ ने सुरक्षा की पहली कतार के रूप में न केवल सीमाओं की सुरक्षा की है बल्कि विदेशी प्रायोजित आतंकवाद से निपटने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है । इतना ही नहीं इन्होंने आंतरिक आतंकवाद का भी उसी जीवटता के साथ सामना किया है। उन्होंने आतंकवाद और नार्को - आतंकवाद जैसे खतरों से निपटने के लिए विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों के बीच बेहतर सहयोग और समन्वय की जरूरत को भी रेखांकित किया। उन्होंने कहा देश के सामने आने वाली बड़ी चुनौतियों से निपटने में बीएसएफ के पास प्रभावी तंत्र मौजूद है।

राहुल के दौरे को लेकर ओयू में तनाव जारी

हैदराबाद। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं सांसद राहुल गांधी के सात मई को तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद स्थित उस्मानिया विश्वविद्यालय (ओयू) के दौरे को लेकर सोमवार को भी ओयू में तनाव जारी रहा।

कांग्रेस नेताओं ने उस्मानिया विश्वविद्यालय में भारतीय राष्ट्रीय छात्र संघ (एनएसयूआई) नेताओं के साथ श्री गांधी के बातचीत करने के लिए पुलिस से विशेष रूप से अनुमति मांगी। पर पुलिस ने अनुमति देने से इनकार कर दिया। इसका विरोध करते हुए एनएसयूआई ने ओयू में धरना दिया और इसके कारण पुलिस ने एहतियातन एनएसयूआई नेताओं को गिरफ्तार करके चंचलगुडा जेल भेज दिया।

एनएसयूआई ने रविवार को राज्यव्यापी आंदोलन आहूत किया और एनएसयूआई नेताओं की अग्रिम गिरफ्तारी के विरोध में ओयू में धरना दिया।

उन्होंने यह भी मांग की कि श्री गांधी को ओयू में छात्रों के साथ बातचीत करने की अनुमति दी जाए।

भगवंत मान कैबिनेट ने दी मंजूरी

पंजाब में डेढ़ करोड़ परिवारों को आटे की होगी होम डिलिवरी

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व में पंजाब कैबिनेट ने 1.54 करोड़ लाभार्थियों को गेहूं के आटे की होम डिलीवरी को मंजूरी दे दी है। लाभार्थियों को एक अक्टूबर से आटा मिलना शुरू हो जाएगा। इस फैसले से राज्य के खजाने पर गेहूं की पिसाई और उसे उनके घर तक पहुंचाने के लिए 670 करोड़ रुपये का अतिरिक्त बोझ पड़ेगा।

अब तक राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम योजना के तहत लाभार्थियों को हर तीन महीने में गेहूं दिया जाता था और खर्च 1,825 करोड़ रुपये था।

लाभार्थियों को अब प्रति माह 5 किलोग्राम आटा मिलेगा। कैबिनेट ने सरकारी क्षेत्र में 25,000 लोगों की भर्ती शुरू करने के लिए डिटेल पर भी काम होगा। यह फैसला पहली बैठक में लिया गया और सभी विभागों को रिक्तियों की पहचान करने को कहा गया है।

निजी ट्रांसपोर्टरों के लिए भी गुड न्यूज

कुछ दिन पहले सीएम मान की ओर से घोषित निजी ट्रांसपोर्टरों के लिए एमनेस्टी योजना पर भी कैबिनेट की मंजूरी ली गई। इस योजना के तहत, 78,000 बस, ऑटो और टैक्सी ऑपरेटरों को लाभ होगा क्योंकि वे बिना किसी ब्याज या उन पर लगाए जाने वाले दंड के डर के बकाया का भुगतान कर सकते हैं। इससे पहले पंजाब स्टेट पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड के सीएमडी बलदेव सिंह सरन ने राज्य में बिजली की स्थिति को लेकर कैबिनेट को संक्षिप्त प्रेजेंटेशन दिया। मंत्रियों के लिए 10 प्रतिशत आयातित कोयले की खरीद के बारे में भी जानकारी दी गई। उन्होंने मंत्रियों को बताया था कि पीएसपीसीएल ने पिछले साल इसी अवधि में आपूर्ति की तुलना में 32 प्रतिशत अधिक बिजली की आपूर्ति की थी। उन्होंने यह भी कहा कि पिछले सप्ताह बिजली की कमी की समस्या बिजली संयंत्रों में तकनीकी खराबी के कारण थी।

पश्चिम बंगाल : स्पाइसजेट की मुंबई-दुर्गापुर उड़ान टर्बुलेंस में फंसी, 10 से अधिक यात्री घायल

दुर्गापुर। मुंबई से दुर्गापुर जा रही स्पाइसजेट की एक उड़ान रविवार शाम पश्चिम बंगाल के पश्चिम बर्धमान जिले में काजी नजरूल इस्लाम हवाई अड्डे पर उतरने से ठीक पहले तूफान (टर्बुलेंस) में फंस गयी, जिससे 10 से अधिक यात्री घायल हो गये।

आधिकारिक सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि टर्बुलेंस के दौरान कम से कम 40 यात्रियों को चोटें आयी, जिनमें से 10 घायलों को इलाज के लिए नजदीकी नर्सिंग होम ले जाया गया।

एक मीडिया रिपोर्ट में नागरिक उड्डयन महानिदेशक अरुण कुमार के हवाले से बताया गया कि घायलों में चालक दल का एक सदस्य भी शामिल है। घटना में लगभग 14 यात्री घायल हुए हैं। उनमें से कुछ के सिर में चोटें आई हैं और उन्हें टांके लगे हैं। एक यात्री ने रीढ़ की हड्डी में चोट की शिकायत की है।

स्पाइसजेट के एक अधिकारी ने बताया कि 189 सीटों वाला बोइंग 737-800 विमान उतरते समय टर्बुलेंस में फंस गया, जिससे यात्रियों में दहशत फैल गयी। कई यात्रियों पर केबिन में रखे सामान गिर गये, जिससे उनके सिर सहित विभिन्न अंगों में चोटें आयीं।

हवाई अड्डा प्राधिकरण के सूत्रों ने बताया कि विमान में 188 यात्री सवार थे। उन्होंने बताया कि कुछ यात्रियों के सिर में चोटें आईं और उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों ने बताया कि उनकी हालत स्थिर है और वे खतरे से बाहर हैं।

विमान को लगभग 1915 बजे उतरना था, तभी वह चक्रवाती तूफान से घिर गया।

बालीगंज से तृणमूल कांग्रेस के विधायक बाबुल सुप्रियो ने घटना पर दुख जताया है। उन्होंने ट्वीट कर कहा, यह सुनकर बेहद व्यथित हूं.. राहत मिली कि कोई मौत नहीं हुई है और गंभीर रूप से घायल यात्रियों को अस्पताल ले जाया गया है। मुंबई-दुर्गापुर उड़ान के दौरान भारी टर्बुलेंस, कई यात्री घायल, अस्पताल में भर्ती। श्री सुप्रियो ने अपने ट्विटर अकाउंट पर स्पाइसजेट विमान की एक तस्वीर साझा करते हुए कहा, विमान सुरक्षित रूप से उतरने में कामयाब रहा। घायलों को चिकित्सा सहायता दी गयी और जरूरत पड़ने पर नजदीकी अस्पताल ले जाया गया।

कर्नाटक में बढ़ा तापमान, स्कूलों में गर्मी की छुट्टी बढ़ाये जाने की संभावना

एजेंसी

बेंगलुरु। कर्नाटक में गर्मी का प्रकोप दिन पर दिन बढ़ता ही जा रहा है और कोरोना की चौथी लहर शुरू होने की आशंका के बीच सरकारी स्कूलों में गर्मी की छुट्टी बढ़ाये जाने की संभावना है।

कर्नाटक ने इस सीजन में तापमान रिकॉर्ड ऊंचाई तक पहुंच गयी है। इसी बीच कोविड की चौथी लहर का डर भी शुरू हो रहा है। देशभर में कोरोना की चौथी लहर चल रही है। इस कारण स्कूल शुरू होने से पहले अभिभावकों में भी तनाव शुरू हो चुका है।

शिक्षा विभाग ने 16 मई से चालू शैक्षणिक वर्ष शुरू करने का निर्देश दिया है। स्कूलों को बच्चों की पढ़ाई में सुधार के लिए आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए गए हैं। सरकार ने 16 मई से 15 जून तक स्कूलों को एक महीने की अवधि के लिए 'सेतु बंदा' नामक कार्यक्रम आयोजित करने का निर्देश दिया गया है। बच्चों का नामांकन 16 मई से शुरू होकर 31 जुलाई तक खत्म होगा।

स्कूलों को जल्द खोलने के शिक्षा विभाग के सुझाव पर अभिभावकों की मिली-जुली प्रतिक्रिया आई है। कहा जा रहा है कई माता-पिता ने कहा है कि स्कूल शुरू होने पर भी हम बच्चों को नहीं भेजेंगे। सबसे पहले स्कूल शुरू होने की तारीख बदली जानी चाहिए।

ऐसे में गर्मी की छुट्टियां जून तक जारी रहने की संभावना है। कर्नाटक में अप्रैल की शुरुआत से ही गर्मी ने दस्तक देनी शुरू कर दी है। तटीय कर्नाटक सहित राज्य के सभी हिस्सों में इस भीषण गर्मी हवा के प्रभाव के कारण तापमान बढ़ रहा है। तापमान अधिक होने के कारण माता-पिता अपने बच्चों को घर से बाहर भेजने से कतरा रहे हैं। इसलिए गर्मी की छुट्टियों को जून की शुरुआत तक टालने की मांग की जा रही है।

राज्य के शिक्षा मंत्री बी.सी. नागेश ने कहा, स्कूल 16 मई से शुरू हो रहे हैं। कोविड की चौथी लहर का डर है कि यह जून और जुलाई में चरम पर पहुंच जाएगा।

भाजपा समाधान के बजाए ध्यान भटकाने का कर रही है काम : शर्मा

अजमेर। राजस्थान के पूर्व चिकित्सा मंत्री एवं गुजरात कांग्रेस प्रभारी डा. रघु शर्मा ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर देश की जनता की ज्वलंत समस्याओं पर ध्यान देने और समाधान के बजाए ध्यान भटकाने का काम करने का आरोप लगाया है।

डा. शर्मा अजमेर जिले के जवाजा के रावतमाला में सेवादल की गौरव यात्रा के प्रवेश मौके पर अगवानी करने के बाद अजमेर सर्किट हाउस में आयोजित पत्रकार वार्ता में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि 16 राज्यों में बिजली संकट, भीषण गर्मी में पानी संकट, पेट्रोल-डीजल, रसोई गैस की कीमतों में बेतहाशा बढ़ोतरी के अलावा खाद्य सामग्री पर मंहगाई की मार पर केन्द्र सरकार मौन है और भाजपा नेता

करौली, हिम्मतनगर, लाउडस्पीकर जैसे मुद्दों को हवा देकर देश का माहौल खराब कर रहे है। गुजरात पर चर्चा करते हुए डा.शर्मा ने कहा कि वहा निजी अस्पताल एवं स्कूलों की भरमार हो रही है और गरीब एवं मध्यमवर्गीय मर रहा है क्योंकि उसके पास पैसा होगा तो अच्छा ईलाज अथवा स्कूल में दाखिला हो सकेगा । उन्होंने कहा कि गुजरात आज नशे के कारोबार का अड्डा बन चुका है। राजस्थान में एक पेपर लीक में किस तरह प्रभावी कार्यवाही हुई, सबने देखा। बोर्ड अध्यक्ष को हटाने के साथ आरोपियों की गिरफ्तारी की गई लेकिन गुजरात में 14 पेपर लीक के बावजूद एक गिरफ्तारी नहीं हुई। उन्होंने राजस्थान सरकार और मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के कार्यकाल की तारीफ करते हुए भाजपा सांसदों को आड़े हाथों लिया और कहा कि प्रदेश की जनता ने 25 सांसद दिये लेकिन उन्होंने जनता को क्या दिया । इसलिये भाजपा को प्रदेश सरकार पर ऊंगली उठाने का नैतिक अधिकार नहीं।

एक सवाल के जवाब में डा. शर्मा ने कहा कि वह कोविड सहायकों के साथ हैं क्योंकि परेशानी के दौर में उन्होंने काम किया। मुख्यमंत्री संवेदनशील है, वह जरूर रास्ता निकालेंगे। उन्होंने स्वीकार किया कि उनके समय में ही उनकी सेवाएं शुरू हुई थी।

सेवादल की गौरव यात्रा पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि इसका मकसद देश की आजादी के इतिहास के संदेश के साथ शांति और सद्भाव ,भाईचारे की नीव मजबूत करना है।

उन्होंने बताया कि जयपुर में यात्रा के दौरान बड़ी आमसभा होगी जिसमें मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, प्रभारी अजय माकन, प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा सहित बड़े नेताओं का सम्बोधन होगा और 21 मई को राजीव गांधी के बलिदान दिवस पर भी कोटपूतली में आमसभा आयोजित होगी।

5 जून को रामलला के दर्शन करने जाएंगे राज ठाकरे

एजेंसी

मुंबई। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना ने मुंबई में राज ठाकरे की तस्वीर के साथ चलो अयोध्या% को पोस्टर लगा दिए हैं। एमएनएस के कार्यकर्ता लोगों से अपील कर रहे हैं कि 5 जून को वे राज ठाकरे के साथ अयोध्या पहुंचें। पोस्टर में हिंदी में बड़ा-बड़ा जय श्री राम लिखा गया है। इसमें लिखा गया है, मैं धर्मांध नहीं मैं भी धर्म अभिमानी।

बता दें कि एमएनएस चीफ ने रविवार को कहा था कि मस्जिदों के ऊपर लगे लाउडस्पीकर एक सामाजिक मुद्दा हैं न कि धार्मिक। उन्होंने इन लाउडस्पीकर को हटवाने के लिए 3 मई कि डेडलाइन दे दी है। उन्होंने कहा है कि अगर ये लाउडस्पीकर नहीं हटवाए गए तो 4 मई से दोगुनी आवाज में हनुमान चालीसा बजाया जाएगा।

एक जनसभा को संबोधित करते हुए औरंगाबाद में राज ठाकरे ने कहा, आज महाराष्ट्र का पहला दिन है। आज से चार दिन बाद मैं किसी की नहीं सुनूंगा।

जहां भी लाउडस्पीकर देखूंगा वहीं हनुमान चालीस बजवा दूंगा। उन्होंने कहा कि यह धर्म से जुड़ा मुद्दा नहीं है बल्कि समाज का मुद्दा है।

डाक सेवा जनोपयोगी, ग्राहकों को आसानी से हो उपलब्ध : जयप्रकाश

दरभंगा। डाक प्रशिक्षण केंद्र, दरभंगा के सहायक डाक निदेशक जयप्रकाश ने डाक सेवाओं को जनोपयोगी बताया और कहा कि सभी डाक सेवाएं ग्राहकों तक व्यवस्थीत एवं त्वरित गति से उपलब्ध होनी चाहिए।

जयप्रकाश ने सोमवार को डाक प्रशिक्षण केंद्र, दरभंगा में करीब दो वर्षों के कोरोना काल के बाद आज से शुरू हुए पोस्टल इंस्पेक्टर के इंडक्शन ट्रेनिंग प्रोग्राम के मौके पर आयोजित कार्यक्रम में कहा कि डाक सेवा बेहद जनउपयोगी है, ऐसे में उन्हें पूरे अनुशासन और संजीदगी से डाक सेवा का प्रशिक्षण लेना चाहिए। उन्होंने डाक सेवा के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि वर्तमान दौर में इसका महत्व तेजी से बढ़ रहा है सभी डाक सेवाएं ग्राहकों तक व्यवस्थीत एवं त्वरित गति से उपलब्ध होनी चाहिए। उन्होंने आइपीपीबी, डाक बीमा, बचत खाता, स्पीड पोस्ट आदि योजनाओं के सम्बंध में भी जानकारी दी।

अधिकारी ने सभी डाक निरीक्षकों को पूरी तन्मयता एवं लग्न के साथ इस इंडक्शन प्रोग्राम को पूरा करने की नसीहत दी। उन्होंने कहा कि कोरोना काल में ऑनसाइट ट्रेनिंग बंद था जो फिर से शुरू किया गया है। इस इंडक्शन प्रोग्राम में बिहार झारखंड, पश्चिम बंगाल, उड़िसा, आसाम और पूर्व उत्तर राज्यों के 30 पोस्टल इंस्पेक्टर ट्रेनिंग ले रहे हैं।

गौरतलब है कि डाक प्रशिक्षण केंद्र (पीटीसी), दरभंगा ने 12 जुलाई 1966 से ऐतिहासिक बेला पैलेस में काम करना शुरू कर दिया था। इस महल का निर्माण 1934 में महाराजाधिराज कामेश्वर सिंह ने अपने छोटे भाई राजा बहादुर विश्वेश्वर सिंह के लिए किया था।

तत्कालीन डाक और दूरसंचार विभाग द्वारा पैलेस और आसपास की लगभग 65 एकड़ जमीन खरीदी गई थी। यह भारत के छह डाक प्रशिक्षण केंद्रों (पीटीसी) में से एक है। डाक प्रशिक्षण केंद्र (दरभंगा) बिहार, झारखंड, उड़ीसा और पश्चिम बंगाल सर्कल की प्रशिक्षण आवश्यकताओं को पूरा करता है।

15 मई से 30 जून तक चलाए जाएंगे प्रशासन गांवों के संग अभियान के फॉलोअप कैंप : गहलोत

एजेंसी

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा है कि राज्य सरकार द्वारा राजस्व के लंबित मामलों के निस्तारण के लिए पूर्व में चलाए गए 'प्रशासन गांवों के संग अभियान' के फॉलोअप कैंप 15 मई से 30 जून तक चलाए जाएंगे।

गहलोत रविवार को मुख्यमंत्री निवास पर राजस्व विभाग की समीक्षा बैठक में यह बात कही। उन्होंने कहा कि राज्य प्रशासन के मजबूत अंग के रूप में राजस्व विभाग प्रदेश में राजस्व संबंधी मामलों को पारदर्शिता के साथ त्वरित गति से निस्तारण कर रहा है और अब ये कैंप चलाए जायेंगे, जिनमें प्राप्त प्रकरणों का मौके पर ही निस्तारण कर आमजन को राहत प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि राजस्व विभाग की पहुंच प्रदेश के अंतिम छोर तक है। इसलिए विभागीय अधिकारी राजस्व वादों के निस्तारण की व्यवस्था को

और सुदढ़ करें और ग्राम पंचायत तक पर्याप्त मॉनिटरिंग सुनिश्चित कराएं। उन्होंने राजस्व भू-अभिलेखों, नामांतरण, सीमाज्ञान, पत्थरगढ़ी, गैर खातेदारी से खातेदारी और भूमिहीन परिवारों को कृषि के लिए भूमि आवंटन के लंबित प्रकरणों सहित अन्य प्रकरणों को शीघ्र निस्तारित कर आमजन को राहत प्रदान कराने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के 33 जिलों की 369 तहसीलों में से 21 जिलों की 348 तहसीलों का राजस्व रिकॉर्ड ऑनलाइन हो गया है। उन्होंने शेष 21 तहसीलों को भी शीघ्र ऑनलाइन कराने के निर्देश दिए। उन्होंने राजस्व रिकॉर्ड संबंधित सर्वर की क्षमता बढ़ाने, भूमि की रूपांतरण प्रक्रिया में ऑटो एप्रूवल कराने के निर्देश दिए, ताकि कार्यों में पारदर्शिता आए।

उन्होंने बताया कि राजस्व संबंधी कानूनों का निरंतर सरलीकरण किया जा रहा हैं।

इनमें, राजस्थान भू-राजस्व नियम, 1963 के अतंर्गत संशोधन कर राजकीय विभागों को निर्धारित नॉर्म्स से अधिक भूमि आवंटन के लिए अधिकारिता आवंटन प्राधिकारियों (एसडीओ, जिला कलक्टर, संभागीय आयुक्त) को प्रदान की गई है। ग्रामीण क्षेत्रों में इंटीग्रेटेड टाउनशिप विकसित किए जाने के प्रयोजनार्थ नियमों में खातेदारी भूमि का संपरिवर्तन करने के लिए संशोधन कर प्रावधान किए गए है। उन्होंने बताया कि सामाजिक एवं धार्मिक चैरिटेबल ट्रस्ट को चिकित्सा सुविधायें, शैक्षणिक सुविधायें, वृद्धाश्रम, अनाथालय, नारी निकेतन, लेप्रोसी सेंटर, असमर्थ व्यक्तियों के लिए केंद्र, व्यसन मुक्ति केंद्र, कन्या आश्रम एवं बाल गृह प्रयोजनार्थ संपरिवर्तन के लिए संपरिवर्तन प्रभार से मुक्त किया गया है।

गहलोत ने बताया कि दिव्यांग/मूकबधिर व्यक्तियों के लिए शैक्षणिक और तकनीकी प्रशिक्षण संस्थानों के 30 वर्ष के लिए जारी पट्टा अवधि को 99 वर्ष तक विस्तारित करने एवं विस्तारित अवधि के संबंध में कोई प्रीमियम राशि प्रभारित नहीं किये जाने के संबंध में प्रावधान किए गए हैं।

उन्होंने बताया कि गैर मुमकिन भूमियों पर कृषि के लिए किए अतिक्रमणों के नियमन की तिथि 15 जुलाई 1994 को बढ़ाकर 15 जुलाई 2004 तथा सिवायचक भूमियों पर कृषि के लिए अतिक्रमणों के नियमन की तिथि एक जनवरी 2005 से बढ़ाकर एक जनवरी 2015 की गई है।

शार्ट न्यूज

एनएचएसआरसीएल ने प्रदान किया 3141 करोड़ का दूसरा अनुबंध

अहमदाबाद/नई दिल्ली। नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) ने 3141 करोड़ की कुल अनुमानित लागत पर दूसरा अनुबंध प्रदान किया। पीआरओ और एडिशनल जीएम सुष्मा गौर ने यहां बताया कि एनएचएसआरसीएल ने मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल कॉरिडोर के लिए ट्रैक और ट्रैक से संबंधित कार्यों के डिजाइन, आपूर्ति और निर्माण के लिए दूसरा अनुबंध प्रदान किया है। उन्होंने बताया कि एनएचएसआरसीएल ने गुजरात राज्य में वडोदरा और साबरमती डिपो के बीच डबल लाइन हाई स्पीड रेलवे और कार्यशाला के लिए ट्रैक और ट्रैक से संबंधित कार्यों की आपूर्ति और निर्माण के लिए दूसरा अनुबंध (ट्रैक कार्यों से संबंधित) 3141 करोड़ की कुल अनुमानित लागत पर मैसर्स लार्सन एंड टुब्रो लिमिटेड को एमएएचएसआर टी-3 पैकेज प्रदान किया है। पीआरओ और एडिशनल जीएम ने बताया कि जापानी एचएसआर (शिंकानसेन) में प्रयुक्त गिट्टी-रहित स्लैब ट्रैक सिस्टम का उपयोग भारत की पहली एचएसआर परियोजना (एमएएचएसआर) पर किया जाएगा। जापान रेलवे ट्रैक कंसल्टेंट कंपनी लिमिटेड (जेआरटीसी) ने अनुबंध के लिए प्रमुख एचएसआर ट्रैक घटकों जैसे आरसी ट्रैक बेड, ट्रैक स्लैब व्यवस्था और निरंतर वेल्डेड रेल (सीडब्ल्यूआर) बलों आदि का विस्तृत डिजाइन और ड्राइंग प्रदान की है। इससे पहले वापी और वडोदरा के बीच ट्रैक कार्यों का पहला ठेका मैसर्स इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड को 24 दिसंबर 2021 को दिया गया था। ये अनुबंध मेक इन इंडिया पहल को बढ़ावा देंगे क्योंकि दोनों अनुबंध भारतीय कंपनियों को दिए गए हैं। इस अनुबंध के साथ एनएचएसआरसीएल ने गुजरात में संपूर्ण एमएएचएसआर खंड के लिए कुल 508 किमी में से 352 किमी सिविल और ट्रैक कार्यों को प्रदान किया है।

उपाध्यक्ष - पालिका परिषद् ने एम्स परिसर में जल जनित रोग की रोकथाम और नियंत्रण के बारे में जागरूकता रैली को झंडी दिखाकर रवाना किया

नई दिल्ली। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद क्षेत्र में जल जनित रोगों की रोकथाम और नियंत्रण के लिए जागरूकता अभियान के अंतर्गत एक जागरूकता रैली को झंडी दिखाकर पालिका परिषद के उपाध्यक्ष - श्री सतीश उपाध्याय ने आज एम्स, नई दिल्ली परिसर से रवाना किया। इस अवसर पर श्री उपाध्याय ने एम्स परिसर में छात्रों, संकाय सदस्यों, डॉक्टरों, छात्रावास में रहने वालों, एम्स के फील्ड स्टाफ और एनडीएमसी के कर्मचारियों को संबोधित भी किया और कहा कि निस्संदेह डेंगू एडीज मच्छरों के कारण होने वाली सबसे खतरनाक और घातक बीमारियों में से एक है। इसलिए, मच्छरों के प्रजनन स्थलों को पूरी तरह से साफ स्वच्छ कर देना चाहिए क्योंकि यह डेंगू और अन्य जल जनित बीमारियों को रोकने का पहला और सबसे महत्वपूर्ण तरीका है। पालिका परिषद के मुख्य स्वास्थ्य एवं चिकित्सा अधिकारी (एम.ओ.एच.) - डॉ. रमेश ने कहा कि मच्छर नमी वाले मौसम में साफ ठहरे हुए पानी में पैदा होते हैं, इसलिए हम सभी के लिए यह जरूरी है कि हम अपने परिसर और उसके आस-पास साफ-सफाई बनाए रखें और सुनिश्चित करें कि पानी जमा न हो। उन्होंने आगे कहा कि नई दिल्ली क्षेत्र के अस्पतालों में सभी ड़ेंगू संबन्धी चिकित्सा और परीक्षण सुविधाएं उपलब्ध हैं और लोग बिना किसी शुल्क के इन सुविधाओं का लाभ उठा सकते हैं।उपाध्याय ने छात्रों, संकाय सदस्यों, डॉक्टरों, छात्रावास के वासियों और क्षेत्र के अन्य लोगों से बुखार के मामले में अपील की है कि कृपया अपने नजदीकी अस्पताल / स्वास्थ्य केंद्र पर जाकर नि:शुल्क रक्त परीक्षण और प्लेटलेट काउंट करवाएं और डॉक्टर से भी सलाह लें। उन्होंने कहा कि नियमित रूप से मच्छरदानी का प्रयोग करें और अपने घर और आसपास पानी जमा होने की जांच करें। उन्होंने जनता से डेंगू से निपटने के लिए हर संभव तरीके से स्वास्थ्य कर्मियों के साथ सहयोग करने का आग्रह भी किया। उपाध्याय ने टीम एनडीएमसी के साथ एम्स परिसर का दौरा करते हुए बैनर, पोस्टर, प्ला-कार्ड और नारों के माध्यम से आज जागरूकता अभियान चलाया। इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग की मुख्य चिकित्सा अधिकारी - डॉ. गुंजन सहाय सहित बड़ी संख्या में वरिष्ठ चिकित्सक एवं एम्स के अन्य पैरा-मेडिकल स्टाफ भी उपस्थित था ।

दिल्ली महिला आयोग ने एक रिटायर्ड सरकारी स्कूल शिक्षिका को10 साल से लंबित 20 लाख से अधिक जीपीएफ की रकम दिलाने में मदद की

नई दिल्ली। दिल्ली महिला आयोग ने हस्तक्षेप कर एक रिटायर्ड सरकारी स्कूल की शिक्षिका को उनकी 10 साल से लंबित लगभग 20.59 लाख रुपये सामान्य भविष्य निधि (जीपीएफ) की बकाया राशि प्राप्त कराने में मदद की। शिकायतकर्ता ने स्कूल अधिकारियों द्वारा पिछले 10 वर्षों से अपने जीपीएफ बकाया और सेवानिवृत्ति लाभों का भुगतान न करने के संबंध में आयोग से संपर्क किया था। शिक्षिका ने आयोग को सूचित किया कि उन्होंने राजधानी के विभिन्न सरकारी स्कूलों में 30 से अधिक वर्षों तक काम किया है और वह 2012 में दल्लूपुरा के एक सरकारी स्कूल में वह सेनानिवृत्त हुईं। परंतु उनके रिटायरमेंट के 10 साल से अधिक समय बीतने के बावजूद भी उन्हे अपना बकाया जीपीएफ और सेवानिवृत्ति लाभ नहीं मिले, जिसके लिए वह कई वर्षों से संघर्ष कर रही थी और फिर उन्होंने इस संदर्भ में आयोग को संपर्क किया। दिल्ली महिला आयोग की सदस्य श्रीमती प्रोमिला गुप्ता ने शिकायत पर तुरंत कार्रवाई करते हुए शिकायतकर्ता शिक्षिका से मुलाकात की ,जिन्होंने अपनी सालों से चल रही इस समस्या एवं इसके कारण हो रही वित्तीय कठिनाइयों को उनसे साझा किया। श्रीमती प्रोमिला गुप्ता ने इस मामले का शीघ्र निपटारा करने के लिए शिक्षा विभाग, दिल्ली सरकार को तुरंत नोटिस और समन जारी किया। उसके बाद अधिकारियों द्वारा कार्रवाई की गई और सेवानिवृत्त शिक्षिका को उनका हक प्राप्त हुआ। आयोग को शिक्षा विभाग ने सूचित करते हुए बताया कि शिक्षिका को 20,59,881/- का जीपीएफ भुगतान किया जा चुका है और साथ ही साथ विभाग उनको जल्द से जल्द उनके सेवानिवृत्ति लाभों को प्रदान करने हेतु भी प्रयास कर रहा है। दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्षा स्वाति मालीवाल ने भी मामले का संज्ञान लिया है और शिक्षा विभाग को समन करके जीपीएफ बकाया राशि प्रदान करने में इतनी देरी होने का कारण पूछा है। उन्होंने विभाग को जल्द से जल्द शिक्षिका को उनके सेवानिवृत्ति लाभ प्रदान करने हेतु जिम्मेदारी तय करने को भी कहा है। दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्षा स्वाति मालीवाल ने कहा, यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि एक सेवानिवृत्त शिक्षिका को 30 से अधिक वर्षों तक कड़ी मेहनत करने के बावजूद भी अपने अधिकार का जीपीएफ बकाया राशि प्राप्त करने के लिए 10 वर्षों तक इंतजार करना पड़ा।। आयोग यह सुनिश्चित करेगा की शिक्षिका को उनके अन्य सेवानिवृत्ति लाभ भी जल्द से जल्द प्रदान किए जाएं। मैंने शिक्षा विभाग को तलब कर जीपीएफ राशि मिलने में इतनी देरी के लिए जिम्मेदारी तय करने को कहते हुए उनसे जवाब मांगा है। उत्पीड़न के प्रति आयोग की जीरो टॉलरेंस की नीति है और इस मामले में आयोग कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित करेगा।

ड्राइवर को आई नींद... अनियंत्रित होकर नहर में गिरी कार, 1 की मौत 4 घायल

ग्रेटर नोएडा। थाना दादरी क्षेत्र के एनएच-91 कोट पुल के पास सोमवार को एक होंडा सिटी कार हादसे का शिकार हो गई। जानकारी के मुताबिक हादसा उस वक्त हुआ जब तेज रफ्तार होंडा सिटी कार के ड्राइवर को चलती गाड़ी में नींद आ गई। नींद आने से कार अनियंत्रित होकर नहर में जा गिरी जिससे उसमें बैठे एक शख्स की मौत हो गई। वहीं चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस और आसपास के लोगों की मदद से सभी घायलों को गाड़ी से बाहर निकालकर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के मुताबिक घटना सोमवार सुबह करीब 6 बजे की है। जब दिल्ली से सिकंदराबाद जा रहे एनएच-91 पर दादरी थाना क्षेत्र में कोटपुल के पास ड्राइवर को अचानक से नींद आ गई। जिसके कारण कार अनियंत्रित हो गई और नहर में जा गिरी। सूचना पाकर मौके पर पंहुची पुलिस व आस पास के लोगों ने नहर से सभी को बाहर निकाला जिसमें से एक कि मौत हो गई। सभी घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

उपराष्ट्रपति द्वारा दिल्ली विश्वविद्यालय के शताब्दी समारोह का उद्घाटन

प्रफुल्ल राय गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के शताब्दी समारोह का उद्घाटन भारत के उपराष्ट्रपति एवं दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलाधिपति माननीय एम. वेंकैया नायडू ने दीप प्रज्वलित करके किया। इस अवसर पर मुख्यातिथि के तौर पर अपने उद्घाटन उद्बोधन में उन्होने भारत को पुनः विश्वगुरु बनाने में दिल्ली विश्वविद्याल्य से अपनी महती भूमिका निभाने का आह्वान भी किया। समारोह में उनके साथ विशिष्ट अतिथि के तौर पर केंद्रीय शिक्षा और कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान मौजूद रहे। समारोह की अध्यक्षता दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने की।

गौरतलब है कि दिल्ली विश्वविद्यालय की स्थापना एक मई 1922 को हुई थी और एक मई 2022 को विश्वविद्यालय की स्थापना के शताब्दी समारोह का आयोजन डीयू परिसर में किया गया था। समारोह के दौरान मुख्यातिथि एम. वेंकैया नायडू ने अतीत में भारत की शिक्षा के क्षेत्र में वैश्विक शाख की चर्चा करते हुए नालंदा, तक्षशिला विक्रमशिला आदि विश्वविद्यालयों के उदाहरण दिये जहां कि दुनिया के कोने कोने से विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण करने आते थे। उन्होने भविष्य में भारत के फिर से विश्वगुरु बनने में दिल्ली विश्वविद्यालय का आह्वान किया। उन्होने कहा कि हमें विश्वगुरु बनना है लेकिन किसी पर कब्जा करना हमारा उद्देश्य नहीं और न ही हमने अतीत में कभी ऐसा किया है। दूसरों को खुशी देना और वैश्विक शांति ही हमार उद्देश्य है। उन्होने बताया कि दिल्ली विश्वविद्यालय का स्वतंत्रता आंदोलन में भी अहम योगदान रहा है।

मुख्यातिथि ने कहा कि शिक्षा ज्ञान को बढ़ाने का माध्यम है। उन्होने कहा कि विश्वविद्यालय केवल शिक्षा के केंद्र न बनकर उत्कृष्टता के केंद्र बनें। हमें ज्ञान के केंद्र बनना है और दुनिया के सर्वोत्तम 10 संस्थानों में शुमार होना है। हमें गरीबी तथा अशिक्षा पर काबू पाना है और गांव व शहर की दूरी को पाटना है। इसके लिए विश्वविद्यालयों को नेतृत्व करना होगा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 का ब्लूप्रिंट सही मायनों में पठन व पाठन के समग्र विकास के साथ शिक्षा के परिदृश्य को बदलेगा और नए आयाम स्थापित करेगा। उन्होने क्षेत्रीय शिक्षा और मातृभाषा को बढ़ावा देने का आह्वान करते हुए कहा कि इसके लिए नई शिक्षा नीति में प्रारम्भिक शिक्षा का प्रावधान मातृभाषा में किया गया है।

उन्होने संस्कृति व प्रकृति के संरक्षण पर भी ज़ोर दिया। कोरोना महामारी के दौर का उदाहरण देते हुए उन्होने कहा कि इस महामारी के दौरान गांव के क्षेत्रों में कम प्रभाव देखने को मिला जबकि शहरों में लोग महामारी से अधिक प्रभावित हुए। उसके पीछे उन्होने ग्रामीण लोगों के प्रकृति के नजदीक रहने और मेहनत करने का कारण बताया। उन्होने शारीरिक श्रम पर ज़ोर देते हुए कहा कि इससे मानसिक चुस्ती बनती है।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि वैसे तो भारत में सब कुछ उपलब्ध है, लेकिन फिर भी जो देश से बाहर जाना चाहते हैं, वो वहां जाएँ, सीखें और वापिस आकर भारत में शोध को बढ़ावा दें। शोध का लक्ष्य रिफॉर्म, प्रोफोर्म ओर ट्रांसफ़ोर्म होना

चाहिए जिससे कि लोगों की ज़िंदगी सुविधाजनक और खुशहाल बन सके। यही शिक्षा का उद्देश्य होना चाहिए। उन्होने डीयू से आह्वान किया कि शोध को और बढ़ावा देने के साथ-साथ अपनी वैश्विक रेंकिंग को और बेहतर बनाएँ। इसके साथ ही उन्होने दिल्ली विश्वविद्यालय के 100 वर्ष पूरे होने पर सभी को बधाई दी।

समारोह के विशिष्ट अतिथि के तौर पर आए केंद्रीय शिक्षा और कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने अपने संबोधन में दिल्ली विश्वविद्यालय के 100 वर्ष पूरे होने पर कुलपति, सभी पूर्व कुलपतियों, पूर्व शिक्षकों, वर्तमान शिक्षकों, विद्यार्थियों व डीयू से जुड़े सभी गैर शिक्षक कर्मचारियों सहित डीयू की कैंटीनों में काम करने वाले लोगों को भी बधाई दी। उन्होने कहा कि दिल्ली विश्वविद्यालय के निर्माण व 100 वर्ष की सफल विकास यात्रा में इन सभी लोगों का अहम योगदान है। उन्होने कहा कि पुरातन विश्वविद्यालयों के तो नाम ही हमारे सामने हैं, लेकिन देश में 100 वर्ष की उम्र पूरी कर चुके बहुत कम संस्थान मौजूद हैं जिनमें दिल्ली विश्वविद्यालय भी एक है। उन्होने डीयू को जीवंत विश्वविद्यालय की संज्ञा देते हुए कहा कि हमारी आजादी का इतिहास इस संस्थान से जुड़ा रहा है। शहीद भगत ने एक रात इस संस्थान में गुजारी। महात्मा गांधी इसके सेंट स्टीफन कालेज में रहे।

धर्मेन्द्र प्रधान ने कहा कि भविष्य में हमें रोजगार तलाशने वाले नहीं बल्कि रोजगार पैदा करने वाले बनना होगा और दिल्ली विश्वविद्यालय का इसमें अहम योगदान होगा। उन्होने कहा कि देश के अमृतकाल में डीयू अपना शताब्दी वर्ष मना रहा है। जब देश अपनी आजादी के 100 वर्ष मनाएगा तो डीयू अपनी स्थापना के 125 वर्ष मना रहा होगा। अगले 25 वर्षों में डीयू को शोध के क्षेत्र में बहुत कुछ करना होगा। उन्होने डीयू की सराहना करते हुए कहा कि देश में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को डीयू ने सबसे पहले अपनाया है और केन्द्रीय विश्वविद्यालयों के लिए एकल प्रवेश परीक्षा को लागू करने में भी पहल की है। इसके लिए उन्होने डीयू को भी बधाई दी। उन्होने देश में नए पाठ्यक्रम के लिए भी डीयू से योगदान का आह्वान किया। उन्होने कहा कि नई शिक्षा नीति भारत की शिक्षा को जड़ों से जोड़ेगी और वैश्विक स्तर पर शिक्षा का भारतीय मॉडल स्थापित करेगी। अपने संबोधन के अंत में उन्होने डीयू के शताब्दी समारोह के आयोजन को लेकर सभी को बधाई दी।

दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने डीयू के 100वें स्थापना दिवस पर पहुंचे सभी अतिथियों का स्वागत किया। उन्होने अपने अध्यक्षीय भाषण में डीयू की स्थापना को लेकर कानूनी प्रक्रियाओं से लेकर इसके 100 वर्षों के स्वर्णिम इतिहास पर भी प्रकाश डाला। उन्होने बताया एक मई 1922 को 750 विद्यार्थियों व केवल तीन महाविद्यालयों के साथ शुरू हुआ यह विश्वविद्यालय आज देश-दुनिया का प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय बन चुका है। आज डीयू में 6 लाख 6 हजार 228 विद्यार्थी, 90 कॉलेज, 16 फ़ैकल्टी और हजारों शिक्षक हैं। 40 हजार के बजट से शुरू हुआ यह विश्वविद्यालय आज 838 करोड़ से अधिक के बजट पर पहुँच चुका है। कुलपति ने डीयू की उपलब्धियां गिनवाते हुए बताया कि इन 100 वर्षों में दिल्ली विश्वविद्यालय देश के हर घर और हर मन तक पहुँच चुका है। उन्होने कहा कि अगले 25 वर्षों में डीयू को बहुत कुछ करना होगा। शताब्दी समारोह से पूर्व सुबह कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने डीयू परिसर में नए स्थापित हुए 165 फुट ऊंचे राष्ट्र ध्वज को भी फहराकर उद्घाटन किया। समारोह के दौरान भारतीय डाक विभाग की दिल्ली मण्डल की चीफ पोस्ट मास्टर जनरल सुश्री मंजु कुमार, डीन ऑफ कॉलेजज प्रो. बलराम पाणी, डायरेक्टर साउथ कैंपस प्रो. श्री प्रकाश सिंह, रजिस्ट्रार डॉ. विकास गुप्ता, समारोह समिति की कनवीनर प्रो. नीरा अग्निमित्रा, प्रोक्टर प्रो. रजनी अब्बी, डीयू पीआरओ श्री अनूप लाठर, एनएसयूटी के कुलपति प्रो. जेपी सैनी, अंबेडकर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. अनु सिंह लाठर, डीपीएसआरयू कुलपति प्रो. रमेश कुमार गोयल, आईआईआईटी सोनीपत के डायरेक्टर प्रो. एमएन दोजा व श्री जगदीश मित्तल आदि सहित विश्वविद्यालया के पूर्व कुलपति, पूर्व शिक्षक, वर्तमान शिक्षक, गैर शिक्षक वर्ग, अनेकों गणमान्य व्यक्ति एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

डीयू के शताब्दी समारोह में ये हुई नई शुरुआत

शताब्दी समारोह के दौरान मुख्यातिथि एम. वेंकैया नायडू ने अपने हाथों से डीयू पर एक डाक टिकट भी जारी किया। इसके साथ ही दिल्ली विश्वविद्यालय का शताब्दी स्मारक सिक्का भी जारी किया गया। चित्रों के माध्यम से डीयू के 100 वर्ष के इतिहास पर आधारित एक शताब्दी स्मारिका भी जारी की गई। डीयू की पूरी जानकारी से भरे ब्रोसर को जारी भी किया गया। एनईपी 2020 पर आधारी कैरीकुलम फ्रेमवर्क को हिन्दी, संस्कृत एवं तेलुगू भाषा में मुख्यातिथि ने अपने हाथों से जारी किया।

इसके साथ ही डीयू की शताब्दी वेबसाइट का शुभारंभ भी मुख्यातिथि ने अपने हाथों से रिमोट के द्वारा किया। डीयू के इतिहास व उपलब्धियों को लेकर 100 वर्ष की यात्रा पर एक 100 सेकंड की डाक्यूमेंटरी फिल्म भी जारी की गई। इसके अलावा मुख्यातिथि ने डीयू शताब्दी लोगो को डिजाइन करने वाली गार्गी कालेज की विद्यार्थी कर्तिका खिंची को भी सम्मानित किया।

‘एनएडी’ दिल्ली रतन अवार्ड से 51 हस्तियां सम्मानित

नेशनल अकाली दल महिला विंग ने किया डॉक्टरों, कलाकारों,व्यापारियों व समाजसेवियों को सम्मानित

विवेक राय गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। नेशनल अकाली दल महिला विंग की राष्ट्रीय अध्यक्ष भावना धवन की ओर से वेस्ट दिल्ली के मोती नगर में आयोजित छ्वष्ठ. दिल्ली रतन अवार्ड व हीरो समान पत्र का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि कालरा हॉस्पिटल के निर्देशक डॉ आरएन कालरा व नेशनल अकाली दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष परमजीत सिंह पम्मा थे। इस अवसर पर भावना धवन व परमजीत सिंह पम्मा ने बताया विभिन्न क्षेत्रों में कार्य करने वाले 51 लोगों को सम्मानित किया गया जिसमें डॉक्टरों, कलाकारों, व्यापारियों व समाजसेवियों को सम्मानित किया गया जिसमें मुख्य रुप से दिल्ली पुलिस इंस्पेक्टर राम मनोहर मिश्रा, दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के सदस्य गुरुदेव सिंह, मशूर फिल्मी कलाकार

नितिन भसीन, सानिया शर्मा, मशहूर गायक कर सुरेखा रॉबिन, भागवत किशोर, आशू पंजाबी, युसूफ खान नजामी कव्वाल सूफी गायक दरगाह हजरती निजामुद्दीन के साथ व्यापारी फेडरेशन ऑफ सदर बाजार ट्रेड एसोसिएशन संयोजक पवन कुमार अध्यक्ष राकेश यादव, महामंत्री सतपाल सिंह आनंद मंगा, प्रवीण कुमार बॉबी इनके साथ डॉ. आदितेंद्रादित्य सिंह भाटी, आचार्य जीतू सिंह , रेनू बजाज, बिंदिया मल्होत्रा, धर्म देवी, रश्मीत कौर बिंद्रा, रितु वोहरा, सोना बत्रा, मीनू खत्रेजा, एमडी हिदायत,इरम शेख को सम्मानित किया गया इस अवसर पर डॉ आरएन कालरा ने कहा कि नेशनल अकाली दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष परमजीत सिंह पम्मा व महिला विंग की राष्ट्रीय अध्यक्ष भावना धवन का यह बहुत सराहनीय कदम है क्योंकि इन्होंने विभिन्न क्षेत्रों से समाज के हित के कार्य करने वाले दिल्ली के रत्नों को चुन कर सम्मानित किया जिन्होंने समय-समय पर समाज के हित के लिए कार्य किए जो छ्वष्ठ दिल्ली रतन अवार्ड देकर सम्मानित किया गया है उससे उनकी समाज के प्रति और जिम्मेदारी बढ़ जाती है। इस अवसर पर परमजीत सिंह पम्मा व भावना धवन ने कहा कि व हमारा कर्तव्य है उन लोगों को सम्मानित करें जिन्होंने समय-समय पर लोगों की सहायता करने के लिए आगे बढ़कर मदद की है मगर बड़े दुख की बात है करोना काल से भी लोगों ने सबक नहीं लिया जिन लोगों ने समाज के हित के लिए कार्य किए हैं और उस समय अपनी जान की परवाह न करते हुए लोगों की मदद की है उनको सम्मानित करने के लिए कोई हाथ आगे नहीं बढ़ते इसलिए हमारा कर्तव्य है कि ऐसे लोगों को सम्मानित करके आगे लाएं।

एक जनपद एक उत्पाद प्रशिक्षण एवं टूलकिट योजना के तहत स्मार्ट फोन वितरण कार्यक्रम सम्पन्न

ग्रेटर नोएडा। उत्तर प्रदेश के युवाओ का तकनीकी सशक्तिकरण करने के उद्देश्य से टेबलेट एवं स्मार्ट फोन वितरण योजना 2021-22 के अन्तर्गत एक जनपद एक उत्पाद प्रशिक्षण एवं टूलकिट योजनान्तर्गत प्रशिक्षण एवं टूलकिट प्राप्त लाभार्थियों को स्मार्ट फोन का वितरण कार्यक्रम कार्यालय उपायुक्त उद्योग जिला उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्यमिता विकास केन्द्र सूरजपुर ग्रेटर नौएडा मे सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि माननीय विधायक दादरी तेजपाल नागर तथा विशिष्ट अतिथि मुख्य विकास अधिकारी अनिल कुमार सिह के द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि विधायक दादरी तेजपाल नागर द्वारा लाभार्थियों को जीवन मे परिश्रम कर कठिनाइयों का सामना करते हुए अपने जीवन में प्राप्त उपलब्धियों को बताते हुए लाभार्थियों को आगे बढ़ने के लिए उत्साहवर्धन किया। साथ ही कार्यक्रम में विशिष्ठ अतिथि मुख्य विकास अधिकारी अनिल कुमार सिह द्वारा लाभार्थियों का उत्साहवर्धन किया गया। उनके द्वारा लाभार्थियों को 10 दिवसीय प्रशिक्षण का सदुपयोग करते हुए भावी उद्यमी एवं निर्यातक बनने के लिए शुभकामनाएँ दी गयी। मुख्य अतिथि द्वारा मुख्यमंत्री के नेतृत्व मे बनी उत्तर प्रदेश सरकार की सराहना करते हुए प्रदेश सरकार द्वारा चलायी गयी योजनाओ की प्रंशसा की। अतं मे विधायक दादरी तेजपाल नागर तथा मुख्य विकास अधिकारी अनिल कुमार सिंह के द्वारा स्मार्ट फोन का वितरण किया गया। कार्यक्रम में उपायुक्त उद्योग अनिल कुमार द्वारा अवगत कराया गया कि उक्त उपस्थित लाभार्थियों को एक जनपद एक उत्पाद प्रशिक्षण एव टूलकिट योजनान्तर्गत 10 दिवसीय प्रशिक्षण एटीडीसी संस्था द्वारा दिया गया, प्रशिक्षण उपरान्त लाभार्थियों को टूलकिट भी प्रदान की गयी।

एबीईएस इंजीनियरिंग कॉलेज में हुआ ‘दुर्गा भाभी’ नाटक का भव्य स्टेज शो

आनंद राय गौरवशाली भारत

गाजियाबाद। केन्द्रीय संस्कृति मंत्रालय के अधीन नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा नई दिल्ली के सहयोग से थरटीन स्कूल ऑफ टेलेन्ट डवलपमेंट ने देशभर में पहली बार हुए महान वीरांगना दुर्गा भाभी के जीवन पर आधारित नाटक का धमाकेदार मंचन किया। शहर के एबीईएस इंजीनियरिंग कॉलेज के सर्वपल्ली राधाकृष्णन प्रेक्षागृह में मंचित इस नाटक ने दर्शकों में इतना जोश भरा कि पूरा प्रेक्षागृह रह-रहकर ‘वंदेमातरम’ के जयघोष से गूंजता रहा। नाटक के 35 कलाकारों का कुशल अभिनय, मंझे हुए संवाद, चुस्त पटकथा, लयबद्ध गीत-संगीत, सेट की भव्यता, नाटक का शानदार निर्देशन आदि ने दर्शकों का खूब मन मोहा। दुर्गा भाभी के अंतिम विदाई के दृश्य ने सभी दर्शकों के नेत्र सजल कर दिये। डेढ़ घंटे के इस नाटक में नौजवानों की संख्या सर्वाधिक रही।

उत्तर प्रदेश के वन एवं पर्यावरण मंत्री अरुण कुमार सक्सेना ने बतौर मुख्य अतिथि नाटक की खूब सराहना की और कहा कि भारत सरकार के गुमनाम क्रांतिकारियों को प्रकाश में लाने के अभियान में ‘आजादी की दीवानी दुर्गा भाभी’ नाटक मील का पत्थर साबित हुआ है। पूर्व राज्यसभा सदस्य, वरिष्ठ पत्रकार एवं भाजपा के संस्थापक सदस्य रवीन्द्र किशोर सिन्हा ने घोषणा की कि इस नाटक के देशभर में 50 से अधिक मंचन होंगे। दिल्ली में इस नाटक को देखने के लिए देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह को भी विशेष रूप से आमंत्रित किया जाएगा।

इसे देशभर में दूरतक ले जाने की मुहिम में सहयोग करने का वादा किया। नाटक के निर्देशक एवं लेखक अक्षयवर नाथ श्रीवास्तव ने कहा कि वीरांगना दुर्गा भाभी के जीवन की उन्होंने साढ़े तीन साल तक गहन पड़ताल की। अनेक तथ्य जुटाये। उनके परिजनों से सम्पर्क किया। फिर इसे लिखा और इसका निर्देशन किया। उन्हें गर्व है कि आजादी की यह दीवानी वीरांगना दुर्गा भाभी अपने अंतिम समय तक गाजियाबाद में भी रहीं।

नाटक का सह-लेखन एवं सह-निर्देशन अदित श्रीवास्तव ने किया। वस्त्र परिकल्पना रोजी श्रीवास्तव की थी। गीत कवि डॉ. चेतन आनंद ने लिखे। संगीत संकल्प श्रीवास्तव ने दिया। सेट व प्रकाश परिकल्पना राघव प्रकाश एवं दिव्यांग श्रीवास्तव की रही। साहेब श्रीवास्तव, व प्रखर श्रीवास्तव का कला निर्देशन देखने लायक था। हरि सिंह खोलिया ने मेकअप का प्रभार संभाला। शिक्षाविद् डॉ. माला कपूर ‘गौहर’ का विशेष सहयोग रहा।

इन कलाकारों ने किया जोरदार अभिनय

तनुपाल, शिवम सिंघल, अभिषेक त्यागी, कुमार सौरभ, राजीव वैद, सिमरन मिश्रा, रूकेशव साधना, बालकृष्ण श्रीवास्तव, निशांत शर्मा, अनिरुद्ध शर्मा, विनय कुमार, नेहा पाल, साक्षी देशवाल, मनु वर्मा, कल्याणी मिश्रा, जतिन शर्मा, श्रेयस अग्निहोत्री, ऋषभ सहगल, नीरज शर्मा, इमप्रीत सिंह, शौर्य केसरवानी, राहुल, सुभाष शर्मा, तरुण योगी, आभास, प्रवीण डहल, निखिल, दिव्यांशु भट्ट, अमन, देव आदि।

दिल्ली के पार्कों में गार्डनिंग के लिए होगी रीसायक्लड वाटर की सप्लाई, डिसेंट्रलाइज्ड- सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट्स लगाए जाएंगे

सत्येंद्र जैन ने डिसेंट्रलाइज्ड- एसटीपी के निर्माण कार्य का लिया जायजा, अधिकारियों को पार्क का सुंदरीकरण कर बेहतर बनाने के दिए निर्देश

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने राष्ट्रीय राजधानी में डिसेंट्रलाइज्ड सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (डी-एसटीपी) बनाने की तैयारी की है। पायलट परियोजना के तौर पर जल बोर्ड अभी पांच जगहों पर इसका निर्माण करा रहा है। इसी कड़ी में सोमवार को जल मंत्री सत्येंद्र जैन ने निर्माणाधीन कार्य का निरीक्षण करने के लिए पीतमपुरा के संदेश विहार स्थित एक पार्क का दौरा किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को पब्लिक पार्क का सुंदरीकरण कर बेहतर बनाने और यहां उपलब्ध जगह का किफायत से इस्तेमाल करने के आदेश दिए। जल मंत्री सत्येंद्र जैन ने कहा कि डिसेंट्रलाइज्ड-एसटीपी सौंदर्य की दृष्टि से भी सुंदर दिखना चाहिए और वहीं,सार्वजनिक सुविधा से समझौता भी नहीं होना चाहिए।

क्या है डिसेंट्रलाइज्ड सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट?

डिसेंट्रलाइज्ड सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट एक ऐसा मैकेनिज्म है जिसमें एक छोटा सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट लगाया जाता है जिसकी मदद से गंदा पानी जहां से उत्पन्न हो रहा है उसे उसी जगह ट्रीट किया जा सके। दिल्ली सरकार का लक्ष्य डिसेंट्रलाइज्ड-एसटीपी के जरिए दिल्ली के ज्यादा से ज्यादा पार्कों में पानी की सिंचाई की समस्या का समाधान करना है। इस पहल का उद्देश्य स्थानीय स्तर पर सीवेज के पानी का उपचार करना और इसका उपयोग बागवानी के लिए करना है। वर्तमान में सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट की अवस्थिति शहर के एक हिस्से में है और वहां तक गंदा पानी दूसरी जगह से लाया जाता है। यह काफी खर्चीला साबित होता है। वहीं, दिल्ली के पार्कों में सिंचाई के लिए ट्यूबवेल या फिर नलकूप का पानी इस्तेमाल होता है। इसका असर भूजल पर पड़ता है। लिहाजा डी- एसटीपी से शोधित पानी से पार्कों की सिंचाई होने पर भूजल की बचत होगी। इस प्रकार धीरे-धीरे घट रहे भूजल स्तर को भी संरक्षित किया जा सकेगा।

डिसेंट्रलाइज्ड सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट के फायदे

इसके अलावा, डिसेंट्रलाइज्ड-एसटीपी खाद की खरीद पर खर्च होने वाली राशि की बचत भी करेंगे, क्योंकि रिसायक्लड पानी में सभी आवश्यक पोषक तत्त्व होंगे और इस प्रकार किसी अतिरिक्त उर्वरक या खाद की आवश्यकता नहीं होगी। दिल्ली की अधिकांश कॉलोनियों में बढ़ते जल प्रदूषण, दुर्गंध और भूमिगत जल स्तर में गिरावट के बोझ से मुक्ति भी मिलेगी। डिसेंट्रलाइज्ड-सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट के माध्यम से दिल्ली के पार्कों में सिंचाई के पुराने तरीकों को बदला जाएगा। ये डिसेंट्रलाइज्ड एसटीपी कॉलोनियों के अंदर पार्कों में लगाए जाएंगे। परंपरागत रूप से कॉलोनियों के अंदर सीवर पाइप लाइन का साइज छोटा होता है, जिससे सीवेज ओवर-फ्लो होकर पीने के पानी में मिल जाता है और पानी को दूषित कर देता है। नए डिसेंट्रलाइज्ड- एसटीपी जल प्रदूषण की इस समस्या का समाधान करेंगे क्योंकि सीवरलाइन का काफी पानी डी-एसटीपी में डायवर्ट किया जाएगा। डी-एसटीपी से निकला रीसायकल्ड पानी गार्डनिंग में इस्तेमाल होगा और अतिरिक्त पानी ग्राउंड वॉटर रिचार्ज करने में मदद करेगा।

इन पांच जगहों पर डी-एसटीपी का हो रहा निर्माण

दिल्ली सरकार संदेश विहार मिलाकर कुल पांच जगहों पर पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर इन ट्रीटमेंट प्लांट्स का निर्माण कर रही है। इसमें शेख सराय, रोज गार्डन, प्रह्लादपुर, संदेश विहार, मॉडल टाउन के इलाके शामिल हैं।

ग्रीष्मकालीन जुताई के लिए जिला कृषि रक्षा अधिकारी की एडवाइजरी

ग्रेटर नोएडा। जिला कृषि रक्षा अधिकारी गौतमबुद्धनगर ने समस्त कृषकों का आह्वान करते हुए जानकारी दी है रबी फसलों के कटाई के बाद खेत की गहरी जुताई आगामी खरीफ फसल के लिए अनेक प्रकार से लाभकारी है। ग्रीष्मकालीन जुताई मानसून आने से पूर्व मई-जून महीने में की जाती है। उन्होंने ग्रीष्मकालीन जुताई का मुख्य उददेश्य एवं उससे लाभ के बारे में बताया कि ग्रीष्मकालीन जुताई करने से मृदा की संरचना में सुधार होता है जिससे मृदा की जलधारण क्षमता बढ़ती है जो फसलों के लिए अत्यन्त उपयोगी होती है। खेत की कठोर परत को तोड़ कर मृदा की जड़ों के विकास के लिए अनुकूल बनाने के लिए ग्रीष्मकालीन जुताई अत्यधिक लाभकारी है। खेत में उगे हुए खरपतवार एंव फसल अवशेष मिट्टी में दबकर सड़ जाते हैं तथा जैविक खाद में परिवर्तित हो जाते हैं जिससे मृदा में जीवांश की मात्रा बढ़ती है। मृदा के अन्दर छिपे हुए हानिकारक कीड़े, मकोड़े उनके अण्डे, लार्वा, प्यूपा एव खरपतवारों के बीज गहरी जुताई के बाद सूर्य की तेज किरणों के सीधे सम्पर्क में आने से नष्ट हो जाते है, जिससे फसलों पर कीटनाशकों एवं खरपतवारनाशी रसायनों का कम उपयोग करना पड़ता है। गर्मी की गहरी जुताई के उपरान्त मृदा में पाये जाने वाले हानिकारक जावाणु, कवक, निमेटोड एव अन्य हानिकारक सूक्ष्म जीव मर जाते है जो फसलों में मृदा जनित रोग के प्रमुख कारक होते हैं। निमेटोड का नियंत्रण करने के लिए कीटनाशकों का प्रयोग खर्चीला होता है परन्तु ग्रीष्मकालीन जुताई से इनका नियंत्रण बिना किसी लागत के हो जाता है। मृदा में वायु संचार बढ़ जाता है जो लाभकारी सूक्ष्म जीवों के वृद्धि एवं विकास में सहायक होता है, जिससे फसलों के गुणवत्तापूर्ण उत्पादन में लाभ मिलता है। मृदा में वायु संचार बढ़ने से खरपतवारनाशी एवं कीटनाशी रसायनों के विषाक्त अवशेष एवं पूर्व फसल की जड़ों द्वारा छोड़े गये हानिकारक रसायनों के अपघटन में सहायक होती है।

संपादकीय

मीडिया की स्वतंत्रता आज की सबसे बड़ी जरूरत

विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस प्रत्येक वर्ष 3 मई को मनाया जाता है। प्रेस किसी भी समाज का आईना होता है। 1991 में यूनेस्को की जनरल असेंबली के 26वें सत्र में अपनाई गई सिफारिश के बाद, संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) ने दिसंबर 1993 में विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस की घोषणा की थी। प्रेस की आजादी से यह बात साबित होती है कि किसी भी देश में अभिव्यक्ति की कितनी स्वतंत्रता है। भारत जैसे लोकतांत्रिक देश में प्रेस की स्वतंत्रता एक मौलिक जरूरत है। आज हम एक ऐसी दुनिया में जी रहे हैं, जहाँ अपनी दुनिया से बाहर निकल कर आसपास घटित होने वाली घटनाओं के बारे में जानने का अधिक वक्त हमारे पास नहीं होता। ऐसे में प्रेस और मीडिया हमारे लिए एक खबर वाहक का काम करती हैं, जो हर सवेरे हमारी टेबल पर गरमा गर्म खबरें परोसती हैं। प्रेस केवल खबरे पहुंचाने का ही माध्यम नहीं है बल्कि यह नये युग के निर्माण और जन चेतना के उद्बोधन एवं शासन-प्रशासन के प्रति जागरूक करने का भी सशक्त माध्यम है। प्रेस देश एवं दुनिया की राजनीति और उसके लिए आवश्यक सदाचार का माध्यम रही है। हिंसा, विपत्तियां और भ्रष्टाचार को लेकर भी अनेक पक्ष उसने समय-समय पर प्रस्तुत किये हैं। %%आज हर हाथ में पत्थर है। आज समाज में नायक कम खलनायक ज्यादा हैं। प्रसिद्ध शायर नज़्मी ने कहा है कि अपनी खिड़कियों के कांच न बदलो नज़्मी, अभी लोगों ने अपने हाथों से पत्थर नहीं फेंके हैं।%% प्रेस ने समय-समय पर ऐसी स्थितियों के प्रति सावधान किया गया है, 'डर पत्थर से नहीं, डर उस हाथ से है जिसने पत्थर पकड़ रखा है।' महावीर, बुद्ध एवं गांधी का उदाहरण देते हुए बहुत सफाई के साथ प्रेस ने समाज को सजग किया है। विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस प्रेस की स्वतंत्रता के मौलिक सिद्धांतों का जश्न मनाने के साथ-साथ दुनिया भर में प्रेस की आजादी का मूल्यांकन करने का अवसर है। यह दिवस मीडिया की आजादी पर हमलों से मीडिया की रक्षा करने तथा मरने वाले पत्रकारों को श्रद्धांजलि अर्पित करने का कार्य करता है। इस दिन के मनाने का उद्देश्य प्रेस की स्वतंत्रता के विभिन्न प्रकार के उल्लंघनों की गंभीरता के बारे में जानकारी देना भी है। यह दिन प्रेस की आजादी को बढ़ावा देने और इसके लिए सार्थक पहल करने तथा दुनिया भर में प्रेस की आजादी की स्थिति का आकलन करने का भी दिन है। प्रेस की आजादी का मुख्य रूप से यही मतलब है कि शासन की तरफ से इसमें कोई दखलंदाजी न हो, लेकिन संवैधानिक तौर पर और अन्य कानूनी प्रावधानों के जरिए भी प्रेस की आजादी की रक्षा जरूरी है। यह दिवस प्रेस के सम्मुख उपस्थित विभिन्न झंझावातों एवं संकटों के बीच अपने प्रयासों के दीप जलाये रखने का आह्वान हैं। भारत जैसे विकासशील देशों में मीडिया पर जातिवाद और सम्प्रदायवाद जैसे संकुचित विचारों के खिलाफ संघर्ष करने और गरीबी तथा अन्य सामाजिक बुराइयों के खिलाफ लड़ाई में लोगों की सहायता करने की बहुत बड़ी जिम्मेदारी है, क्योंकि लोगों का एक बहुत बड़ा वर्ग पिछड़ा और अनभिज्ञ है, इसलिये यह और भी जरूरी है कि आधुनिक विचार उन तक पहुंचाए जाएं और उनका पिछड़ापन दूर किया जाए, ताकि वे सजग भारत का हिस्सा बन सकें। न केवल भारत में बल्कि दुनिया में प्रेस की स्वतंत्रता को लहूलुहान और जंजीरों में जकड़ने की कोशिशें हो रही हैं। इन त्रासद एवं विडम्बनापूर्ण स्थितियों में कैसे भरेगी कलम उड़ान! यही विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस पर यह एक चिन्तनीय विषय है। भारत में पत्रकारिता लोकतंत्र का चौथा स्तंभ माना गया है। अकबर इलाहाबादी ने इसकी ताकत एवं महत्व को इन शब्दों में अभिव्यक्ति दी है कि 'न खींचो कमान, न तलवार निकालो, जब तोप हो मुकाबिल तब अखबार निकालो। उन्होंने इन पंक्तियों के जरिए प्रेस को तोप और तलवार से भी शक्तिशाली बता कर इनके इस्तेमाल की बात कह गए हैं। अर्थात कलम को हथियार से भी ताकतवर बताया गया है।

धर्मनिरपेक्षता के असल मायनों को समझें, समाज में भेद पैदा करने वालों से सतर्क रहें

सुरेश हिंदुस्थानी

यह सभी जानते हैं कि कांग्रेस और समाजवादी पार्टी अपने आपको धर्मनिरपेक्ष राजनीतिक दल मानती हैं और इन्हीं दलों ने मुस्लिम वर्ग का तुष्टिकरण करने की राजनीति की। इसके कारण देश में जिस प्रकार से वर्ग भेद खाई पैदा हुई, उससे आज का वातावरण पूरी तरह से प्रदूषित हो रहा है। किसी भी देश के शक्तिशाली होने के निहितार्थ होते हैं। इन निहितार्थों का मन, वाणी और कर्म से अध्ययन किया जाए तो जो प्राकट्य होता है, वह यही प्रदर्शित करता है कि सबके भाव राष्ट्रीय हों, सबके अंदर एक दूसरे के प्रति सामंजस्य भाव की प्रधानता हो, लेकिन वर्तमान में समाज के बीच सामंजस्य के प्रयास कम और समाज के बीच भेद बनाने के प्रयास ज्यादा हो रहे हैं। जिसके चलते हमारी राष्ट्रीय अवधारणाएं तार-तार होती जा रही हैं। कौन नहीं जानता कि भारतीय समाज की इसी फूट के कारण भारत ने गुलामी के दंश को भोगा था। अंग्रेजों की नीति का अनुसरण करने वाले राजनीतिक दल निश्चित ही भारत के समाज में एकात्म भाव को स्थापित करने प्रयासों को रोकने का उपक्रम ही कर रहे हैं। जो संभवत: भारत की बढ़ती शक्ति से परेशान हैं। समाज को ऐसे षड्यंत्रों को समझने का प्रयास करना चाहिए। लम्बे समय से भारत में इस धारणा को समाज में संप्रेषित करने का योजनाबद्ध प्रयास किया गया कि मुस्लिम तुष्टिकरण ही धर्मनिरपेक्षता है। इसी के कारण गंगा जमुना तहजीब की अपेक्षा केवल हिन्दू समाज से ही की जाती रही है। भारत का हिन्दू समाज पुरातन समय से इस संस्कृति को आत्मसात किए हुए है। तभी तो इस देश में सभी संप्रदाय के व्यक्तियों को पर्याप्त सम्मान दिया गया। यह सभी जानते हैं कि कांग्रेस और समाजवादी पार्टी अपने आपको धर्मनिरपेक्ष राजनीतिक दल मानती हैं और इन्हीं दलों ने मुस्लिम वर्ग का तुष्टिकरण करने की राजनीति की। इसके कारण देश में जिस प्रकार से वर्ग भेद खाई पैदा हुई, उससे आज का वातावरण पूरी तरह से प्रदूषित हो रहा है। अभी हाल ही में जिस प्रकार से रामनवमी और हनुमान जन्मोत्सव की शोभायात्राओं पर पत्थबाजी की गई, वह देश के धर्मनिरपेक्ष स्वरूप की परिभाषा के दायरे में बिलकुल भी नहीं आता। धर्मनिरपेक्षता की सही परिभाषा यही है कि देश में धर्मों को समान दृष्टि से देखा जाए, लेकिन क्या देश में समाज के द्वारा सभी धर्मों को समान रूप से देखने की मानसिकता विकसित हुई है। अगर नहीं तो फिर धर्मनिरपेक्षता का कोई मतलब ही नहीं है। वस्तुत~ धर्मनिरपेक्षता शब्द समाज में समन्वय स्थापित करने में नाकाम साबित हो रहा है, इसके बजाय वर्ग भेद बढ़ाने में ही बहुत ज्यादा सहायक हो रहा है। हालांकि यह शब्द भारत के मूल संविधान का हिस्सा नहीं था। इसे इंदिरा गांधी के शासन काल में आपातकाल के दौरान जोड़ा गया था। इस शब्द के आने के बाद ही देश में तुष्टिकरण की राजनीतिक भावना ज्यादा जोर मारने लगी। यहां हम हिन्दू और मुस्लिम वर्ग को अलग-अलग देखने को प्रमुखता नहीं दे रहे हैं। और न ही ऐसा दृश्य दिखाने का प्रयास ही करना चाहिए। बात देश के समाज की है, जिसमें हिन्दू भी आता है और मुस्लिम भी। जब हम समाज के तौर पर चिंतन करेंगे तो स्वाभाविक रूप से हमें वह सब दिखाई देगा, जिसकी एक निरपेक्ष व्यक्ति से कल्पना की जा सकती है। लेकिन इसकी बजाय हम पूर्वाग्रह रखते हुए किसी बात का चिंतन करेंगे तो हम असली बातों से बहुत दूर हो जाएंगे। आज देश में यही हो रहा है। आज का मीडिया अखलाक और तबरेज की घटना को भगवा आतंक के रूप में दिखाने का साहस करता दिखता है, लेकिन इन घटनाओं के पीछे का सच जानने का प्रयास नहीं किया जाता।

अटॉर्नी जनरल, सॉलिसिटर जनरल और एडवोकेट जनरल में क्या अंतर है? कौन तय कर करता है कि ये कौन सा केस लड़ेंगे?

अभिनय आकाश

संविधान के अनुच्छेद 76 में कहा गया है कि सरकार को कानूनी या विधी सहायता देने के लिए एक अधिकारी की नियुक्ति की गई जिसे हम अटॉर्नी जनरल या महान्यायवादी कहते हैं। अटॉर्नी जनरल आमतौर पर अदालत का एक उच्च सम्मानित वरिष्ठ अधिवक्ता होता है।

देशद्रोह कानून की संवैधानिक वैधता पर सुप्रीम कोर्ट की तरफ से केंद्र से जवाब दाखिल करने को कहा है। कोर्ट में इस मामले की सुनवाई 5 मई को होगी। इस मामले में इससे पहले पेश होते हुए सुनवाई के दौरान अटॉर्नी जनरल केके वेणुगोपाल ने कहा था कि कानून के पूरे खंड को खत्म करने की आवश्यकता नहीं है। इस मामले में अदालत सख्त दिशानिर्देश निर्धारित कर सकती है जिससे कि इसका इसका कानूनी उद्देश्य पूरा हो सके। वहीं देश राजधानी दिल्ली में क्षेत्राधिकार को लेकर राज्य सरकार और केंद्र सरकार के बीच अदालती लड़ाई चल रही है। दिल्ली सरकार बनाम केंद्र मामले पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान अधिकारियों के ट्रांसफर पोस्टिंग पर अब केंद्रीय अधिकार की वकालत की गई है। मामले की सुनवाई करते हुए जब सीजेआई ने पूछा कि अब सरकार क्या विधानसभा के अधिकार को लेकर पीछे हट रही है? जिस पर सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने दुनिया के कई विकसित देशों की राजधानियों का जिक्र करते हुए संविधान के मुताबिक दिल्ली के विधानसभा को दिए अधिकारों का हवाला दिया। मामले दो अलग-अलग लेकिन हम दोनों का इकट्ठा जिक्र क्यों कर रहे हैं। वजह है मामले दो वो भी अलग-अलग, कोर्ट एक यानी देश की सर्वोच्च अदालत, एक पार्टी यानी पक्षकार सरकार है। लेकिन सरकार की तरफ से वकील दो अलग-अलग नाम और पद वाले। एक में सरकार की तरफ से अटॉर्नी जनरल पेश हुए तो दूसरे में सॉलिसिटर जनरल। ऐसे में आईए आपको बताते हैं कि अटॉर्नी जनरल कौन होते हैं? इनका काम क्या होता है, अटॉर्नी जनरल और सॉलिसिटर जनरल में क ?या फर्क होता है? इनकी नियुक्ति कैसे होती है और कौन तय कर करता है कि ये कौन सा केस लड़ेंगे?

भारत के अटॉर्नी जनरल कौन होते हैं?

संविधान के अनुच्छेद 76 में कहा गया है कि सरकार को कानूनी या विधी सहायता देने के लिए एक अधिकारी की नियुक्ति की गई जिसे हम अटॉर्नी जनरल या महान्यायवादी कहते हैं। अटॉर्नी जनरल आमतौर पर अदालत का एक उच्च सम्मानित वरिष्ठ अधिवक्ता होता है। इसकी योग्यता सुप्रीम कोर्ट के जज के बराबर की होती ही। जैसे उदाहरण के लिए आप ग्रैजुएट हैं और एक डीएम के लिए भी योग्यता ग्रैजुएट की होनी चाहिए। उसी तरह अर्टानी जनरल का सुप्रीम कोर्ट का जज होना जरूरी नहीं है। लेकिन योग्यता इसके बराबर की होनी चाहिए। अब ऐसे में आपके मन में ये सवाल होगा कि सुप्रीम कोर्ट के जज की क्या योग्यात है। तो चलिए ये भी बता देते हैं- पांच साल हाईकोर्ट में जज या 10 साल वकील रहना जरूरी है। भारत का अटॉर्नी जनरल भारत सरकार का मुख्य कानूनी सलाहकार होता है और भारत के सर्वोच्च न्यायालय से जुड़े मामलों में सरकार का प्राथमिक वकील भी। मुख्य बात ये है कि अर्टॉनी जनरल का काम सरकार को विधि सलाह देना होता है जैसे धारा 370 में कैसे संशोधन किया जाता सकता है, तीन तलाक को कैसे हटाया जा सकता है। जितने भी बड़े निर्णय होते हैं उसको लेकर सलाह महान्यायवादी की तरफ से ही सरकार को दी जाती है। जिसे हम अटॉर्नी जनरल कहते हैं।

अटॉर्नी जनरल का काम क्या होता है?

केस लड़ने से संबंधी चीजों को उर्दू में पैरवी करना, हिंदी में मुकदमा लड़ना और अंग्रेजी में प्रैक्टिस करना कहते हैं। ऐसे में अटॉर्नी जनरल भारत के किसी भी कोर्ट में मुकदमा लड़ने में सक्षम हैं क्योंकि उनकी योग्यता जैसा की हमने पहले भी बताया सुप्रीम कोर्ट के जज के बराबर है। इसके अलावा ये किसी भी निजी व्यक्ति का भी मुकदमा लड़ सकते हैं, बर्शते वो मुकदमा सरकार के विरूद्ध नहीं हो। यहीं एक बड़ा पेंच है। किसी भी निजी व्यक्ति का मुकदमा लड़ने पर वहां से पैसे प्राप्त होंगे और सरकार से भी सैलरी मिलेगी। ऐसे में कहा गया कि निजी व्यक्ति का मुकदमा लड़ने पर तो अटॉर्नी जनरल को जो फीस लेनी होगी वो अपने क्लाइंट से लेंगे, लेकिन सरकार की तरफ से उन्हें अटॉर्नी जनरल के रूप में कोई मेहनताना नहीं मिलेगा। लेकिन हां भत्ता व घर का प्रावधन जरूर किया गया है। जेड प्लस सिक्योरिटी भी मिलती है। अटॉर्नी जनरलों को संसद की कार्यवाही में भाग लेने का अधिकार है, लेकिन सदन में वोट नहीं दे सकते। इनकी नियुक्ति प्रधानमंत्री की सलाह पर राष्ट्रपति द्वारा की जाती है। महान्यायवादी भारत सरकार से संबंधित सभी मामलों (मुकदमों, अपीलों और अन्य कार्यवाही सहित) में सर्वोच्च न्यायालय में उपस्थित होते हैं। संविधान एजी को निश्चित कार्यकाल प्रदान नहीं करता है। इसलिए, वह राष्ट्रपति के प्रसाद पर्यंत पद धारण करता है। उन्हें राष्ट्रपति द्वारा किसी भी समय हटाया जा सकता है। उसे हटाने के लिए संविधान में कोई प्रक्रिया या आधार नहीं बताया गया है।

सॉलिसिटर जनरल कौन होते हैं?

अब इतना बड़ा देश और इससे जुड़े कानूनी मुद्दे भी ढेर सारे। ऐसे में सभी को एक महान्यायवादी द्वारा संभाला जाना तो संभव नहीं है। ये तो वही बात हो गई कि हजारों बच्चों से भरे स्कूल में एक ही शिक्षक हो और उसे ही सभी को पढ़ाने की जिम्मेदारी दे दी गई हो। ऐसे में इनकी सहायता सॉलिसिटर जनरल की तरफ से की जाती है। एडिशनल सॉलिसिटर जनरल की संख्या वर्तमान समय में चार होती है जबकि सॉलिसिटर जनरल और अटॉर्नी जनरल की संख्या 1-1 ही होती है। वर्तमान में भारत के सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता हैं। उन्हें 2018 में भारत के सॉलिसिटर जनरल के रूप में नियुक्त किया गया था। भारत के वर्तमान अटॉर्नी जनरल के के वेणुगोपाल हैं। उन्हें भारत के राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी द्वारा नियुक्त किया गया था।

सॉलिसिटर जनरल का काम

भारत का सॉलिसिटर जनरल भारत के महान्यायवादी के अधीन होते हैं। भारत के लिए सॉलिसिटर जनरल देश का दूसरा कानून अधिकारी हैं, जो अटॉर्नी जनरल की सहायता करते हैं। सॉलिटर जनरल की मदद के लिए चार एडिशनल सॉलिसिटर जनरल भी होते हैं। अटॉर्नी जनरल के विपरीत, सॉलिसिटर जनरल भारत सरकार को कानूनी सलाह नहीं देते हैं। उनका कार्य भारत संघ की ओर से अदालतों में पेश होने तक ही सीमित है। सॉलिसिटर जनरल की नियुक्ति भी राष्ट्रपति ही करते हैं। उनकी योग्यता का पैमाना वहीं है जो अटॉर्नी जनरल के लिए होता है। अगर राष ?ट्रपति की तरफ से सुप्रीम कोर्ट में कोई संदर्भ उठता है तो संविधान के अनुच ?छेद 143 के तहत अटॉर्नी और सॉलिसिटर जनरल, दोनों में से कोई भी सरकार का प्रतिनिधित ?व कर सकता है। काम के लिहाज से देखें तो अटॉर्नी जनरल और सॉलिसिटर जनरल में कोई अंतर नहीं है। हां, अटॉर्नी जनरल का पद संवैधानिक है मगर सॉलिसिटर जनरल और ऐडिशनल सॉलिसिटर जनरल के पद महज वैधानिक।

एडवोकेट जनरल के कार्य और अधिकार

एडवोकेट जनरल यानी महाधिवक्ता राज्य प्रमुख को विधि संबंधी सलाह देने का कार्य करता है। वो राज्य के दोनों सदनों (विधानसभा तथा विधान परिषद) की कार्यवाही में और सदन में बोलने की शक्ति रखता है। इनका पारिश्रमिक संविधान द्वारा निर्धारित नहीं है, लेकिन सरकार द्वारा निर्धारण के अनुसार वेतन प्राप्त होता है। एडवोकेट जनरल को राज्य के सीओएम की सलाह पर राज्यपाल द्वारा नियुक्त किया जाता है और एडवोकेट जनरल अपना इस्तीफा भी राज्यपाल को ही सौंपते है। महाधिवक्ता किसी राज्य का प्रथम विधि अधिकारी होते हैं। उनका कार्यालय और कार्य भारत के महान्यायवादी के समान हैं। एडवोकेट जनरल की योग्यता हाई कोर्ट के जज के बराबर की होनी चाहिए। एडवोकेट जनरल को राज्य विधानमंडल के किसी भी सदन की कार्यवाही में भाग लेने और बोलने का अधिकार है। राज्य के किसी भी न्यायालय में सुनवाई का अधिकार है। अनुच्छेद 165 के तहत प्रत्येक राज्य में एक महाधिवक्ता होगा।

मायावती भले एक सीट पर सिमट गयी हों, लेकिन उन्हें कम आंकने की भूल ना करें अखिलेश

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के समय समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने बसपा को बीजेपी की बी टीम बता कर मायावती के खिलाफ जो सियासी लड़ाई शुरू की थी, उससे बसपा को तो नुकसान हुआ ही समाजवादी पार्टी को भी इसका खामियाजा भुगतना पड़ा। सपा की उम्मीद के अनुसार दलित वोट उनकी पार्टी में जाने की बजाय बीजेपी की तरफ चले गए, जिससे बसपा-सपा दोनों को नुकसान हुआ और बीजेपी %दो बंदरों% की लड़ाई में फायदा उठा ले गई।

दरअसल, सपा प्रमुख अखिलेश यादव लगातार अपनी चुनावी सभाओं में कहते घूमते रहे थे कि बसपा को वोट देना बेकार है। वह कह रहे थे कि बसपा, बीजेपी की बी टीम है तथा भाजपा और बसपा के बीच समझौता हो गया है। चुनाव बाद बीजेपी मायावती को राष्ट्रपति बनाएगी। अखिलेश की इस बात पर बड़ी तादाद में वोटरों को भरोसा भी होने लगा, लेकिन इसके विपरीत उम्मीद के अनुसार समाजवादी पार्टी को इसका कोई फायदा नहीं मिला, बल्कि उम्मीद के विपरीत सपा को इसका खामियाजा भुगतना पड़ा। अखिलेश को लगता था कि बसपा को बीजेपी की बी टीम बताने से मुस्लिम वोटर बसपा के पक्ष में मतदान नहीं करेगा, उनकी यह सोच सही साबित हुई, लेकिन बसपा को कमजोर देख कर बीएसपी के कोर वोटर माने जाने वाले दलितों ने भी मायावती से मुंह मोड़ लिया। मुस्लिम वोटरों ने जहां सपा का रुख किया वहीं दलित वोटरों ने बीजेपी की तरफ कदम बढ़ा दिए। नतीजा यह हुआ कि मुसलमानों के वोट से सपा को उतना फायदा नहीं हुआ, जितना फायदा बीजेपी को दलित वोट मिलने से हो गया। बीजेपी की पूर्ण बहुमत की सरकार बन गई और सपा को 111 सीट पर ही संतोष करना पड़ा।

जो लोग समाजवादी सरकार बनने का सपना देख रहे थे, उनके अरमानों पर पानी फिर गया। इसी के साथ अखिलेश यादव के खिलाफ पार्टी के भीतर से आवाज उठने लगी। खासकर जो आजम खान अभी तक अखिलेश यादव को लेकर चुप्पी साधे हुए थे, उनके समर्थकों ने आजम की नाराजगी की बात सामने रखकर मानो अखिलेश के ऊपर बम फोड़ दिया। आजम की नाराजगी सामने आते ही एक-एक कर कई मुस्लिम नेताओं और संगठनों ने भी अखिलेश के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। उधर मौका देखकर बसपा सुप्रीमो मायावती भी अखिलेश यादव के खिलाफ हमलावर हो गई हैं। मायावती, अखिलेश पर तंज कस रही है कि जो स्वयं सीएम नहीं बन सकता है वह हमें (मायावती) भला पीएम क्या बना सकता है। मायावती ने यह भी स्पष्ट किया कि वह राष्ट्रपति नहीं बनना चाहती हैं। वह सीएम या पीएम बनेंगी। मायावती ने अखिलेश को तब निशाने पर लिया है जब वह चारों तरफ से घिरे हुए हैं। शिवपाल यादव, आजम खान, जयंत चौधरी, ओमप्रकाश राजभर एवं तमाम मुस्लिम संगठन उनको आंखें दिखा रहे हैं। बहरहाल, बसपा सुप्रीमो जिस तरह से अखिलेश पर हमलावर हैं उससे राजनीति के जानकार आश्चर्यचकित नहीं हैं। राजनीतिक पंडितों को कहना है कि अखिलेश ने बसपा सुप्रीमो को हल्के में लेकर मुसीबत की घड़ी में एक और नया मोर्चा खोल लिया है। अब तक चार बार उत्तर प्रदेश की सत्ता पर काबिज हो चुकी बहुजन समाज पार्टी (बसपा) भले ही विधानसभा में एक सीट तक सिमट गई हो, लेकिन मायावती के हौसले अब भी बुलंद हैं। मायावती को सियासत में बड़े उलटफेर करने वाला खिलाड़ी माना जाता है। कई बार तो मुलायम भी मायावती के सियासी दांवपेंच में फंस जाया करते थे। अखिलेश तो अभी उनके मुकाबले काफी कम अनुभवी हैं। बसपा सुप्रीमो अपने खिलाफ चल रही सभी साजिशों को नाकाम करने में लगी हैं।

सफलता का मापदंड - आनंदश्री

क्या सफलता का भी कोई मापदंड हो सकता है ? कैसे पता चलेगा कि कोई सफल हुआ है या नही ?

सफलता अपने आप खेत मे पैदा होने वाली खतपतवार नही है। इसे सही समय पर खून पसीने के साथ सींचना पड़ता है। सही योजना बनानी पड़ती है।

सफलता के दो मापदंड है। लोगो का नज़रिया और आपका आपके बारे में लोगो के नजरिये पर नजरिया।

एक आध्यात्मिक और एक भौतिक जीवन। आपका आपके आध्यात्मिक जीवन और लोगो का आपके बाहरी जीवन के प्रति नजरिये से बनता है पूर्ण जीवन। भौतिकी जीवन बाहर से भरा भरा हुआ चाहिए और अंदर से खाली खाली होना चाहिए। तब ही बनेगा अखंड जीवन। सफलता के और भी कई मापदंड हो सकते है लेकिन यह अंदर बाहर बहुत ही महत्वपूर्ण है।

आपको जीवन के अंदर और बाहर दोनो से उच्चतम अवस्था को पंहुचना है। तब आपकी सफलता पूर्ण हुई समझो।

भारतीय संस्कारों की सरिता, महान परंपरा

विदेशों में बसे भारतीयों के दिल में उनके पुरखों द्वारा भारत से लाए लोकतांत्रिक मूल्यों, कर्तव्य, संस्कारों की सरिता हमेशा जीवंत रहती है

वैश्विक स्तरपर भारत की प्रतिष्ठा, शीर्ष स्तरपर पहुंचाने में भारतीय, भारतीय मूल के सभी लोगों की महत्वपूर्ण भूमिका - एड किशन भावनानी

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर आज भारतीय संस्कारों की सरिता, महान परंपरा, भारतीय सभ्यता, वैचारिक अधिष्ठान रूपी आवाज़ अब केवल भारत की सीमाओं तक ही सीमित नहीं है, यह विश्व भर में फैल रहे हैं और पूरे विश्व को जोड़ रहे हैं इसका एहसास हमें अब होने लगा है, क्योंकि जब हमने इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और टीवी चैनलों पर भारत के पीएम के अनेक विदेश दौरों में देखा कि किस तरह वहां पीढ़ियों से बसें भारतीय मूल के लोगों के दिल में उनके पुरखों द्वारा भारत से लाए लोकतांत्रिक मूल्यों, कर्तव्यों से संस्कारों की सरिता का प्रत्यक्ष प्रमाण दिखा जब वे भारतीय पीएम के प्रति इतनी उत्सुकता और अपनी पुरखों की मिट्टी से कोई उनके देश आता है तो उनके दिल के कोने से करोड़ों खुशियों के फव्वारे होते हैं यह हम देखते आ रहे हैं। साथियों बात अगर हम भारतीय मूल के व्यक्ति की परिभाषा की करें तो यह ऐसा व्यक्ति जिसका कोई पूर्वज भारतीय नागरिक था और जो वर्तमान में अन्य देश की नागरिकता या राष्ट्रीयता धारण करता है/करती है। इन लोगों के पास उसी देश का पासपोर्ट होता है। चूंकि इन लोगों के पास विदेशी पासपोर्ट होता है।

साथियों बात अगर हम भारतीय मूल के व्यक्तियों की गाथा की करें तो कल्पना चावला कमला हैरिस के काम और नाम तो हम जानते ही हैं इसके अलावा, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की मुख्य अर्थशास्त्री गीता गोपीनाथ और नासा के वैज्ञानिक कमलेशलुल्ला अमेरिकी स्वतंत्रता दिवस से पहले एक प्रतिष्ठित अमेरिकी फाउंडेशन की तरफ से सम्मानित किए गए उन 34 अप्रवासियों में से हैं, जिन्होंने अपने योगदान और कार्यों के माध्यम से अमेरिकी समाज और लोकतंत्र को समृद्ध और मजबूत किया है। गोपीनाथ और लुल्ला न्यूयॉर्क के कार्नेगी कॉरपोरेशन की तरफ से नामित '2021 ग्रेट इमिग्रेंट्स (महान प्रवासी) की लिस्ट में शामिल हैं।ये एक गैर सरकारी संगठन है।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी क्षेत्र में भारतीय समुदाय का दबदबा कायम रखते हुए भारतीय मूल के छह किशोरों ने अमेरिका का प्रतिष्ठित डेविडसन फेलो स्कॉलरशिप हासिल कर ली है। सिंगापुर में भारतीय मूल के सीनियर सेल्स एग्जीक्यूटिव शक्तिबालन बालथंडौथम को अपने लीवर का एक हिस्सा एक साल की बच्ची को दान करने के लिए द स्ट्रेट्स टाइम्स सिंगापुरियन ऑफ द ईयर 2021का पुरस्कार मिला है, जिससे वह पहले कभी नहीं मिले थे। अमेरिका में मिडिल स्कूल के छात्रों के लिए आयोजित होने वाली एक प्रमुख विज्ञान और इंजीनियरिंग प्रतियोगिता में भारतीय मूल के बच्चों ने शीर्ष स्थान प्राप्त किया है। प्रतियोगिता के पांच विजेताओं में भारतीय मूल के चार बच्चे शामिल हैं, जिसमें 14 वर्षीय भारतीय मूल के लड़के ने प्रतियोगिता में शीर्ष पुरस्कार प्राप्त किया है।

साथियों बात अगर हम भारतीय संस्कृति की करें तो भारतीय संस्कृति व सभ्यता विश्व की सर्वाधिक प्राचीन एवं समृद्ध संस्कृति व सभ्यता है। इसे विश्व की सभी संस्कृतियों की जननी माना जाता है। जीने की कला हो, विज्ञान हो या राजनीति का क्षेत्र भारतीय संस्कृति का सदैव विशेष स्थान रहा है। अन्य देशों की संस्कृतियाँ तो समय की धारा के साथ-साथ नष्ट होती रही हैं किंतु भारत की संस्कृति व सभ्यता आदिकाल से ही अपने परंपरागत अस्तित्व के साथ अजर-अमर बनी हुई है। पूरे विश्व में भारत अपनी संस्कृति और परंपरा के लिये प्रसिद्ध देश है। ये विभिन्न संस्कृति और परंपरा की भूमि है। भारत विश्व की सबसे पुरानी सभ्यता का देश है।

भारतीय संस्कृति का महत्वपूर्ण तत्व अच्छे शिष्टाचार, तहज़ीब, सभ्य संवाद, धार्मिक संस्कार, मान्यताएँ और मूल्य आदि हैं। अब जबकि हरेक की जीवन शैली आधुनिक हो रही है, भारतीय लोग आज भी अपनी परंपरा और मूल्यों को बनाए हुए हैं। विभिन्न संस्कृति और परंपरा के लोगों के बीच की घनिष्ठता ने एक अनोखा देश, भारत बनाया है। अपनी खुद की संस्कृति और परंपरा का अनुसरण करने के द्वारा भारत में लोग शांतिपूर्ण तरीके से रहते हैं। साथियों बात अगर हम भारतीय संस्कृति के प्रमुख विशेषताओं की करें तो ,(1)आध्यात्मिकता एवं भौतिकता का समन्वय, (2)- सम्मानता-सम्भाव का होना,(3)- अनेकता में एकता की शक्ति , (4)- भारत माता का हित एवं उन्नति-तरक्की की सोच (5)- ग्रहणशीलता-उत्सवों की प्रांगणता (6)- शास्त्रों की महानता, व उपयोगिता, (7)- विविधता-प्राचीनता(8)-भावनाएँ-विश्वास-परम्पराएं, (9)- गतिशीलता-निरंतरता, (10)- लचीलापन एवं सहिष्णुता,(11)- वसुधैव कुटुम्बकम् की भावना,(12)- जीवों का संरक्षण, सभी प्राणियों के हितैषी, (13)- लोकहित और विश्व-कल्याण, (14)- पर्यावरण संरक्षण,(15)- नारियों का सम्मान व उत्थान। साथियों बात अगर हम माननीय पीएम द्वारा दिनांक,1 मई 2022 को एक कार्यक्रम में संबोधन की करें तो पीआईबी के अनुसार उन्होंने कहा, एक भारतीय दुनिया में कहीं भी रहे, कितनी ही पीढ़ियों तक रहे, उसकी भारतीयता, उसकी भारत के प्रति निष्ठा, लेश मात्र भी कम नहीं होती। वो भारतीय जिस देश में रहता है पूरी लगन और ईमानदारी से उस देश की भी सेवा करता है। जो लोकतांत्रिक मूल्य,जो कर्तव्यों का ऐहसास उसके पुरखे भारत से ले गए होते हैं, वो उसके दिल के कोने में हमेशा जीवंत रहते हैं। ऐसा इसलिए, क्योंकि भारत एक राष्ट्र होने के साथ ही एकमहान परंपरा है, एक वैचारिक अधिष्ठान है, एक संस्कार की सरिता है।भारत वो शीर्ष चिंतन है- जो वसुधैव कुटुंबकम की बात करता है। भारत दूसरे के नुकसान की कीमत पर अपने उत्थान के सपने नहीं देखता। भारत अपने साथ सम्पूर्ण मानवता के, पूरी दुनिया के कल्याण की कामना करता है। इसीलिए, कनाडा या किसी भी और देश में जब भारतीय संस्कृति के लिए समर्पित कोई सनातन मंदिर खड़ा होता है, तो वो उस देश के मूल्यों को भी समृद्ध करता है।

आपनो राजस्थान!

रेतीली मरुस्थलीय भूमि, ऊंट पर बैठकर सवारी, जीवंत संस्कृति,
जब ये यादे मानस पटल पर आती,
रखता है विशिष्ट पहचान
म्हारों रंगीलों राजस्थान!!
अतिथि सत्कार, हिर्दय से किया जाता, ऐतिहासिक परम्पराओं के कारण समृद्ध दिखाई देता, शिल्प कला, स्थापत्य एवं चित्रकला इसकी विशेषता, पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करता!
उदयपुर की झीले, जयपुर के महल, बिकानेर का मरुस्थलीय भाग और जोधपुर जैसलमेर , राजस्थान की हरी भरी भोगोलिक छटाए, मूर्ति कला, रंगाई छपाई कशीदाकारी एवं अनेक कलाएं!
राज्य के लोगों का पहनावा अपने आप में खास, अनेक यात्री करते हैं, दूर-दूर से प्रवास, राजस्थान, भारत के सर्वाधिक सुंदर राज्यों में से एक, सौंदर्य से भरे हे पर्वत, माउंट आबू और मीठे पाने के लेक!
कैसे किया जाए इस आकर्षित राज्य का बखान, कभी पधारो मारो राजस्थान, कण कण वीरता की पहचान, रजवाड़ों सी यहां है शान!
बाजरे की रोटी, सांग्री रो साग,
दाल बाटी चूरमा, संगीत और राग,
घूमर, कालबेलिया, रेगिस्तान की चादर, यहां सबके हृदय में है वीरता, प्रेम, सत्कार और आदर!

नई दिल्ली
मंगलवार 03 मई 2022
Www.gauravshalibharat.com

शार्ट न्यूज

बागपत में मंदबुद्धि ने थाने में पुलिसवालों पर बोला हमला, 4 घायल

बागपत। उत्तर प्रदेश के बागपत के छपरौली थाने में सोमवार की तड़के चार बजे एक मंदबुद्धि शख्स घुस गया। वह सीधे पुलिस कर्मियों के आवास में गया और वहां सो रहे पुलिसवालों पर ईंट और लोहे की रॉड से हमला कर दिया। इस घटना में दरोगा देवेन्द्र दुबे, हेड मोहर्रिर शौकीन पाल, कांस्?टेबल अमर राणा और हेड कांस्टेबल प्रवीण कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस कर्मियों ने मंदबुद्धि व्यक्ति को घेरने की कोशिश की तो उसने खुद को एक क्वार्टर में बंद कर लिया। उसने कमरे में जमकर तोड़फोड़ की। उसके तेवर देखकर किसी की हिम्मत कमरे में जाने की नहीं हो रही थी। इसके बाद पुलिस ने दमकल विभाग की टीम को मौके पर बुलाया। इस बीच मंदबुद्धि युवक कभी-कभार कमरे का दरवाजा खोलकर बाहर देखता और फिर बंद कर लेता। थाने में काफी भीड़ जमा हो गई, लेकिन किसी की हिम्मत उसके नजदीक जाने की नहीं हो रही थी। पुलिस कर्मी क्वार्टर की घेराबंदी कर उसे बाहर निकालने के प्रयास में जुटे। काफी मशक्कत के बाद उस पर काबू किया जा सका।

ईद के मद्देनजर नेपाल सीमा पर कड़ी चौकसी

बस्ती। ईद के त्यौहार के मद्देनजर भारत- नेपाल सीमा पर चौकसी बढ़ा दी गई है तथा सुरक्षा व्यवस्था चुस्त दुरुस्त रखने के लिए पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिये गये हैं। पुलिस महानिरीक्षक राजेश मोदक ने सोमवार को 'यूनीवार्ता' को बताया कि नेपाल सीमा पर ईद के त्यौहार के मद्देनजर कड़ी चौकसी बरती जा रही है और हर आने-जाने वालों पर नजर रखी जा रही है। बॉर्डर पर एसएसबी के जवान पैनी नजर रखे हुये हैं। वाहनों की चेकिंग कराई जा रही है। बढ़नी-ढेबरूआ मार्ग पर वाहनों की चेकिंग के साथ-साथ उनका वीडियो रिकॉर्डिंग भी किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि हर आने जाने वाले व्यक्तियों के बारे में जानकारी करके पुलिस द्वारा रजिस्टर में दर्ज किया जा रहा है, साथ ही उनका मोबाइल नंबर भी लिखा जा रहा है, संदिग्ध व्यक्तियों की जांच पड़ताल तेजी से कराई जा रही है बॉर्डर क्षेत्र के अपराधिक प्रवृति वाले व्यक्तियों की निगरानी भी कराई जा रही है। बस्ती परिक्षेत्र के बस्ती, सिद्धार्थनगर तथा संत कबीर नगर जिलों के पुलिस अधीक्षकों, अपर पुलिस अधीक्षक, पुलिस उपाधीक्षको एवं समस्त थाना एवं चौकी प्रभारियों को निर्देश प्रदान किया गया है कि समाज में भय और आतंक पैदा करने वाले व्यक्तियों को चिन्हित करके उनके विरुद्ध निरोधात्मक कार्यवाही किया और अभियान चलाकर अवैध शराब की बिक्री पर रोक लगाई जाए।

देवर भाभी की सड़क हादसे में मौत

रायबरेली। उत्तर प्रदेश में रायबरेली के बछरांवा इलाके में सोमवार को कंटेनर की चपेट में आकर बाइक सवार युवक और उसकी भाभी की मौत हो गयी। पुलिस सूत्रों ने बताया कि कुसमा (52) और रामनरेश (50) रिश्ते में देवर भाभी थे। पुलिस के अनुसार दोनो लोग मोटरसाइकिल से जा रहे थे, रास्ता संकरा था और उनकी गाड़ी सड़क पर फिसल गई जिससे वे दोनों कंटेनर के पहियों के नीचे आ गए और मौके पर उनकी मौत हो गई। कंटेनर चालक अपना वाहन छोड़ कर फरार हो गया जिसकी तलाश जारी है।

हरदोई में प्रेमी युगल ने की आत्महत्या

हरदोई। उत्तर प्रदेश में हरदोई जिले के शाहाबाद कोतवाली क्षेत्र में सोमवार सुबह एक प्रेमी युगल ने ट्रेन के सामने कूदकर अपनी जान दे दी। पुलिस सूत्रों ने बताया कि लड़का ब्राह्मण समाज से ताल्लुक रखता था तो लड़की पिछड़ी जाति से थी इस कारण परिवार वाले दोनों के रिश्ते को लेकर राजी नहीं थे। इस बात पर आए दिन घर में झगड़ा होता था जब प्रेमी युगल को लगा कि उनके रिश्ते को उनका परिवार और समाज स्वीकार नहीं करेगा तो उन्होंने ट्रेन के आगे कूदकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। उन्होने बताया कि भगवान नगरिया गांव का हर्षित दीक्षित नंदलाल कश्यप की नातिन नीतू से प्रेम करता था लेकिन हर्षित के परिवार वालों को यह रिश्ता कतई मंजूर नहीं था इसको लेकर उसके घर में विवाद होता रहता था। जब दोनों को लगा की समाज और परिवार उनके इस रिश्ते को स्वीकार नहीं करेगा तो उन्होंने मौत को गले लगाने का फैसला कर लिया और सुबह दोनों अपने अपने घरों से निकले और ट्रेन के आगे कूद कर अपनी इहलीला समाप्त कर ली।

सभी जिलों में रोस्टर के अनुरूप हो बिजली आपूर्ति

लखनऊ। ऊर्जा क्षेत्र मे सुधार की जरूरत पर बल देते हुये उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को कहा कि सभी सभी 75 जिलों में रोस्टर के अनुरूप निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करायी जायेगी। योगी ने यहां एक उच्चस्तरीय बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिये कि खदानों से पॉवर प्लांट तक कोयले की ढुलाई के लिए रेल के साथ-साथ सड़क मार्ग का प्रयोग भी किया जाना चाहिए। इस संबंध में केंद्र सरकार की ओर से हर संभव मदद मिल रही है। उन्होने कहा कि ऊर्जा क्षेत्र में सुधार की व्यापक आवश्यकता है। भविष्य की ऊर्जा जरूरतों के दृष्टिगत कार्ययोजना तैयार की जाए। ऊर्जा मंत्री बिजली विभाग की कार्यप्रणाली की समीक्षा कर हर स्तर पर व्यापक बदलाव के प्रयास करें। उन्होने कहा कि बिजली बिल के समयबद्ध भुगतान के लिए उपभोक्ताओं को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। इसके लिए यह जरूरी है कि लोगों को सही बिल मिले और समय पर मिले। ओवरबिलिंग, फाल्स बिलिंग अथवा विलंब से बिल दिया जाना उपभोक्ता को परेशान करती है। इस व्यवस्था में सुधार के लिए बिलिंग और कलेक्शन एफिशिएंसी बढ़ाने के लिए ऊर्जा विभाग को ठोस कार्ययोजना बनानी होगी। ग्रामीण इलाकों में विशेष प्रयास की जरूरत है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बिजली बिल बकाए के भुगतान के लिए एकमुश्त समाधान योजना (ओटीएस) लाई जाए। योजना ऐसी हो, जिसमें लोगों को बकाए पर ब्याज से छूट मिले, क़िस्त में भुगतान की सुविधा हो।

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर कार पलटी, सात घायल

इटावा। उत्तर प्रदेश में इटावा जिले के उसराहार इलाके मे सोमवार तड़के आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर डिवाइडर से टकरा कर कार पलटने से उसमें सवार चार बच्चों समेत सात लोग घायल हो गये। पुलिस अधीक्षक ग्रामीण सत्यपाल सिंह ने बताया कि दिल्ली के सुलेमान नगर निवासी सव्यानंद मिश्रा कार से बिहार के आरा जिले में पूरे परिवार के साथ जा रहे थे कि आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर माइल स्टोन 127.900 के पास चालक दिनेश चंद्र को झपकी लग गई और कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराकर कई पलटी लेते हुई सड़क के बीचोंबीच आ गयी। कार मे सवार सभी लोग नीचे दब गये। चीख पुकार सुनकर ग्रामीणों ने पुलिस को सूचित किया। सूचना पर पुलिस चौकी इंचार्ज देवचंद्र अन्य पुलिसकर्मियों के साथ मौके पर पहुंचे और सभी को एक एक कर कार से बाहर निकाला गया और घायलों को उपचार के लिये सैफई मेडिकल यूनीवर्सिटी भेजा गया जहां सभी की हालत खतरे से बाहर बतायी गयी है। घायलों में कार चालक सव्यानंद मिश्रा (42), पत्नी रीता मिश्रा (38), पुत्र रवि नंदन मिश्रा, पुत्री निशा मिश्रा (7), साक्षी मिश्रा (13), बंदना मिश्रा (11) और श्याम नंदन मिश्रा (8) शामिल हैं।

मुंबई पुलिस ने चोरी के मामले में बागपत के सर्राफ को हिरासत में लिया

बागपत। मुंबई में लगभग तीन साल पहले हीरा कारोबारी के यहां हुई ढाई करोड़ रुपये की कीमत के हीरे चोरी होने के मामले में पुलिस के रडार पर उत्तर प्रदेश में बागपत के बड़ौत शहर के रहने वाले कई सर्राफा व्यापारी हैं, जिनमें से एक को मुंबई पुलिस हिरासत में ले चुकी है। फरार चल रहे बाकी आरोपितों की तलाश में दबिश दी जा रही है। बड़ौत कोतवाली प्रभारी एमएस गिल ने सोमवार को बताया कि वर्ष 2019 में मुंबई के हीरा कारोबारी दीपांकर के ढाई करोड़ रुपये कीमत के हीरे चोरी हुए थे। मुंबई पुलिस शनिवार को दीपांकर के नौकर दीपक चौधरी निवासी जिला मधुबनी, बिहार के चचेरे भाई रविंद्र को लेकर बड़ौत आई। रविंद्र ने बताया था कि बड़ौत के व्यापारी संजय जैन को हीरे बेचे गए थे। रविंद्र की शिनाख्त पर मुंबई पुलिस ने संजय जैन को हिरासत में ले लिया, जबकि संजय के दो साथी फरार हो गए।

चंदौली कांड : लड़की के गले पर खरोंच, जबड़े पर चोट

पोस्टमार्टम रिपोर्ट से मौत की वजह साफ नहीं

एजेंसी

चंदौली। यूपी के चंदौली के सैयदराजा थाना क्षेत्र के मनराजपुर गांव में जिलाबदर आरोपी कन्हैया यादव की 22 वर्षीय बेटी निशा यादव की मौत की वजह पोस्टमार्टम रिपोर्ट में स्पष्ट नहीं हो सकी है। फोरेंसिक जांच रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सोमवार को एसपी अंकुर अग्रवाल ने पुलिस लाइन में प्रेसवार्ता के दौरान यह जानकारी दी।

इस दौरान डीएम संजीव सिंह भी मौजूद रहे। उन्होंने कहा पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत के कारणों की पुष्टि नही हो पाई है। रिपोर्ट के अनुसार गले पर खरोंच और जबड़े पर हल्की चोट के निशान पाए गए हैं। इसके अलावा आंतरिक या बाहरी किसी तरह की चोट नहीं है।

एसपी ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का कारण स्पष्ट नहीं होने पर विसरा जांच के लिए भेजा गया है। विसरा और फोरेंसिक जांच रिपोर्ट आने के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही घटनास्थल पर घटना का रिक्रिएशन कर विशेषज्ञों की राय भी ली जाएगी। एसपी ने बताया कि पुलिस सभी बिंदुओं की जांच कर रही है।

सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो, सर्विलांस अन्य महत्वपूर्ण तथ्यों को भी जांच में शामिल किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जांच में अन्य पुलिसकर्मी अगर पाए जाएंगे दोषी तो उनके खिलाफ भी कार्रवाई होगी। गौरतलब है कि इस मामले में कोतवाल को सस्पेंड किया जा चुका है।

पुलिस वालों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

जिला बदर और गैंगेस्टर के आरोपी कन्हैया यादव के बेटे विजय यादव की तहरीर पर निलंबित थाना प्रभारी उदय प्रताप सिंह, संजय सिंह सहित 4 महिला पुलिसकर्मियों सहित कई अज्ञात पर धारा 452, 323 और 304 क तहत मुक़दमा दर्ज किया गया है। एसपी ने कहा कि घायल पुलिसकर्मियों का इलाज चल रहा है। अस्पताल से छुट्टी होने के बाद उनसे भी बात की जाएगी। उनकी ओर से मिली तहरीर पर मारपीट करने वालों के खिलाफ़ भी मुकदमा दर्ज कराया जाएगा।

देवरिया में बीमारी से परेशान युवक ने ट्रेन से कटकर दी जान

देवरिया। उत्तर प्रदेश में देवरिया के सदर कोतवाली क्षेत्र निवासी अनुसूचित जाति के एक गरीब युवक ने रविवार की देर रात बीमारी से परेशान होकर ट्रेन से कटकर अपनी जान दे दी। पुलिस ने सोमवार को यहां बताया कि सदर कोतवाली क्षेत्र के मुहल्ला देवरिया रामनाथ निवासी रघुराई पासवान का 28 वर्षीय बेटा पवन पासवान पेट की बीमारी से ग्रसित था और उसका उपचार मेडिकल कालेज गोरखपुर से चल रहा था। वह कुछ दिन पूर्व वहां से इलाज के बाद घर आया था। पुलिस ने बताया कि रविवार की देर शाम मृतक युवक घर से टहलने के लिये निकला था और उसका शव गोरखपुर रोड के पास रेलवे लाइन पर मिला। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया है।

मुंडन संस्कार कराने आई तीन युवतियों समेत 5 लोग गंगा में डूबे, एक का शव मिला

बुलंदशहर। बुलंदशहर के अनूपशहर में सोमवार को बड़ा हादसा हो गया। अलीगढ़ के पिसावा थाना क्षेत्र के गांव जलालपुर से बच्चे का मुंडन कराने आए परिवार के 5 लोग स्नान के दौरान गंगा में डूब गए। इनमें तीन महिलाएं थीं। एक महिला का शव बरामद हुआ है। अन्य की तलाश की जा रही है। सोमवार को बवस्टरगंज घाट के सामने अस्थाई घाट पर 41 वर्षीय नीरज पत्नी अजीत सिंह, 18 वर्षीय दीपक पुत्र अजीत निवासी गांव मिठोली, 25 वर्षीय रवि पुत्र हरपाल, 28 वर्षीय कल्पना देवी पत्नी मनोज कुमार, 37 वर्षीय शशि देवी पत्नी मुनेंद्र निवासी गांव जलालपुर थाना पिसावा जिला अलीगढ़ गंगा स्नान कर रहे थे। इसी दौरान सभी गहरे पानी में चले गए। एक को बचाने के चक्कर में पांचों गंगा में डूब गई। इस दौरान शोरगुल सुनकार नाविकों और कुछ युवकों ने 41 वर्षीया महिला नीरज को बाहर निकाल लिया, उसे तत्काल चिकित्सालय ले जाया गया। वहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर एसडीएम बीके गुप्ता, तहसीलदार बालेंद्र भूषण बर्मा, पुलिस उपाधीक्षक उमेश कुमार पांडे, कोतवाली प्रभारी यज्ञदत्त शर्मा गोताखोरों को लेकर मौके पर पहुंच गए। डूबे लोगों की तलाश की जा रही है। घटनास्थल सड़क से लगभग 1 किलोमीटर बालू में चलकर है। इससे बचाव के प्रत्येक सामान को पहुंचाने में काफी परेशानी हो रही है। घटना के बाद गंगा तट पर कोहराम मच गया है।

देवरिया कैश वैन लूटकांड के आरोपियों पर कसा शिकंजा, 2 पर लगा रासुका

देवरिया। सीएमएस कंपनी की कैश वैन लूटकांड के दो आरोपियों पर पुलिस ने एनएसए की कार्रवाई की है। पुलिस ने मामले में पांच बदमाशों को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। घटना का मास्टर माइंड बैजनाथ सिंह था। वह सीएमएस कंपनी में कस्टोडियन का कार्य करता था। उसने अपने दोस्त शिवम सिंह के साथ मिलकर वारदात को अंजाम दिया था।

28 मार्च को शहर के बरहज गली में कारोबारियों से कैश कलेक्शन करने के गए सीएमएस कंपनी के कर्मचारी से करीब 30 लाख रुपये लूटने की कोशिश बदमाशों ने किया था। विरोध करने पर कस्टोडियन प्रभुनाथ पांडेय को एक बदमाश ने गोली मार दिया। यह देख वैन में मौजूद गार्ड योगेंद्र तिवारी ने बदमाश शिवम सिंह के पैर में गोली मार दिया था।

मामले में गार्ड योगेन्द्र तिवारी की तहरीर पर सदर कोतवाली पुलिस ने शिवम सिंह पुत्र सुनील सिंह निवासी भदिला दोयम थाना मदनपुर और दो अज्ञात बदमाशों के विरुद्ध केस दर्ज किया था। 31 मार्च को पुलिस ने घटना का खुलासा किया। पुलिस की छापेमारी से परेशान और एनकाउंटर के डर से एक आरोपी पुरुषोत्तम जायसवाल पुत्र विभूति जायसवाल निवासी रावतगंज थाना कैम्पियरगंज जिला गोरखपुर ने 30 मार्च को देवरिया सदर कोतवाली में पहुंच कर आत्मसमर्पण कर दिया था।

वहीं वारदात के मास्टर माइंड सीएमएस के दूसरे कस्टोडियन बैजनाथ सिंह पुत्र स्व.सीताराम सिंह निवासी भइया भुजौली थाना बरहज को कोतवाली पुलिस ने 31 मार्च को पिपरपाती पुलिया से गिरफ्तार कर लिया। वहीं पुलिस ने 30 मार्च को एक अन्य लूटेरे जन्मेजय सिंह पुत्र गणेश सिंह निवासी गहांसाड थाना गीडा जिला गोरखपुर को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था।

इसके अलावा घटना में शामिल दीपक पाण्डेय पुत्र रामनरेश पाण्डेय को महराजगंज पुलिस ने 30 मार्च को मुठभेड़ में गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। इस मामले में पुरुषोत्तम जायसवाल और दीपक पाण्डेय के विरुद्ध रासुका की कार्रवाई के लिए पुलिस ने डीएम को पत्र भेजा था। डीएम ने दोनों आरोपियों के विरुद्ध एनएसए की कार्रवाई की संस्तुति कर दी है।

एटा में शादी से लौट रहे तीन लोगों की सड़क हादसे में मौत, गांव में पसरा मातम

एटा। यूपी के एटा में एक सड़क हादसे में तीन बाइक सवारों की मौत हो गई। तीनों लोग एक ही गांव के थे। पड़ोस के गांव में शादी में शामिल होने के बाद लौट रहे थे। मामले की जानकारी परिजनों को दी गई है। पड़ोस के जनपद फिरोजाबाद के थाना एका क्षेत्र के गांव नगला गडरिया निवासी सुखराम (25) पुत्र हरदयाल की फुफेरी सास की बेटी की एटा के थाना रिजोर क्षेत्र के गांव सराय में शादी थी। वे अपने साथ गांव के ही सोनेलाल (40) पुत्र दामोदर सिंह, योगेश (19) सुम्मेर सिंह के साथ बाइक पर सवार होकर गया। रविवार की देरशाम को बाइक पर सवार होकर गांव के लिए जा रहे थे। बाइक सवार तीनों लोग शिकोहाबाद रोड स्थिति डीपीएस स्कूल के पास पहुंचे तभी किसी वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे की जानकारी पुलिस को दी गई। जब तक पुलिस पहुंची तब तक मौके पर योगेश और सोनेलाल ने मौके ही दम तोड़ दिया। सुखराम को मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

हादसे की सूचना मिलने पर दर्जनों की संख्या में लोग एटा पहुंच गए। पुलिस ने तीनों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। एक साथ गांव में तीन लोगों की मौत से गांव में मातम छाया है।

यूपी में 31 हजार 151 स्थानों पर अता होगी ईद की नमाज

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में कड़े सुरक्षा इंतजामों के बीच पहले से तय 31 हजार 151 स्थानों पर मंगलवार को ईद की नमाज अता की जायेगी।

अधिकृत सूत्रों ने सोमवार को बताया कि ईद का त्योहार कल पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाया जायेगा। राजधानी लखनऊ समेत राज्य के अन्य जिलों में इस बार तयशुदा स्थानो पर ईद की नमाज अदा की जायेगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को कहा कि तीन मई को ईद, परशुराम जयंती और अक्षय तृतीया का पावन पर्व है। वर्तमान परिवेश को देखते हुए पुलिस/प्रशासन को अतिरिक्त संवेदनशील रहना होगा। हर एक पर्व शांति और सौहार्द के बीच सम्पन्न हों, इसके लिए स्थानीय जरूरतों के मद्देनजर सभी जरूरी प्रयास किए जाएं। धार्मिक कार्यक्रम, पूजा-पाठ आदि निर्धारित स्थान पर ही हों। धर्मगुरुओं से संवाद बना कर यह सुनिश्चित करें कि सड़क मार्ग, यातायात बाधित कर कोई धार्मिक आयोजन न हो।

सूत्रों ने बताया कि प्रदेश में 7436 ईदगाहों और 19949 मस्जिदों समेत 31 हजार 151 स्थानो पर ईद की नमाज अदा की जायेगा। इस दौरान अतिसंवेदनशील 2846 नमाज स्थलों पर सुरक्षा के अतिरिक्त इंतजाम किये गये है। ईद को निर्विघ्न संपन्न कराने के लिये 46 कंपनी पीएसी और सात कंपनी सीएपीएफ के अलावा स्थानीय पुलिस के जवान मुस्तैद रहेंगे। उन्होने बताया कि सुरक्षा के मद्देनजर आज रात से ही ईदगाह और मस्जिदों के बाहर पुलिस के जवान तैनात किये जायेंगे जो शरारती और अवांछनीय तत्वों पर कड़ी नजर रखेंगे। इस दौरान अफवाहों पर लगाम के लिये सोशल मीडिया पर कडी नजर रखी जायेगी।

सूत्रों ने बताया कि ईद के सिलसिले में अब तक धर्मगुरूओं के साथ 29 हजार 808 बैठके की जा चुकी हैं और सहमति के आधार पर 60 हजार 150 लाउडस्पीकर उतारे जा चुके हैं जबकि 60 हजार 178 की आवाज कम की गयी है।

ईदगाह में अब नहीं दिखता मुंशी प्रेमचंद का हामिद

गोरखपुर। सुप्रसिद्ध कथाकार मुंशी प्रेमचन्द की कालजयी रचना 'ईदगाह' का पात्र 'हामिद' आधुनिकता के इस दौर में कहीं भी अपनी बुजुर्ग दादी के लिए मेले में ईदी के राशि से चिमटा खरीदता हुआ नहीं दिखता है। कहानी सम्राट मुंशी प्रेम चन्द गोरखपुर में रहा करते थे और यहीं ईदगाह भी थी जहां पर मेला लगता था तथा मुंशी प्रेम चन्द ने इसी मेले को कभी अपनी कहानी .ईदगाह. का कथा का प्लाट बनाया था जिसका हीरो हामिद था। मुंशी प्रेमचन्द की कालजयी रचना .ईदगाह. आज भी सबके जेहन में है। कम ही लोगों को पता है कि वह कहानी मुंशी जी ने गोरखपुर में अपने निवास स्थान के दौरान लिखी थी। वह ईदगाह कोई और नहीं बल्कि मुबारक खां शहीद की मजार के सामने वाली ईदगाह है जो मुंशी के आवास के के पिछले हिस्से में आज भी मौजूद है। मुंशी प्रेमचन्द की रचना .ईदगाह. के मशहूर किरदार मासूम 'हामिद' है जिसने ईद के दिन इसी ईदगाह पर लगने वाले मेले में बुजुर्ग दादी के लिए चिमटा खरीदा था ताकि खाना बनाते समय उनका हांथ न न जले। यूं तो गोरखपुर शहर में कई ईदगाह है मगर ईद का भव्य मेला ईदगाह मुबारक खां शहीद में ही लगता है मगर मेले में हामिद नहीं मिलता जिसका कारण है कि पिछले 100 साल में लोगों के जीवनशैली में परिवर्तन हुये है।

शादी अनुदान योजना : अधिकाधिक पात्रों को लाभ देने को झांसी प्रशासन ने तेज की मुहिम

झांसी। उत्तर प्रदेश के झांसी जिला प्रशासन ने शादी अनुदान योजना का लाभ शहरी और ग्रामीण क्षेत्र के अधिक से अधिक पात्रों को दिलाने के लिए संबंधितों को जनपदन के दूरदराज के क्षेत्रों में भी योजना के संबंध में जानकारी प्रसारित करने के निर्देश सोमवार को दिये।

जिलाधिकारी रवीन्द्र कुमार ने सर्वसाधारण का आह्वान करते हुए आज बताया कि शादी अनुदान योजना के तहत जनपद के गरीब अभिभावकों को अपनी पुत्री की शादी के लिए 20 हजार रूपये की अनुदान राशि दी जायेगी, जोकि आवेदक के बैंक बचत खाते में सीधे स्थानांतरित की जाएगी।

उन्होंने बताया कि आवेदक अपनी दो पुत्रियों के लिए अलग-अलग बचत खातों के साथ अनुदान राशि प्राप्त करने के लिए आवेदन कर सकते है। शादी अनुदान प्राप्त करने के लिए आवेदक अपनी पुत्री की विवाह तिथि से 90 दिन पूर्व व 90 दिन बाद ऑनलाइन पोर्टल शादीअनुदान डॉट यूपीएसडीसी डॉट जीओवी डॉट इन पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकतें है।

जिलाधिकारी ने शादी अनुदान योजना के पात्रता के सम्बन्ध में बताया कि अभिभावक उत्तर प्रदेश का मूल निवासी होना चाहिए, कन्या की आयु शादी की तिथि को 18 वर्ष और वर की आयु 21 वर्ष से कम नहीं होनी चाहिए और आवेदक की वार्षिक आय ग्रामीण क्षेत्र में 46080 रूपये तथा शहरी क्षेत्र में 56460 रुपए से कम होनी चाहिए।

आवेदक, वर और कन्या का आधार कार्ड, शैक्षिक प्रमाण-पत्र होना चाहिए, अनुसूचित जाति वर्ग के लिए जाति प्रमाण पत्र होना चाहिए, शादी कार्ड मूल रूप में तथा विधवा महिला की पुत्री, दिव्यांगजन अभिभावक की पुत्री जो स्वयं दिव्यांग हो, को प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने जनपद के दूरदराज क्षेत्रों में योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश देते हुए बताया कि अभिभावक शहरी क्षेत्र के आवेदन तहसील में तथा ग्रामीण क्षेत्र के आवेदन विकासखंडों में जमा करा सकते हैं।

उन्होंने जनपद वासियों का आह्वान करते हुए कहा कि इस योजना से लाभान्वित होने के लिए अधिक से अधिक संख्या में पात्र जन पंजीकरण कराएं तथा इस महत्वपूर्ण योजना का लाभ उठाएं।

जौनपुर में हैं परशुराम की मां पिता से जुड़े तीर्थस्थल

एजेंसी

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर में भगवान परशुराम की मां रेणुका और पिता यमदग्नि ऋषि से जुड़े धर्मस्थल आज भी श्रद्धालुओं को अपनी ओर आकर्षित करते हैं।

मान्यता है कि भगवान परशुराम का जन्म शाहजहांपुर जिले के जलालाबाद में हुआ, मगर कर्म व तपोभूमि जौनपुर जिले की सदर तहसील क्षेत्र के आदि गंगा गोमती के पावन तट स्थित जमैथा गांव ही रहा, जहां पर महर्षि यमदग्नि ऋषि का आश्रम आज भी है और उन्हीं के नाम पर जिला यमदग्निपुरम् रहा, बाद में धीरे धीरे जौनपुर हो गया।

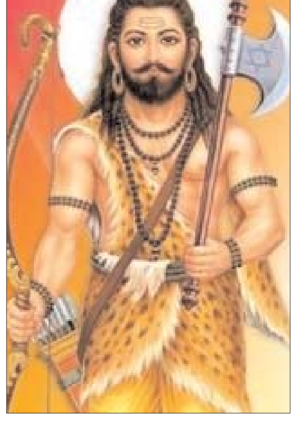

तीन मई को अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर भगवान परशुराम की जयन्ती पूरे देश में मनायी जायेगी। भगवान परशुराम के यदि वंशज को देखा जाय तो महाराज गाधि के एक मात्र पुत्री सत्यवती व पुत्र ऋषि विश्वामित्र थे। सत्यवती का विवाह ऋचीक ऋषि से हुआ। उनके एक मात्र पुत्र यमदग्नि ऋषि थे। ऋषि यमदग्नि का विवाह रेणुका से हुआ और इनसे परशुराम पैदा हुए। परशुराम का पृथ्वी पर अवतार अक्षय तृतीय के दिन हुआ था। ये भगवान विष्णु के छठे अवतार भी माने जाते थे। परशुराम के गुरू भगवान शिव थे। उन्ही से इन्हे फरसा मिला था।

महर्षि यमदग्नि ऋषि जमैथा (जौनपुर) स्थित अपने आश्रम पर तपस्या कर रहे थे , तो आसुरी प्रवृत्ति के राजा कीर्तिवीर (जो आज केरार वीर हैं)उन्हें परेशान करता था । यमदग्नि ऋषि तमसा नदी (आजमगढ़) गये , जहां भृगु ऋषि रहते थे। उनसे सारी बात बताये , तो भृगु ऋषि ने उनसे कहा कि आप अयोध्या जाइयें। वहां पर राजा दशरथ के दो पुत्र राम व लक्ष्मण है। वे आपकी पूरी सहयता करेगें। यमदग्नि अयोध्या गये और राम लक्ष्मण को अपने साथ लाये। राम व लक्ष्मण ने कीर्तिवीर को मारा और गोमती नदी में स्नान किया तभी से इस घाट का नाम राम घाट हो गया।

यमदग्नि ऋषि बहुत क्रोधी थे। परसुराम पिता भक्त थे। एक दिन उनके पिता ने आदेश दिया कि अपनी मां रेणुका का सिर धड़ से अलग कर दो। परशुराम ने तत्काल अपने फरसे से मां का सिर काट दिया, तो यमदग्नि बोले क्या वरदान चाहते हो , परशुराम ने कहा कि यदि आप वरदान देना चाहते हैं , तो मेरी मां को जिन्दा कर दीजिये। यमदग्नि ऋषि ने तपस्या के बल पर रेणुका को पुन: जिन्दा कर दिया। जीवित होने के बाद माता रेणुका ने कहा कि परशुराम तूने अपने मां के दूध का कर्ज उतार दिया। इस प्रकार पूरे विश्व में परशुराम ही एक ऐसे हैं जो मातृ व पित्र ऋण से मुक्त हो गये हैं ।

परशुराम ने तत्कालीन आसुरी प्रवृत्ति वाले क्षत्रियों का ही विनाश किया था। यदि वे सभी क्षत्रियों का विनाश चाहते तो भगवान राम को अपना धनुष न देते, यदि वे धनुष न देते तो रावण का वध न होता।

परशुराम में शस्त्र व शास्त्र का अद्भुत समन्वय मिलता है । कुल मिलाकर देखा जाय तो जौनपुर के जमैथा में उनकी माता रेणुका बाद में अखण्डो अब अखड़ो देवी का मन्दिर आज भी मौजूद है जहां लोग पूजा अर्चना करते है।

यूपी में कोरोना के 193 नये मामले, कुल एक्टिव केस 1621

लखनऊ। दिल्ली से सटे उत्तर प्रदेश के नोएडा, गाजियाबाद के बाद कोरोना का प्रकोप अब लखनऊ, मेरठ और कानपुर में भी बढ़ने लगा है। पिछले 24 घंटे में राज्य में कोरोना के 193 नये मामले सामने आये हैं जिन्हे मिलाकर कोविड के सक्रिय मरीजों की संख्या अब 1621 हो गयी है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उच्च स्तरीय टीम-9 की बैठक में कहा कि ट्रैक, टेस्ट, ट्रीट और टीकाकरण की नीति के सफल क्रियान्वयन से प्रदेश में कोविड पर प्रभावी नियंत्रण बना हुआ है। वर्तमान में प्रदेश में कुल 1621 एक्टिव केस हैं। इसमें 1556 लोग घर पर ही स्वास्थ्य लाभ प्राप्त कर रहे हैं। अप्रैल माह के बीच से एनसीआर व कुछ अन्य जिलों में केस बढ़ रहे हैं। पिछले 24 घंटे में पूरे प्रदेश में 193 नए केस की पुष्टि हुई, जिसमें, गौतमबुद्ध नगर में 66, गाजियाबाद में 36, लखनऊ में 21, मेरठ में 18 और कानपुर नगर में 17 नए केस शामिल हैं। इसी अवधि 159 लोग स्वस्थ भी हुए। जिन जिलों में केस अधिक मिल रहे हैं वहां सार्वजनिक स्थानों पर फेस मास्क लगाया जाना अनिवार्य कर दिया है। टेस्ट की संख्या बढ़ाये जाने की जरूरत है। जीनोम सिक्वेंसिंग का काम सतत जारी रखें।

उन्होने कहा कि अब तक कोविड टीके की 31 करोड़ 50 लाख डोज लगाई जा चुकी है जबकि 11 करोड़ 15 लाख से अधिक कोविड टेस्ट भी किए जा चुके हैं।

18 वर्ष से अधिक आयु की पूरी आबादी को टीके की कम से कम एक डोज लग चुकी है, जबकि 88.72 फीसदी वयस्क लोगों को दोनों खुराक मिल चुकी है। 15 से 17 आयु वर्ग में 95.3 प्रतिशत से अधिक किशोरों को पहली खुराक मिल चुकी है और 67 फीसदी से किशोरों को दोनों डोज लग चुकी है।

शार्ट न्यूज

जिंसों में टिकाव

नयी दिल्ली। विदेशी बाजारों की तेजी के बावजूद स्थानीय स्तर पर उठाव सुस्त पड़ने से आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेलों के साथ ही दाल दलहन , मीठे के बाजार और अनाज मंडी में टिकाव रहा। तेल–तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का मई वायदा 197 रिंगिट चढ़कर 7693 रिंगिट प्रति टन पर पहुंच गया। इसी तरह अमेरिकी सोया तेल का मई वायदा 0.60 सेंट की गिरावट लेकर 91.20 सेंट प्रति पौंड बोला गया।इस दौरान स्थानीय स्तर पर सोया रिफाइंड, पाम ऑयल, सरसों तेल, मूंगफली तेल, सूरजमुखी तेल और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ और वे पिछले स्तर पर पड़े रहे। गुड़–चीनी : मीठे के बाजार में स्थिरता रही। इस दौरान चीनी और गुड़ में स्थिरता रही। दाल–दलहन : दाल–दलहन के बाजार में टिकाव रहा। इस दौरान चना, चना दाल, मसूर दाल, मूंग दाल, उड़द दाल और अरहर दाल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ। अनाज : अनाज मंडी में स्थिरता रही। इस दौरान गेहूं और चावल के भाव स्थिर रहे। दाल–दलहन : चना 4600–4700,दाल चना 5600–5700, मसूर काली 8700–8800, मूंग दाल 8900–9000, उड़द दाल 9900–10000, अरहर दाल 8200–8300 रुपये प्रति क्विंटल रहे। अनाज : (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 2300–2400 रुपये और चावल : 2550–2650 रुपये प्रति क्विंटल रहा। चीनी–गुड़ : चीनी एस 3560–3670, चीनी एम. 3740–3840, मिल डिलीवरी 3440–3540 और गुड़ 3300–3400 रुपये प्रति क्विंटल बोले गये। खाद्य तेल : सरसों तेल 19267 रुपये, मूंगफली तेल 20292 रुपये, सूरजमुखी तेल 20292 रुपये, सोया रिफाइंड 19047 रुपये, पाम ऑयल 17215 रुपये और वनस्पति तेल 17729 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा है।

अमेज़न पर आज से समर सेल

नयी दिल्ली। ग्रीष्मकाल की शुरूआत के साथ ही ऑनलाइन मार्केटप्लेस अमेजन डॉटइन पर कल से समर सेल शुरू हो रही है। कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि इस सेल में वनप्लस, एलजी, इंटेल, टेक्नो, फुजित्सू, रेनी और शुगर जैसे ब्रांडों पर बड़ी बचत की पेशकश की जा रही है। अमेजन पहली बार काउंटडाउन डील भी पेश कर रहा है जो सभी ग्राहकों के लिए खुली होगी। यहां उन्हें 3 मई तक विभिन्न श्रेणियों में उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला के चुनिंदा ऑफ़र तक अर्ली एक्सेस मिलेगा। ये ऑफ़र रीयलमी, ऐपल, सैमसंग, ओप्पो, बोट, नॉइज़, फॉसिल, फास्ट्रैक, टाइमेक्स, अमेरिकन टूरिस्टर, सफारी, स्काईबैग्स, यूरेका फोर्ब्स, फिलिप्स, हीरो साइकिल आदि जैसे ब्रांडों पर उपलब्ध होंगे। उसने कहा कि इस सेल में ग्राहक और भी अधिक बचत कर सकते हैं और किफायती फाइनेंस विकल्पों की एक विस्तृत श्रृंखला के विकल्प जैसे कि आईसीआईसीआई बैंक, कोटक और आरबीएल क्रेडिट/डेबिट कार्ड, क्रेडिट/डेबिट ईएमआई लेनदेन पर तुरंत बैंक डिस्काउंट; डेबिट और क्रेडिट कार्ड और बजाज फिनसर्व पर नो–कॉस्ट ईएमआई, एक्सचेंज ऑफर, चुनिंदा क्रेडिट/डेबिट कार्ड से रोमांचक ऑफर आदि चुन सकते हैं।

कीमती धातुओं में बड़ी गिरावट

मुंबई। अक्षय तृतीया से पहले आज घरेलू स्तर पर सोना और चाँदी में बड़ी गिरावट दर्ज की गयी। इस दौरान सोना 1094 रुपये प्रति दस ग्राम और चाँदी 1509 रुपये प्रति किलोग्राम टूट गयी। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दोनों की कीमती धातुओं में नरमी रही। सोना हाजिर 1.32 प्रतिशत टूटकर 1871.40 डॉलर प्रति औंस पर और अमेरिका सोना वायदा 1.18 प्रतिशत उतरकर 1886.80 डॉलर प्रति औंस पर रहा। इस दौरान चाँदी 0.86 प्रतिशत गिरकर 22.54 डॉलर प्रति औंस बोली गयी। घरेलू स्तर पर देश के सबसे बड़े वायदा बाजार एमसीएक्स में सोना 1094 रुपये गिरकर 50660 रुपये प्रति दस ग्राम पर और सोना मिनी 1073 रुपये फिसलकर 50690 रुपये प्रति दस ग्राम पर रहा। इस दौरान चाँदी 1509 रुपये टूटकर 62840 रुपये प्रति किलोग्राम पर और चाँदी मिनी 1477 रुपये प्रति किलोग्राम उतरकर 63200 रुपये प्रति किलोग्राम बोली गयी।

रुपया दो पैसे मजबूत

मुंबई। दुनिया की प्रमुख मुद्राओं की तुलना में डॉलर में नरमी से मिले समर्थन के बल पर आज अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया दो पैसे चढ़कर 76.48 रुपये प्रति डॉलर पर रहा। पिछले सत्र में रुपया 76.50 रुपये प्रति डॉलर पर रहा था। रुपया आज दो पैसे की मजबूती के साथ 76.48 रुपये प्रति डॉलर पर खुला। सत्र के दौरान यह 76.35 रुपये प्रति डॉलर के उच्चतम और 76.52 रुपये प्रति डॉलर के निचले स्तर के बीच रहा। अंत में यह पिछले दिवस की तुलना में दो पैसे टूटकर 76.48 रुपये प्रति डॉलर पर रहा।

बैंक ऑफ बड़ौदा ने कार-ऋण सस्ता किया

मुंबई। बैंक ऑफ बड़ौदा ने सोमवार को कार–ऋण पर ब्याज दरों में कमी करने की घोषणा कर दी है जिससे अब यह 7 प्रतिशत वार्षिक दर से शुरू होंगी। पहले ये दरें 7.25 प्रतिशत से शुरू होती थीं। बैंक ने एक विज्ञप्ति में यह जानकारी देते हुए कहा कि इसके अलावा उसने कार ऋण के लिए प्रॉसेसिंग शुल्क भी आगामी 30 जून तक एक समान 1500 रखने का भी निर्णय किया है। प्रॉसेसिंग शुल्क पर जीएसटी अलग से लगेगा। बैंक ऑफ बड़ौदा के महाप्रबंधक (गृह एवं अन्य खुदारा ऋण बाजार) एचटी सोलंकी ने कहा कि कोविड महामारी और लॉकडाउन के बाद अर्थव्यवस्था खुलने से कार खरीदनेवालों की और से कर्ज की मांग लगातार बढ़ रही है। बैंक ने इससे पहले गृह ऋण पर 30 जून तक ब्याज दर घटाने की घोषणा की थी। गृह ऋण ब्याज की दरें वार्षिक 6.50 प्रतिशत से शुरू हो रही हैं।

भारत का विनिर्माण पीएमआई अप्रैल में बढ़कर 54.7 प्रतिशत : एसएंडपी ग्लोबल

एजेंसी

नयी दिल्ली। नए ऑर्डर में तेजी की बदौलत भारत का विनिर्माण क्षेत्र पर्चेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) अप्रैल में बढ़कर 54.7 अंक रहा। यह जानकारी वित्तीय परामर्श एजेंसी एसएंडपी ग्लोबल ने दी। मार्च में विनिर्माण पीएमआई 54 अंक था।

पीएमआई में बढ़ोतरी घरेलू विनिर्माण क्षेत्र में सुधार का संकेत है। पीएमआई के 50 अंक से ऊपर होने का मतलब आर्थिक गतिविधियों में विस्तार और उससे नीचे होने पर संकुचन माना जाता है। एसएंडपी ग्लोबल की इस रिपोर्ट के अनुसार, मार्च में गिरावट के बाद अप्रैल में अंतरराष्ट्रीय बिक्री में मजबूत सुधार दिखा। लेकिन इस बीच मुद्रास्फीति का दबाव और बढ़ा। रूस–यूक्रेन युद्ध के कारण जिंसों के भाव और परिवहन लागत बढ़ी है। उत्पादन सामग्री की लागत पिछले पांच महीनों की सबसे तेज गति से बढ़ी है जबकि उपभोक्ता मूल्य सूचकांक पर आधारित मुद्रास्फीति भी साल भर से अधिक समय के उच्चतम स्तर पर पहुंच गयी है।

रिपोर्ट में कहा गया है,अप्रैल के आंकड़ों से निर्यात ऑर्डर में फिर तेजी लौटने के संकेत हैं जबकि नौ महीने बाद मार्च में इसमें पहली बार गिरावट दिखी थी। जुलाई के बाद से निर्यात ऑर्डर में सबसे तेज सुधार दिखा है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि अप्रैल में रसायन, इलेक्ट्रोनिक सामानों के हिस्से–पुर्जों, ईंधन, धातु, प्लास्टिक और कपड़े के दामों में बढ़ोतरी हुयी है। इसमें कुछ योगदान ढुलाई लागत का बताया गया है और एक बड़ा कारण यूक्रेन की लड़ाई है। मुद्रास्फीति तेज होकर अपने दीर्घकालीन औसत से ऊपर चल रही है और पिछले पांच माह के उच्चतम स्तर पर है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि विनिर्माण क्षेत्र की गतिविधियों में तेजी आने के बावजूद रोजगार में अप्रैल में सुधार हल्का ही रहा क्योंकि भारतीय औद्योगिक इकाइयों पर क्षमता की कमी का दबाव ज्यादा नहीं है।

इस रिपोर्ट के लिए सर्वेक्षण में शामिल अधिकांश प्रतिभागियों ने कहा कि उनके यहां रोजगार में मार्च की तुलना में कोई ज्यादा अंतर नहीं हुआ था।

एसएंडपी ग्लोबल की सह निदेशक (अर्थशास्त्री) पॉलीआना डी लीमा ने कहा कि भारतीय विनिर्माण पीएमआई मार्च की गिरावट की एक हद तक भरपाई करते हुए सकारात्मक दायरे में बना हुआ है।

पेट्रोल-डीजल के दामों में कोई बदलाव नहीं

एजेंसी

नयी दिल्ली। देश में तेल विपणन कंपनियों ने लगातार 26वें दिन पेट्रोल–डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी ना कर आम जनता को राहत प्रदान की। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में उतार–चढ़ाव के बीच देश में सोमवार को भी ईंधन की कीमतों में टिकाव बना रहा। सार्वजनिक क्षेत्र की देश की सबसे बड़ी तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) के अनुसार आज दिल्ली में पेट्रोल 105.41 रुपये प्रति लीटर और डीजल 96.67 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर रहा। मुंबई में पेट्रोल की कीमत 120.51 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 104.77 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर है।

देश के चार बड़े महानगरों में पेट्रोल और डीजल के दाम

महानगर............पेट्रोल............डीजल (रुपए प्रति लीटर)

दिल्ली.............105.41........96.67
कोलकाता ......115.12..........99.83
मुंबई ....120.51........104.77
चेन्नई..............110.85........100.94

यूक्रेन और रूस के बीच जारी जंग से अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में घट–बढ़ जारी है। अंतरराष्ट्रीय लंदन ब्रेंट क्रूड आज 0.79 प्रतिशत गिरकर 106.26 डालर प्रति बैरल पर और अमेरिकी क्रूड 0.70 प्रतिशत की मंदी के साथ 103.96 डालर प्रति बैरल की कीमत पर कारोबार कर रहा है।

देश में पेट्रोल–डीजल की कीमतें 137 दिन की स्थिरता के बाद गत 22 मार्च से बढ़नी शुरू हुई थीं। कंपनियों ने पिछले 36 दिन में 14 बार पेट्रोल और डीजल के दामों में वृद्धि की। इस दौरान इनके दामों में करीब 10 रुपये प्रति लीटर की तेजी आयी है।

पेट्रोल–डीजल के मूल्यों की प्रतिदिन समीक्षा की जाती है।

मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर की गतिविधियों में आई तेजी, डिमांड बढ़ने का फायदा

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत के मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर की गतिविधियों में अप्रैल में तेज वृद्धि हुई है। एक मासिक रिपोर्ट के मुताबिक उत्पादन में बढ़ोतरी के साथ ही कारखानों को मिलने वाले ऑर्डर बढ़ने और अंतरराष्ट्रीय बिक्री में तेजी की वजह से हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक कोविड–19 महामारी के चलते लागू प्रतिबंध खत्म होने के बाद मांग बढ़ी है।

मौसमी रूप से समायोजित एसएंडपी ग्लोबल इंडिया विनिर्माण खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) अप्रैल में बढ़कर 54.7 हो गया, जो मार्च में 54.0 था। पीएमआई आंकड़ों के मुताबिक अप्रैल में लगातार 10वें महीने समग्र परिचालन स्थितियों में सुधार देखने को मिला। पीएमआई की भाषा में 50 से ऊपर अंक का अर्थ है कि गतिविधियों में विस्तार हो रहा है, जबकि 50 से नीचे का अंक संकुचन को दर्शाता है।

एसएंडपी ग्लोबल में अर्थशास्त्र की संयुक्त निदेशक पोलियाना डी लीमा ने कहा कि भारतीय मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई अप्रैल में सकारात्मक बना रहा और वह मार्च में खोई हुई जमीन को दोबारा हासिल कर रही है।

अब हेल्थकेयर सेक्टर में एंट्री करेंगे गौतम अडानी, 4 अरब डॉलर निवेश की तैयारी में अडानी ग्रुप

नई दिल्ली। दुनिया के पांचवें सबसे अमीर व्यक्ति गौतम अडानी, हेल्थ सर्विस सेक्टर में बड़े पैमाने पर निवेश करने की तैयारी कर रहे हैं। इस सेक्टर में पैर जमाने के लिए अडानी बड़े अस्पतालों, डायग्नोस्टिक चेन और ऑफलाइन और डिजिटल फ़ार्मेसीज़ का अधिग्रहण कर सकते हैं। मिंट ने सूत्रों के हवाले से यह जानकारी दी है। हवाई अड्डों से लेकर बंदरगाहों तक का कारोबार कर रही अडानी ग्रुप ने हाल ही में कई विदेशी बैंकों और वैश्विक निजी इक्विटी निवेशकों से मुलाकात कर हेल्थ सर्विस कारोबार में ग्रुप की योजनाओं की रूपरेखा तैयार की है।

हेल्थ सर्विस पर है फोकस

आपको बता दें कि सरकार ने हेल्थ सर्विस सेक्टर में निवेश आकर्षित करने के लिए कई नीतिगत पहलों की घोषणा की है, जिसमें प्रोडक्ट्स से जुड़े प्रोत्साहन शामिल हैं। फार्मास्यूटिकल्स और चिकित्सा उपकरणों के घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए योजनाएं चल रही हैं। घरेलू स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र, विशेष रूप से ऑनलाइन फ़ार्मेसी क्षेत्र में पिछले दो वर्षों में विलय और अधिग्रहण में काफी वृद्धि देखी गई है।

कई कंपनियों के साथ चल रही बातचीत

सूत्रों ने कहा, गौतम अडानी भारत के बाजार के लिए एक संयुक्त इंडस्ट्री या एलायंस के लिए हेल्थ सर्विस सेक्टर में ग्लोबल लेवल की बड़ी कंपनियों के साथ चर्चा कर रहे हैं और जल्द ही एक घोषणा हो सकती है। कंपनी इसके लिए करीबन 4 बिलियन डॉलर तक का निवेश करने की योजना भी बना रही है। हालांकि, अभी कंपनी की तरफ से कोई घोषणा नहीं की गई है। एक और सूत्र ने कहा, अडानी ने स्वास्थ्य सेवा को एक बड़े अवसर के रूप में पहचाना है और वह उस स्थान को मजबूत करने के लिए उत्सुक हैं, जो अलग–अलग कारणों से चुनौतियों का सामना कर रही है।

वित्त वर्ष 2021-22 में बैंक ऋण में 10,458 अरब रुपये की वृद्धि : एसबीआई रिसर्च रिपोर्ट

नयी दिल्ली। वित्त वर्ष 2021–22 में देश में बैंक ऋण में 10,458 अरब रुपये की वृद्धि दर्ज की गयी जो इससे पिछले वर्ष के दौरान 5,767 अरब रुपये की वृद्धि का 1.8 गुना है।

यह जानकारी भारतीय स्टेट बैंक(एसबीआई) के मुख्य अर्थशास्त्री सौम्यकांति घोष द्वारा तैयार एसबीआई रिसर्च की इकोरैप रिपोर्ट में दी गयी।

रिपोर्ट में कहा गया है कि एमएसएमई और बुनियादी ढांचा क्षेत्र को बैंक ऋण में 2,300 अरब रुपये का जोरदार इजाफा हुआ जबकि आवास एवं गैरबैंकिंग वित्तीय कंपनी क्षेत्र एनबीएफसी को बैंक ऋण में वर्ष के दौरान 2,000 अरब रुपये की वृद्धि हुयी।

श्री घोष ने रिपोर्ट में बताया कि खुदरा ऋण में इस दौरान 3,700 अरब रुपये की जबरदस्त वृद्धि हुयी। इसमें एक बड़ा योगदान आवास ऋण कारोबार में तेजी का रहा। कृषि क्षेत्र के लिए ऋण में 1,325 अरब की वृद्धि हुयी।

उन्होंने लिखा, ऐसा लगता है कि अर्थव्यवस्था में कोविड–19 महामारी के प्रभावों को झटक कर दूर कर दिया है। बैंक ऋण में सभी क्षेत्रों में विस्तार दिखा है।

रिपोर्ट में कहा गया, हमें बैंक ऋण में एक रोचक रुझान दिखा है जो वित्त वर्ष 2022–23 में अर्थव्यवस्था के लिए शुभ संकेत है। अब यह दिख रहा है कि सरकारी क्षेत्र के बैंकों द्वारा दिए जाने वाले ऋण के विस्तार से निजी क्षेत्र के बैंकों के ऋण कारोबार में भी तेजी आयी है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि एकबार इसके स्वयं गति पकड़ने से अर्थव्यवस्था को लाभ होगा।

यदि यह देखें की 2021–22 में संपूर्ण ऋण वृद्धि में सरकारी क्षेत्र के बैंकों का 43 प्रतिशत रहा जो वित्त वर्ष 2018–19 में केवल 27 प्रतिशत था। इसी के साथ ऋण विस्तार में निजी क्षेत्र के बैंकों का हिस्सा इसी दौरान 65 प्रतिशत से घटकर 47 प्रतिशत रहा।

घोष ने रिपोर्ट में लिखा है, कोविड के पहले वित्त वर्ष 2018–19 में बैंक ऋण में वृद्धि का वर्तमान मूल्य पर सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में वृद्धि के 63 प्रतिशत के बराबर था। यह अनुपात 2021–22 में गिरकर 27 प्रतिशत रहा। वित्त वर्ष 2019–20 में समाप्त सात वर्ष की अवधि में यह अनुपात 50 प्रतिशत था।

उन्होंने कहा कि ऋण जीडीपी अनुपात में ऊंचा रहने का अर्थ है की वास्तविक अर्थव्यवस्था में बैंकिंग क्षेत्र आक्रमक और सक्रीय ढंग से भागीदारी ले रहा है और यह अनुपात कम होने पर वास्तविक अर्थव्यवस्था के लिए बैंकिंग क्षेत्र से ऋण सहायता के विस्तार की आवश्यकता अनुभव की जाती है।

टीवीएस की अप्रैल 2022 में बिक्री 24 प्रतिशत बढ़ी

नयी दिल्ली। टीवीएस मोटर कंपनी की वाहन बिक्री अप्रैल 2022 में 24 प्रतिशत बढ़कर 2,95,308 रही जबकि अप्रैल 2021 में कंपनी ने 2,38,983 वाहन बेचे थे।

टीवीएस ने सोमवार को जारी एक विज्ञप्ति में बताया कि कंपनी ने अप्रैल 2022 में 2,80,022 दोपहिया वाहन बेचे जो अप्रैल 2021 में बेचे गए 2,26,193 वाहनों से 24 प्रतिशत अधिक हैं।

घरेलू बाजार में कंपनी की दोपहिया वाहनों की बिक्री 37 प्रतिशत बढ़ी है। अप्रैल 2022 में यह 1,80,533 वाहन रही जबकि अप्रैल 2021 में वाहनों की बिक्री 1,31,386 थी।

अप्रैल 2021 में मोटरसाइकिल की बिक्री चार प्रतिशत बढ़कर अप्रैल 2021 में बेचे गए 1,33,227 वाहनों की तुलना में अप्रैल 2022 में 1,39,027 रही। स्कूटर बिक्री में कंपनी ने अप्रैल 2022 में 1,02,209 वाहन बेचकर 57 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। अप्रैल 2021 में यह संख्या 65,213 थी। कंपनी ने कहा, सेमीकंडक्टर्स की आपूर्ति में कमी ने प्रीमियम दोपहिया वाहनों के उत्पादन और बिक्री को प्रभावित किया है। पिछले वर्ष की तरह हम वैकल्पिक स्रोतों के साथ आक्रामक तरीके से काम कर रहे हैं और जल्द से जल्द आपूर्ति में सुधार के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं। हमारे नये उत्पादों को ग्राहक पसंद कर रहे हैं और हमें आशा है कि सेमीकंडक्टर की आपूर्ति में सुधार के बाद संख्या फिर से बढ़ेगी। कंपनी का कुल निर्यात छह प्रतिशत बढ़कर अप्रैल 2022 में 1,13,427 वाहन रहा। यह अप्रैल 2021 में 1,07,185 वाहन थी। दोपहिया वाहनों का निर्यात पांच प्रतिशत बढ़कर अप्रैल 2021 में 94,807 की तुलना में अप्रैल 2022 में 99,489 रहे।

कंपनी की तिपहिया वाहनों की बिक्री अप्रैल 2022 में 20 प्रतिशत से बढ़कर 15,286 रही जबकि अप्रैल 2021 में यह संख्या 12,790 थी।

कंपनी के दोपहिया वाहन बिक्री में टीवीएस आईक्यूब इलेक्ट्रिक की अप्रैल 2022 में बेचे गए 1,420 वाहन शामिल हैं, जबकि अप्रैल 2021 में 307 वाहनों की बिक्री हुई थी।

महिंद्रा एंड महिंद्रा ने अप्रैल 2022 में बेचे 45,640 वाहन

एजेंसी

मुंबई। महिंद्रा एंड महिंद्रा ने सोमवार को बताया कि कंपनी ने अप्रैल 2022 में कुल 45,640 वाहनों की बिक्री की जोकि पिछले वर्ष की समान अवधि में बेचे गए 36,437 वाहनों से 25.25 प्रतिशत अधिक है। महिंद्रा एंड महिंद्रा ने एक बयान में कहा कि अप्रैल में कंपनी ने 22,168 यूटिलिटी वाहन (यूवी) बेचे जबकि यूवी, गाड़ी और वैन्स समेत बेचे गए यात्री वाहनों की संख्या 22,526 रही।कंपनी ने अप्रैल 2022 में 35 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 2,703 वाहनों का निर्यात किया जबकि उसने अप्रैल 2021 में 2,005 वाहनों का निर्यात किया था।

महिंद्रा ने उक्त महीने में 17,402 वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री की जोकि पिछले वर्ष की समान अवधि में बेचे गए वाहनों की संख्या से 23 प्रतिशत अधिक है।

आईडीबीआई बैंक का चौथी तिमाही का शुद्ध लाभ 691 करोड़ रुपये

नयी दिल्ली। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) द्वारा प्रवर्तित निजी क्षेत्र के आईडीबीआई बैंक को 31 मार्च 2022 को समाप्त पिछले वित्त वर्ष की अंतिम तिमाही में 691 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ। यह एक साल पहले की इसी तिमाही के 512 करोड़ रुपये के लाभ की तुलना में 35 प्रतिशत अधिक है।

आईडीबीआई बैंक के सोमवार को जारी बयान के अनुसार उसे दिसंबर 2021 में समाप्त तीसरी तिमाही में 578 करोड़ रुपये का लाभ हुआ था।

पूरे वित्त वर्ष 2021–22 में बैंक का शुद्ध लाभ 2,439 करोड़ रुपये रहा जो सालाना आधार पर 79 प्रतिशत ऊंचा है। बैंक का परिचालन लाभ इसी दौरान सात प्रतिशत की वृद्धि के साथ 7,495 करोड़ रुपये रहा। बैंक का चौथी तिमाही का कर पूर्व लाभ 844 करोड़ रुपये रहा जो पिछले वित्त वर्ष के 423 करोड़ रुपये से 100 प्रतिशत ऊंचा लेकिन दिसंबर 2021 की तिमाही के 966 करोड़ रुपये के कर पूर्व लाभ से कम है।

आईडीबीआई बैंक का चौथी तिमाही का परिचालन लाभ गिर कर 1,513 रुपये रहा जो एक साल पहले इसी दौरान 2,816 करोड़ रुपये था (उस बार उसमें आयकर रिफंड पर 1,313 करोड़ रुपये की आय शामिल थी)। तीसरी तिमाही की परिचालन आय 1,768 करोड़ रुपये थी।

बैंक की चौथी तिमाही की शुद्ध ब्याज आय 2,420 करोड़ रुपये रही जो एक साल पहले की इसी अवधि में आयकर रिफंड पर मिले 1,313 करोड़ रुपये ब्याज सहित 3,240 करोड़ रुपये थी। उसे घटा देने पर चौथी तिमाही की ब्याज आय में 26 प्रतिशत की वृद्धि रही। तीसरी तिमाही में शुद्ध ब्याज आय 2,383 करोड़ रुपये थी।

वर्ष 2021–22 में कंपनी की शुद्ध ब्याज आय सात प्रतिशत की वृद्धि के साथ 9,162 करोड़ रुपये रही। चौथी तिमाही में बैंक का शुद्ध ब्याज–मार्जिन (एनआईएम) 3.97 प्रतिशत रहा। चौथी तिमाही में बैंक जमा की लागत एक साल पहले के 3.91 प्रतिशत से 0.48 अंक घट कर 3.43 प्रतिशत रही। बैंक के धन की लागत आलोच्य तिमाही में घट कर 3.69 प्रतिशत पर आ गयी जो एक साल पहले इसी दौरान 4.16 प्रतिशत थी।

बैंक द्वारा दिए गए सकल कर्ज की राशि 31 मार्च 2022 को 1,78,207 करोड़ रुपये रही। यह सालाना आधार पर 10 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाती है।

आलोच्य तिमाही में बैंक के ऋणों की गुणवत्ता में कुल मिलाकर सुधार दिखा। इस दौरान सकल अवरुद्ध ऋणों का अनुपात (जीएनपीए) घटकर 19.14 प्रतिशत रहा जो एक साल पहले इसी तिमाही के अंत में 22.37 प्रतिशत था। दिसंबर 2021 की तिमाही में जीएनपीए 20.56 प्रतिशत था।

चौथी तिमाही के अंत में शुद्ध एनपीए 1.27 प्रतिशत रहा जो पिछले वर्ष मार्च के अंत में 1.97 प्रतिशत था और दिसंबर 2021 के अंत में यह 1.70 प्रतिशत था।

शक्कर में तेजी, खाद्य तेलों में गिरावट, दलहन नरम, दाल सस्ती, चावल सामान्य

इंदौर। सियागंज किराना बाजार में शक्कर में पूछपरख बताई गई। खाद्य तेल गिरावट लिए रहे। आज सोयाबीन रिफाइंड नीचा होकर बिका। चना कांटा सस्ता बिका। दालों में ग्राहकी सुस्त होने से नरमी दर्ज की गई। चावल में खरीदी बढ़ी रही।

किराना बाजार

शक्कर में पूछपरख बताई गई। आज शक्कर में कामकाज 3630 से 3660 रुपये के स्तर पर चला। शक्कर में 08 गाड़ी आवक हुई। नारियल में लिवाली बनी रही। खोपरा गोला तथा हल्दी में उठाव बताया गया। साबूदाना मजबूत रहा।

तेल -तिलहन

खाद्य तेल में नरमी दर्ज की गई। आज पाम तेल तथा सोयाबीन रिफाइंड बढ़कर बिका। तिलहन में सोयाबीन में प्लान्टो की लिवाली रही।

दाल-दलहन

स्थानीय संयोगितागंज अनाज मंडी में चना कांटा महंगा बिका। दालों में लिवाली सुस्ती से गिरावट हुई। इससे भाव नरम बताए गए। चावल में उठाव बना रहा।

किराना

शक्कर 3630 से 3660 रुपये प्रति क्विंटल। खोपरा गोला 215 से 230 रुपये प्रति किलोग्राम। खोपरा बूरा 2400 से 4400 रुपये प्रति 15 किलोग्राम। हल्दी खडी 115 से 175 रुपये प्रति किलोग्राम। साबूदाना 4600 से 5300, पैकिंग में 5600 से 5800 रुपये प्रति क्विंटल।

तिलहन

सरसों निमाड़ी 6400 से 6500, रायडा 6200 से 6300 रुपये प्रति क्विंटल।

तेल

मूंगफली तेल इंदौर 1700 से 1710, सोयाबीन रिफाइंड इंदौर 1625 से 1630, सोयाबीन साल्वेंट 1610 से 1615, पाम तेल 1675 से 1680 रुपये प्रति 10 किलो।

दाल

चना दाल 5900 से 6400, तुअर दाल सवा नंबर 8200 से 8300, तुअर दाल फूल 8400 से 8600, तुअर दाल नई 8900 से 9600, आयातित तुअर दाल 8000 से 8100, मसूर दाल 7850 से 8150, मूंग दाल 8300 से 8600, मूंग मोगर 8700 से 9000, उड़द दाल 8300 से 8600, उड़द मोगर 9100 से 9500 रुपये प्रति क्विंटल।

चावल-पोहा

बासमती 10000 से 11000, तिबार 8000 से 8500, दुबार 7000 से 7500, मिनी दुबार 6500 से 7000, मोगरा 3500 से 4500, बासमती सैला 6500 से 9000, कालीमूंछ 7500 से 8000, राजभोग 6500 से 7000, दूबराज 3500 से 4500, परमल 2500 से 2650, हंसा सैला 2450 से 2650, हंसा सफेद 2350 से 2450, पोहा 3700 से 4100 रुपये प्रति क्विंटल।

रवा-मैदा

रवा 1400 से 1410, मैदा 1350 से 1360, आटा 1310 से 1320, चना बेसन 3200 से 3210 रुपये प्रति 50 किलोग्राम।

शार्ट न्यूज

पिच पर ज्यादा समय बिताने की कोशिश कर रहा था : गायकवाड

पुणे। अपनी 99 रन की शानदार पारी से प्लेयर ऑफ़ द मैच बने ऋतुराज गायकवाड ने कहा कि वह पिच पर ज्यादा समय बिताने की कोशिश कर रहे थे। गायकवाड ने मैच के बाद कहा,‘‘ऐसी पारी खेल कर काफ़ी बढ़िया महसूस हो रहा है। जब आपकी टीम जीतती है और आप अच्छी पारी खेलते हैं तो यह काफ़ी बढ़िया होता है। पहले कुछ मैच मेरे लिए अच्छे नहीं रहे थे। हालांकि मैं हर मैच को शून्य से शुरू करने में विश्वास रखता हूं। मुझे गति पसंद है। जब गेंद अच्छी गति से आपकी तरफ़ आती है तो मुझे अपनी शॉट्स लगाने में काफ़ी सहजता महसूस होती है। मैं कोशिश कर रहा था कि पिच पर ज्यादा समय बिताया जाए। मैं डेवोन कॉन्वे को भी यही बोल रहा था। मैं इस पिच को अच्छे से जानता हूं। इसी लिए मैं उन्हें कह रहा था कि टिक कर खेलो रन अपने आप मिलेंगे।’’चेन्नई की जीत में हैदराबाद के चार विकेट लेने वाले मुकेश चौधरी ने कहा, हैदराबाद ने पांच ओवरों तक कोई विकेट नहीं गंवाया था। मैंने कैच भी छोड़ दिया था। अपने दूसरे ओवर में मैं कैसे भी विकेट निकालना चाहता था। मैं लगातार कोशिश कर रहा था कि पावरप्ले में एक-दो विकेट निकालूं। आज ब्रावो नहीं थे तो मेरे ऊपर ज्यादा जिम्मेदारी थी। कल उन्होंने मुझे कहा था कि मैं इस मैच का हिस्सा नहीं बनूंगा और तुम्हें जिम्मेदारी लेनी होगी।

अहम मौक़ों पर विकेट गंवाएं : विलियम्सन

पुणे। सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान केन विलियमसन ने चेन्नई सुपरकिंग्स से मिली 13 रन की हार के बाद कहा कि टीम ने अहम मौकों पर विकेट गंवाएं जो उनकी हार का सबसे बड़ा कारण रहा। विलियम्सन ने कहा,मुझे लगता है कि जब हमने शुरु किया तब पहले काफ़ी बढ़िया शुरुआत की लेकिन उसके बाद चेन्नई के गेंदबाज़ों ने अच्छी वापसी की। हालांकि इस मैच में हमारे लिए कई सकारात्मक पक्ष भी है। पिच थोड़ी सी धीमी थी। हमने प्रयास किया कि तेज़ी से रन बनाया जाए लेकिन अपनी बल्लेबाज़ी के दौरान हमने अहम मौक़ों पर विकेट गंवाएं। हालांकि स्पिनर्स ने बढ़िया गेंदबाज़ी की। चेन्नई ने आज जिस तरह का प्रदर्शन किया था, वह जीत डिज़र्व करते थे। हम लोगों को अपने प्रदर्शन में निरंतरता लानी होगी।

राउंडग्लास पंजाब हॉकी अकादमी ने जूनियर पुरुष चैंपियनशिप में जीता कांस्य पदक

मोहाली। राउंडग्लास पंजाब हॉकी अकादमी ने रविवार को जमशेदपुर में हॉकी इंडिया की जूनियर पुरुष अकादमी राष्ट्रीय चैम्पियनशिप 2022 में कांस्य पदक के साथ अपना अभियान समाप्त किया। टीम ने तीसरे स्थान के प्लेऑफ में आर्मी बॉयज़ स्पोर्ट्स कंपनी के खिलाफ जीत दर्ज की। तय समय के पूरा होने के पश्चात स्कोर 2-2 की बराबरी पर छूटा, अंततः राउंडग्लास ने पेनल्टी शूटआउट के माध्यम से अपनी जीत तय की। राउंडग्लास पंजाब हॉकी अकादमी को प्रतियोगिता के पूल डी में रखा गया था जहाँ उसने ध्यानचंद हॉकी अकादमी को 18-0, ओलंपियन विवेक सिंह हॉकी अकादमी को 4-1 और हर हॉकी अकादमी को 10-0 से हराने के बाद क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई थी। नॉकआउट चरण में, अंतिम चार में प्रवेश करने के लिए टीम ने एसजीपीसी हॉकी अकादमी के खिलाफ 5-2 से जीत हासिल की थी जबकि सेमीफाइनल में वह नवल टाटा हॉकी अकादमी, जमशेदपुर से 1-3 के स्कोर से लड़ते हुए हार गई थी। राउंडग्लास पंजाब हॉकी अकादमी ने रविवार को कांस्य पदक मैच में विजयी रहते हुए टूर्नामेंट का अंत किया। हाल ही में जीता हुआ अकादमी का यह दूसरा पदक है, इससे पहले सब-जूनियर महिला चैंपियनशिप में भी तीसरे स्थान पर रही थी अकादमी। राउंडग्लास पंजाब हॉकी अकादमी के सहायक तकनीकी निदेशक राजिंदर सिंह ने कहा, हमें पूरे भारत की सर्वश्रेष्ठ टीमों में तीसरा स्थान प्राप्त करने पर गर्व है। हम इस टूर्नामेंट के पिछले संस्करण में चौथे स्थान पर थे और इस बार का प्रदर्शन यह दर्शाता है कि हम प्रगति कर रहे हैं और सही दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। खिलाड़ियों, कोचों और कर्मचारियों का काफी अधिक प्रयास है।

अंडर-17 महिला वर्ल्ड कप के कोच एजुकेशन स्कॉलरशिप प्रोग्राम के पहले डी-लाइसेंस संस्करण का आयोजन सम्पन्न

मुम्बई। फीफा अंडर-17 विमेंस वर्ल्ड कप इंडिया 2022 की स्थानीय आयोजन समिति (एलओसी) ने मुंबई के कुपरेज स्टेडियम में कोच शिक्षा छात्रवृत्ति कार्यक्रम के पहले डी-लाइसेंस संस्करण का आयोजन किया। एलओसी द्वारा हाल में आयोजित ई-लाइसेंस छात्रवृत्ति कार्यक्रमों में हिस्सा ले चुके नौ लोगों को मिलाकर पूरे महाराष्ट्र से 22 प्रतिभागियों ने इस पाठ्यक्रम में भाग लिया, जिसमें फुटबॉल कोचिंग के व्यावहारिक (प्रैक्टिकल) और सैद्धांतिक (थियोरेटिकल) दोनों पहलुओं के बारे में बताया गया। फीफा अंडर-17 विमेंस वर्ल्ड कप इंडिया 2022 की एलओसी की प्रोजेक्ट डायरेक्टर नंदिनी अरोड़ा ने कहा, डी-लाइसेंस कोच एजुकेशन स्कॉलरशिप प्रोग्राम का उद्घाटन संस्करण फीफा अंडर-17 विमेंस वर्ल्ड कप इंडिया 2022 की स्थायी विरासत को छोड़ने की दिशा में एक और कदम था। इस कार्यक्रम ने पहले ही 116 महिलाओं को अपना ई-लाइसेंस फुटबॉल कोचिंग सर्टिफिकेट प्राप्त करने में मदद की है, जो युवा लड़कियों को जमीनी स्तर पर फुटबॉल को अपनाने में मदद करके भारत के महिला फुटबॉल पारिस्थितिकी तंत्र (इकोसिस्टम) पर सकारात्मक प्रभाव डाल रही हैं। अरोड़ा ने आगे कहा, इस प्रोग्राम में हिस्सा लेने वालों में से कुछ पहले से आयोजित ई-लाइसेंस कार्यक्रमों में शरीक रहे थे। सभी 22 प्रतिभागी अपने कोचिंग करियर में यह अगला कदम उठाने को लेकर उत्साहित थे और इन सब में आगे जाने की भूख दिखाई दी। हम अपने हितधारकों (स्टेकहोल्डर्स) के आभारी हैं, जो जमीनी स्तर पर विकास में तेजी लाने और लीडरशिप रोल्स में अधिक से अधिक महिलाओं को भागीदार बनाने का एक साझा दृष्टिकोण (कामन विजन) साझा करते हैं।

जीत का क्रम जारी रखना चाहेंगे आरएफ यंग चैंप्स, चेन्नइयन के खिलाफ बेंगलुरू जीत का दावेदार

पणजी। रिलायंस फाउंडेशन यंग चैंप्स (आरएफवाईसी) जब मंगलवार को जमशेदपुर एफसी से भिड़ेंगे तो वे जीत के साथ अपना विजयी क्रम जारी रखना चाहेंगे। इसी तरह यहां जारी रिलायंस फाउंडेशन डेवलपमेंट लीग (आरएफडीएल) के पांचवें राउंड के मुकाबले में बेंगलुरू एफसी का सामना चेन्नइयन एफसी से होगा। आरएफडीएल के पहले संस्करण में चार दिनों के विश्राम के बाद टीमें मैच खेलेंगी। इससे उनके खिलाड़ियों को थकान और चोट से उबरने का मौका मिला है और अब वे तरोताजा होकर मुकाबलों के लिए तैयार हैं।नागोआ ग्राउंड में, आरएफ यंग चैंप्स को जमशेदपुर एफसी के खिलाफ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा, जो अपने पिछले मैच का नतीजा भूलकर जीत की राह पर लौटना चाहेगा। जमशेदपुर, जो अब तक मजबूत दिख रहा है, को अपने आखिरी मैच में केरला ब्लास्टर्स ने 2-0 से हराया था।यह एक ऐसा मैच था जिसमें केरल के सामने रेड माइनर्स नाम से मशहूर जमशेदपुर की टीम हल्की नजर आई थी। यह लीग में उसकी पहली हार थी और अब वह चार मैचों में सात अंकों के साथ खुद को तीसरे स्थान पर पा रही है। आरएफ यंग चैंप्स की किस्मत में सुधार हुआ है। प्रतियोगिता में सबसे कम उम्र की टीम ने मुंबई सिटी एफसी के खिलाफ एक ठोस जीत दर्ज की और फिर चेन्नइयन के खिलाफ एक गोल रहित ड्रॉ के साथ अपने सफर को आगे बढ़ाया। अराता इजुमी की कोचिंग वाली टीम को हालांकि जमशेदपुर की ताकत के बारे में पता होगा। आरएफ यंग चैंप्स चार मैचों से चार अंक लेकर तालिका में चौथे स्थान पर हैं। उसने मुंबई के खिलाफ अपने आक्रामक खेल की झलक दिखाई और चेन्नइयन के खिलाफ रक्षात्मक रूप से अपने हरफनमौला खेल का प्रदर्शन किया। अब उसे जमशेदपुर के खिलाफ हर लिहाज से सम्पूर्ण प्रदर्शन की जरूरत होगी और अराता इससे अच्छी तरह वाकिफ हैं।

44वें शतरंज ओलंपियाड के लिए सबसे बड़े भारतीय दल का ऐलान, विश्वनाथन आनंद बने मेंटार

चेन्नई। अखिल भारतीय शतरंज महासंघ (एआईसीएफ) ने सोमवार को 44वें शतरंज ओलंपियाड के लिए देश की अब तक की सबसे बड़ी 20 सदस्यीय टीम की घोषणा की है। भारत को 28 जुलाई से 10 अगस्त तक इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट की मेजबानी करनी है, जिसका आयोजन चेन्नई में होना है। मेजबान होने के नाते भारत को पहली बार ओपन श्रेणी के साथ-साथ महिला वर्ग में दो-दो टीमों को मैदान में उतारने का हक मिला है। इसने निश्चित रूप से इस 14-दिवसीय आयोजन में भारत की पदक की संभावना को बढ़ा दिया है, जिसमें 150 से अधिक देशों के दुनिया के शीर्ष शतरंज खिलाड़ियों के हिस्सा लेने की उम्मीद है।

2020 शतरंज ओलंपियाड, जिसका आयोजन वर्चुअली किया गया था, में भारत को स्वर्ण पदक दिलाने वाले विदित गुजराती के साथ-साथ पेंटाला हरिकृष्णा और चेन्नई के कृष्णन शशिकिरन ओपन सेक्शन में भारत की पहली टीम का हिस्सा होंगे। इन दोनों ने भी कई मौकों पर भारत का प्रतिनिधित्व किया है। इसके अलावा 19 साल के अर्जुन एरिगैसी और एसएल नारायणन भी पहली टीम का हिस्सा होंगे।

अर्जुन ने पिछले एक साल में प्रभावशाली प्रदर्शन किया है और वह ठोस शैली के साथ प्रभावशाली दिखने वाले एसएल नारायणन के साथ इवेंट में पदार्पण करने वाले खिलाड़ियों में से एक होंगे। दूसरी ओर, दूसरी टीम में वे युवा प्रतिभाएं शामिल की गई हैं, जो पिछले कुछ वर्षों में अपने लगातार बेहतरीन प्रदर्शन से सुर्खियां बटोर रही हैं। इनमें प्रज्ञानानंद आर, निहाल सरीन, गुकेश डी और रौनक साधवानी शामिल हैं। ये सब शतरंज ओलंपियाड में पदार्पण करेंगे। इस टीम में अनुभवी खिलाड़ी अदभिबन बी भी होंगे, जो 2014 में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा थे। एआईसीएफ सचिव भरत सिंह चौहान ने कहा,शतरंज ओलंपियाड में दो टीमों को मैदान में उतारने का अवसर कई युवा भारतीय प्रतिभाओं के लिए अपने खेल को सबसे बड़े स्तर पर प्रदर्शित करने का मार्ग प्रशस्त करता है। अगर भारत मेजबान नहीं होता तो शायद इन खिलाड़ियों को इस तरह के आयोजन में हाथ आजमाने के लिए शायद कुछ और वर्षों का इंतजार करना होता। यह उनके लिए करियर के लिए एक बड़ा अवसर है। टीमें मजबूत दिख रही हैं और उनके पास अनुभव के साथ-साथ युवा प्रतिभाओं का भी अच्छा मिश्रण है और मुझे विश्वास है कि वे इस महान अवसर का अधिकतम लाभ उठाने की कोशिश करेंगे। मैं टीम के सभी सदस्यों को इवेंट और उनकी तैयारियों के लिए शुभकामनाएं देता हूं।

भारतीय महिला टीमों में बेहद प्रतिभाशाली कोनेरू हम्पी और दुनिया की 10वें नंबर की खिलाड़ी हरिका द्रोणावल्ली होंगी। इन दोनों ने अनगिनत बार अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों पर अपना दबदबा स्थापित किया है। इन दोनों के अलावा बेहतरीन प्रतिभा मानी जाने वाली तानिया सचदेव को आर. वैशाली और भक्ति कुलकर्णी के साथ पहली टीम में शामिल किया गया है। वैशाली और भक्ति अपना डेब्यू कर रही हैं। महिला वर्ग में दूसरी टीम में राष्ट्रीय चैंपियन सौम्या स्वामीनाथन, मैरी एन गोम्स और पद्मिनी राउत के साथ-साथ वंतिका अग्रवाल और 15 वर्षीय दिव्या देशमुख शामिल होंगी।

पांच बार के विश्व चैंपियन विश्वनाथन आनंद भारतीय टीमों के मेंटर के रूप में सक्रिय होंगे। विश्वनाथन आनंद ने आगामी शतरंज ओलंपियाड में नहीं खेलने का फैसला किया है। आनंद ने कहा, मैं इन दिनों बहुत कम इवेंट में हिस्सा ले रहा हूं और कई ओलंपियाड खेलने के बाद, मुझे लगा कि अब युवाओं को इसमें खेलने का मौका मिलना चाहिए। भारत में निहाल, प्रज्ञानानंद, गुकेश, अर्जुन जैसे कई प्रतिभाशाली युवा हैं। दिलचस्प बात यह है कि एन. सरिता और एन. सुधाकर बाबू के बाद प्रज्ञानानंद और वैशाली एक ही ओलंपियाड में देश का प्रतिनिधित्व करने वाले दूसरे भाई-बहन होंगे। एन. सरिता और एन. सुधाकर बाबू ने ग्रीस में शतरंज ओलंपियाड के 1988 संस्करण में साथ खेले थे। जीएम प्रवीण थिप्से भारतीय दलों के प्रमुख होंगे। जीएम श्रीनाथ और जीएम आरबी रमेश ओपन सेक्शन की क्रमशः पहली टीम और दूसरी टीम के कोच होंगे। इसी तरह, महिलाओं की पहली टीम के लिए जीएम अभिजीत कुंटे और दूसरी टीम के लिए जीएम स्वप्निल धोपोड़े कोच होंगे। भारत ने 2014 के ट्रोम्सो शतरंज ओलंपियाड में एक कांस्य पदक जीता था। इसके अलावा दो वर्चुअली आयोजित ओलंपियाड में भारत ने 2020 में रूस के साथ संयुक्त रूप से स्वर्ण और 2021 में महिला टीम ने कांस्य पदक जीता था।

मैच जीतने के लिए रॉयल्स से बेहतर प्रदर्शन करना होगा : रसेल

कोलकाता। आईपीएल लीग में कोलकाता नाईट राईडर्स का मुकाबला राजस्थान रॉयल के साथ वानखड़े स्टेडियम होगा। कोलकाता के विस्फोटक बल्लेबाज आंद्रे रसेल का मानना है कि राजस्थान को हराने के लिए वह तैयार हैं, जो कि पॉइंट टेबल में तीसरे स्थान पर मौजूद है। रसेल ने कहा, हम यह सुनिश्चित करेंगे कि जो कुछ भी हम करें बेहतर तरीके से करें। हम राजस्थान पर दबाव बनाने की कोशिस करेंगे।

रसेल ने केकेआर डॉट इन से कहा, हमारे पास अभी भी मौका है तथा हम बस अपना सर्वश्रेष्ठ खेल खेलना है। हमें निर्णय लेने के मामले में हमें पहले से अधिक निडर होना होगा। हमें कुछ अलग से बेहतर प्रदर्शन कर दो प्वाइंट हासिल करना है। हम सभी को एक साथ मिलकर इसको हासिल करना है। उन्होंने कहा, हमने कुछ मैच हारे हैं, जिससे हम दो प्वाइंट मिल सकते थे। हम अतीत में नहीं जी रहे हैं। मुझे लगता है कि यह बहुत लंबा टूर्नामेंट नहीं है। 14 मैचों में से वह आपके पास आते रहते हैं। अगर आप एक बार जीत की गति को प्राप्त कर लेते हैं तो यह बहुत महत्वपूर्ण होता है और हम इसी की तलाश कर रहे हैं।

उन्होंने कहा,‘‘ हम पांच मैच हार चुके हैं लेकिन अगर हम भरोसा करते हैं तो हम अगला पांचो मैच जीत सकते हैं। हमें एक समय में एक गेम ध्यान केंद्रित करना है और अपनी गलतियों से ही सीखना है। उन्होंने कहा कि जब पिछली बार हम मिले थे तब रॉयल्स ने सिर्फ सात रन से एक उच्च स्कोरिंग मुकाबला जीता। इस मैच में इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज जोस बटलर ने 60 गेंदों में 103 रन की तुफानी पारी खेली और रॉयल्स के मध्य क्रम ने पांच विकेट पर 217 रन का चुनौतीपूर्ण योगदान दिया, जो इस आईपीएल सीजन में दूसरा सबसे बड़ा स्कोर है।

रसेल ने कहा, हमने उनके साथ मुकाबला खेला है और जाना है कि वह किस प्रकार से खेलते हैं।हम उनके गेंदबाज को जानते हैं , हमें सिर्फ ध्यान लगाने की जरुरत है। हम जोस बटलर के कारण मैच में फोकस नहीं कर पा रहे हैं।

रसेल ने कहा, ‘‘ मुझे लगता है कि राजस्थान रॉयल में संजू सैमसन, शिमरन हेटमायर और सलामी बल्लेबाज देवदत्त पडिकल जैसे शानदार बल्लेबाज हैं तथा हमें उन्हें हल्के में नहीं लेना चाहिए। इस टीम के मीडिल ऑर्डर में भी अच्छे बल्लेबाज हैं जो परेशान कर सकते हैं।

उन्होंने कहा कि नाईट राइडर्स ने इस सत्र में अपना पहला शतक लगाया था, जिसमें आरोन फिंच ने 58 रन तथा कप्तान श्रेयस अय्यर ने 51 बॉल में शानदार 85 रन बनाये थे । इस पारी में सात चौके तथा चार छक्के शामिल थे। उल्लेखनीय है कि कोलकाता नाईट राइडर्स नौ मैचों में से तीन मैच जीतकर प्वाइंट टोबल में आठवें नंबर पर है। कोलकाता पिछले सीजन में उपविजेता के रूप में अभियान को समाप्त करने के बाद इस सीजन में अपने विजयी अभियान की तलाश में जुटी है।

ग्रीको रोमन कुश्ती में लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी ने जीती चैंपियनशिप

एजेंसी

बेंगलुरु। बेंगलुरु के जैन यूनिवर्सिटी में 24 अप्रैल से 3 मई तक आयोजित हुए खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी के पहलवानों ने लाजवाब प्रदर्शन करते हुए सर्वश्रेष्ठ स्थान प्राप्त किया।

उन्होंने 100 अंकों के साथ ग्रीको रोमन स्टाइल में चौधरी रणबीर सिंह यूनिवर्सिटी और महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक को पछाड़ते हुए चैंपियनशिप जीत ली। इस प्रतियोगिता में लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी ने पांच स्वर्ण, एक रजत व एक कांस्य पदक जीता है । इन खेलों में 189 विश्वविद्यालयों के 3878 खिलाड़ी 20 विधाओं में भाग लिया और इन खिलाड़ियों के बीच 275 स्वर्ण पदक दांव पर लगे हुए थे ।

कुश्ती विधा में 30 स्वर्ण पदक दांव पर थे । खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी में सभी विधाओं में सहयोगी स्टाफ और तकनीकी अधिकारियों की कुल भागीदारी 7500 थी ।

पहलवानों की इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के चांसलर अशोक मित्तल ने बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह विश्वविद्यालय के लिए गौराविन्त होने वाला पल है।

पहलवानों के अथक परिश्रम से विश्वविद्यालय को खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स के ग्रीको रोमन स्टाइल में चैंपियनशिप में प्रथम चैंपियनशिप प्राप्त की है। सभी छात्रों छात्राओं को विश्वविद्यालय सम्मानित करेगा।

एलपीयू के खेल निदेशक डॉक्टर राजकुमार शर्मा ने इस जीत का श्रेय अपने कोच विजय कुमार को दिया है उन्होंने कहा कि विजय के अथक परिश्रम से यह संभव हो सका ।

इमरान खान की राह पर शाहबाज शरीफ, सऊदी अरब से ले आए 14 खरब रुपये से ज्यादा का कर्ज

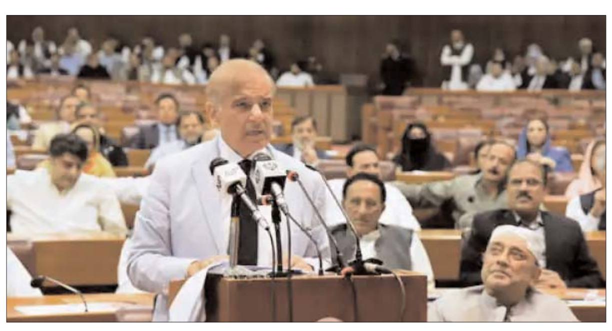

इस्लामाबाद। पड़ोसी देश पाकिस्तान में सरकार भले बदल गई हो लेकिन उसके हालात सुधरने का नाम नहीं ले रहे हैं। पैसों की तंगी से जूझ रहे पाकिस्तान की मदद के लिए एक बार फिर से सऊदी अरब ने हाथ आगे बढ़ाए हैं। खबर है कि सऊदी अरब पाकिस्तान को कई खरब रुपये का कर्ज देगा। नकदी संकट से जूझ रहे पाकिस्तान को सऊदी अरब करीब आठ अरब डॉलर (1490349600000 पाकिस्तानी रुपया) का बड़ा पैकेज देने को तैयार हो गया है। इससे पाकिस्तान के घटते विदेशी मुद्रा भंडार और संकटग्रस्त अर्थव्यवस्था को उबारने में मदद मिलेगी। एक मीडिया रिपोर्ट में रविवार को यह कहा गया। मुद्रास्फीति की ऊंची दर, घटते विदेशी मुद्रा भंडार, गहराता चालू खाते का घाटा और मुद्रा के कमजोर होने से पाकिस्तान आर्थिक चुनौतियों के बीच घिरा हुआ है। ‘द न्यूज’ की खबर में कहा गया है कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ सऊदी अरब के दौरे पर गए थे, उसी दौरान यह समझौता हुआ।

इसमें तेल लिए आर्थिक मदद, जमा या सुकुक के जरिए अतिरिक्त धन और 4.2 अरब डॉलर की मौजूदा सुविधाओं को आगे ले जाना शामिल है। एक अधिकारी ने बताया कि पाकिस्तान ने तेल के लिए आर्थिक मदद 1.2 अरब से बढ़ाकर 2.4 अरब करने का प्रस्ताव किया था जिसे सऊदी अरब ने स्वीकार कर लिया।

बता दें कि ये पहली मौका नहीं है जब किसी पाकिस्तानी प्रधानमंत्री ने सऊदी अरब से कर्ज लिया है। शहबाज से पहले इमरान खान ने भी सऊदी से कई बिलियन डॉलर का कर्ज लिया था। यहां तक कि एक बार सऊदी के अल्टीमेटम के बाद पाकिस्तान ने चीन से पैसे लेकर सऊदी का कर्ज चुकाया था।

नेपाल : एक युवती का फैसला बना पूरे गांव की लड़कियों के लिए सजा

काठमांडू । नेपाल में एक छोटे-से गांव की युवती के शादी के इरादे से घर छोड़ने के फैसले की सज़ा पूरे गांव की लड़कियों को उनके ही परिजनों से दिये जाने का मामला प्रकाश में आया है। ‘काठमांडु पोस्ट’ने सोमवार को यह जानकारी दी। नेपाल के सिराहा में एक युवती के अपनी पसंद के लड़के साथ शादी के इरादे से घर छोड़ने की सजा अब गांव की सभी युवतियों और यहां तक कि छोटी उम्र की लड़कियों को भी भुगतनी पड़ रही है। रिपोर्ट के अनुसार सुनीता (परिवर्तित नाम) ने अपनी पसंद के लड़के से शादी करने के लिए घर छोड़ दिया जिसके बाद उसके परिवार की समाज में काफी आलोचना की गयी और उनका हुक्का पानी ही बंद कर दिया गया। रिपोर्ट में सिराहा के चंद्रलालपुर म्यूनिस्पैलिटी की एक युवती कमला (21)के हवाले से बताया गया कि इस पितृसत्तामक समाज में इतना ही काफी नहीं रहा बल्कि गांव के हर परिवार को अपने घर की लड़कियों को नियंत्रण में रखने की चेतावनी जारी की गयी और कहा गया कि अगर ऐसा नहीं हुआ तो उस परिवार विशेष को अपनी सामाजिक प्रतिष्ठा खोनी पड़ेगी। इस घटना के बाद से पूरे गांव ने अपनी-अपनी बेटियों का विवाह करने का फैसला लिया । कमला ने बताया कि दसवीं में पढ़ रही सुनीता की छोटी बहन की शादी उसके घरवालों के द्वारा कहीं और तय किये जाने के बाद उसके प्रेमी ने उसकी हत्या कर दी थी। इस घटना के बाद गांववालों ने सभी लड़कियों का विवाह किये जाने का फैसला किया था। इन घटनाओं के बाद से युवतियों को इलाके में यहां वाले जाने पर जबरदस्त पाबंदियों को झेलना पड रहा है। इस क्षेत्र में काम करने वाले विशेषज्ञों के अनुसार इस तरह की घटनाएं महिलाओं को दोयम दर्जे का नागरिक माने जाने की सोच के कारण पनपती है और इससे महिलाओं का जीवन बेहद असुरक्षित हो जाता है।

रूसी सेना यूक्रन से कृषि उपकरण चुरा रही है

कीव। यूक्रेन के कारोबारियों ने आरोप लगाया है कि रूसी सैनिक यूक्रेन के मेलिटोपोल शहर की दुकानों से कृषि उपकरण चुरा कर इसे रूस के चेचन्या भेज रहे हैं। सीएनएन ने एक स्थानीय कारोबारी के हवाले से यह जानकारी दी। उसने बताया कि रूसी सेना के कब्जे वाले शहर मेलिटोपोल में मार्च की शुरुआत से एक एग्रोटेक डीलरशिप से लगभग 50 लाख डॉलर कीमत के उपकरण चुराये गये थे। समाचार वेबसाइट ने मामले के विवरण से परिचित एक स्थानीय संपर्क के हवाले से बताया कि यह सब दो कंबाइन हार्वेस्टर, एक ट्रैक्टर और एक सीडर की जब्ती के साथ शुरू हुआ। अगले कुछ हफ्तों में कृषि मशीनरी के सभी 27 टुकड़ों को हटा दिया गया। कुछ मशीनरी को पास के एक गांव में ले जाया गया, लेकिन उनमें से कुछ को 1100 किमी से अधिक दूर चेचन्या की लंबी भूमिगत यात्रा पर भेज दिया गया। जीपीएस से लैस इन मशीनों को आखिरी बार चेचन्या के जखान यर्ट गांव में ट्रैक किया गया था। अन्य स्थानीय स्रोतों के हवाले से बताया गया है कि रूसी सैन्य इकाइयां साइलो में रखे अनाज तक की चोरी कर रही हैं। सूत्र ने बताया कि रूसी सेना अनाज ले जा रही है। वह इसे चुराती है और क्रीमिया ले जाती है। मेलिटोपोल के मेयर ने पिछले हफ्ते एक वीडियो पोस्ट किया था जिसमें अनाजों से लदे ट्रकों का एक काफिला मेलिटोपोल से रवाना होता नजर आ रहा था।

नाटो की सदस्यता के लिए आवेदन पर अगले सप्ताह फैसला करेगा फिनलैंड

हेलसिंकी। फिनलैंड उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) की सदस्यता के लिए आवेदन करने पर 12 मई को निर्णय लेगा। स्थानीय मीडिया ने विभिन्न विदेशी और सुरक्षा स्रोतों के हवाले से यह जानकारी दी। स्थानीय अखबार ‘इल्तलेहती’ने बताया कि नाटो में शामिल होने का निर्णय उस दिन दो चरणों में आयेगा, जब संसदीय समूह आवेदन के लिए अपनी स्वीकृति देंगे और राष्ट्रपति शाऊली नीनिस्टो नाटो में शामिल होने के लिए अपनी मंजूरी की घोषणा करेंगे।फिनलैंड के संविधान के अनुसार, राष्ट्रपति सरकार के सहयोग से देश की विदेश और सुरक्षा नीति का नेतृत्व करता है।

दो साल के लॉकडाउन के बाद पर्यटकों के लिए खुला न्यूजीलैंड

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड की सरकार ने दो साल से अधिक समय तक कोविड लॉकडाउन के बाद आखिरकार सोमवार को अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों के लिए अपनी सीमाएं खोल दीं। नये नियम के अनुसार 60 से अधिक देशों के लोगों को टीकाकरण और कोविड-निगेटिव होने पर प्रवेश करने की अनुमति होगी। बीबीसी ने बताया कि न्यूजीलैंड के लोग मार्च से अन्य स्थानों से अपने देश आ रहे हैं और बाहरी देशों की यात्रा कर रहे हैं जबकि ऑस्ट्रेलियाई लोगों को अप्रैल से ही आने की अनुमति दी गयी है। न्यूजीलैंड में प्रवेश करने वाले यात्रियों में से एक डेविड बेन्सन ने कहा,मैं आखिरकार आज यहां हूं। मैं कभी भी इस देश के 6,000 मील के दायरे में नहीं रहा हूं और यहां पहली बार आया हूं। मैं घर पर हूं। यह सबसे अच्छा एहसास है जो मैंने अब तक किया है। न्यूजीलैंड ने कोविड वायरस फैलने के बाद मार्च 2020 में अपनी सीमाओं को सील कर दिया था। यहां तक कि लौटने वाले नागरिकों को भी प्रवेश करने पर हफ्तों तक क्वारंटीन से गुजरना पड़ता था।

पाकिस्तान के पूर्व पीएम इमरान खान पर लटकी गिरफ्तार की तलवार, ईशनिंदा के आरोप में केस दर्ज

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व पीएम इमरान खान को किसी भी वक्त गिरफ्तार किया जा सकता है। इमरान खान समेत 150 लोगों पर पीएम शहबाज शरीफ के खिलाफ ईश निंदा का आरोप लगा है। गौरतलब है कि मदीना में इसी हफ्ते शहबाज शरीफ और उनके प्रतिनिधि मंडल के खिलाफ चोर-चोर के नारे लगाए गए थे। पीएमएल-एन का आरोप है कि इरमान खान के इशारे पर ये नारेबाजी की गई है। इमरान खान के खिलाफ दर्ज एफआईआर में कहा गया है कि इमरान खान ने मदीना में इस तरह की नारेबाजी कर पैगंबर मोहम्मद की मस्जिद को अपवित्र किया है। मदीना की पवित्र मस्जिद में इस तरह की नारेबाजी से मुसलमानों की भावनाएं आहत हुई है। एफआईआर में कहा गया है कि शहबाज शरीफ और उनके प्रतिनिधिमंडल के खिलाफ नारेबाजी करने के लिए इमरान खान ने अपने 100 से ज्यादा समर्थकों को पाकिस्तान और ब्रिटेन से सऊदी अरब के मदीना भेजा था। इस मामले पर फैसलाबाद पुलिस का कहना है कि नईम भट्टी नाम के शख्स द्वारा दी गई शिकायत के आधार पर इस मामले में 100 से ज्यादा आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाएगी। पाक पुलिस ने पाकिस्तान की दंड संहिता 295ए (जानबूझकर धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाना) समेत कई धाराओं में केस दर्ज कर लिया है। इस मामले पर पाकिस्तान के गृहमंत्री राणा सनाउल्लाह ने मीडिया से कहा है कि मदीना में नारेबाजी के आरोप में इमरान खान को गिरफ्तार किया जाएगा। एफआईआर में इमरान खान के अलावा पीटीआई के अध्यक्ष और इमरान सरकार में मंत्री रहे फवाद चौधरी, पूर्व पीएम शाहबाज गुल के पूर्व सलाहकार शेख रशीद, लंदन में इमरान के करीबी अनिल मुसरत और साहिबजादा जहांगीर, पाकिस्तान की नेशनल असंबेली के पूर्व डिप्टी स्पीकर कासिम सूरी समेत 150 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई है।

न्यूजीलैंड में ओमिक्रॉन चौथे वैरिएंट का दूसरा मामला

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड में सोमवार को कोरोना वायरस (कोविड-19) के 6636 सामुदायिक मामले सामने आये और ओमिक्रॉन के चौथे वैरिएंट बीए.4 का दूसरा मामला दर्ज किया गया।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने सोमवार को यह जानकारी दी। मंत्रालय ने बताया कि ओमिक्रॉन के चौथे वेरिएंट का दूसरा मामला विदेश से न्यूजीलैंड यात्रा पर आए एक व्यक्ति में पाया गया।पहला मामला रविवार को सामने आया था। दोनों मरीज घर पर ही आइसोलेशन में हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, इस नए कोरोना वैरिएंट संक्रमण से बचाव के लिए मौजूदा व्यवस्था बीए.4 के सही है और किसी भी बदलाव की आवश्यकता नहीं है।इस अवधि में कोरोना से सात मरीजों की मृत्यु हो चुकी है। इसके अलावा देश के सीमावर्ती क्षेत्रों में 90 नए मामलों की पुष्टि हुई है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं... से मुद्रित एवं , ब्लाक नं 23 मकान नं 399 त्रिलोक पुरी दिल्ली -91 से प्रकाशित
संपादकः प्रवीण कुमार सिंह, आरएनआई नं. ·DELHIN/2011/38334, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, टेलीफोन नं.: 011-26700510/11 , ई-मेल : info@gauravshalibharat.com, समस्त विवादो का न्यायलय दिल्ली होगा

अक्षय तृतीया : बहुत शुभ होती है वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया

अक्षय तृतीया या आखा तीज वैशाख मास में शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को कहते हैं। पौराणिक ग्रन्थों के अनुसार इस दिन जो भी शुभ कार्य किये जाते हैं, उनका अक्षय फल मिलता है। इसी कारण इसे अक्षय तृतीया कहा जाता है। वैसे तो सभी बारह महीनों की शुक्ल पक्षीय तृतीया शुभ होती है, किन्तु वैशाख माह की तिथि स्वयंसिद्ध मुहूर्तो में मानी गई है।

महत्व

अक्षय तृतीया का सर्वसिद्ध मुहूर्त के रूप में भी विशेष महत्व है। मान्यता है कि इस दिन बिना कोई पंचांग देखे कोई भी शुभ व मांगलिक कार्य जैसे विवाह, गृह-प्रवेश, वस्त्र-आभूषणों की खरीददारी या घर, भूखण्ड, वाहन आदि की खरीददारी से सम्बन्धित कार्य किए जा सकते हैं। नवीन वस्त्र, आभूषण आदि धारण करने और नई संस्था, समाज आदि की स्थापना या उदघाटन का कार्य श्रेष्ठ माना जाता है। पुराणों में लिखा है कि इस दिन पितरों को किया गया तर्पण तथा पिन्डदान अथवा किसी और प्रकार का दान, अक्षय फल प्रदान करता है। इस दिन गंगा स्नान करने से तथा भगवत पूजन से समस्त पाप नष्ट हो जाते हैं। यहाँ तक कि इस दिन किया गया जप, तप, हवन, स्वाध्याय और दान भी अक्षय हो जाता है। यह तिथि यदि सोमवार तथा रोहिणी नक्षत्र के दिन आए तो इस दिन किए गए दान, जप-तप का फल बहुत अधिक बढ़ जाता हैं। इसके अतिरिक्त यदि यह तृतीया मध्याह्न से पहले शुरू होकर प्रदोष काल तक रहे तो बहुत ही श्रेष्ठ मानी जाती है। यह भी माना जाता है कि आज के दिन मनुष्य अपने या स्वजनों द्वारा किए गए जाने-अनजाने अपराधों की सच्चे मन से ईश्वर से क्षमा प्रार्थना करे तो भगवान उसके अपराधों को क्षमा कर देते हैं और उसे सदगुण प्रदान करते हैं, अतः आज के दिन अपने दुर्गुणों को भगवान के चरणों में सदा के लिए अर्पित कर उनसे सदगुणों का वरदान माँगने की परम्परा भी है।

हिन्दू धर्म में महत्व

अक्षय तृतीया के दिन ब्रह्म मुहूर्त में उठकर समुद्र या गंगा स्नान करने के बाद भगवान विष्णु की शान्त चित्त होकर विधि विधान से पूजा करने का प्रावधान है। नैवेद्य में जौ या गेहूँ का सत्तू, ककड़ी और चने की दाल अर्पित किया जाता है। तत्पश्चात फल, फूल, बरतन, तथा वस्त्र आदि दान करके ब्राह्मणों को दक्षिणा दी जाती है। ब्राह्मण को भोजन करवाना कल्याणकारी समझा जाता है। मान्यता है कि इस दिन सत्तू अवश्य खाना चाहिए तथा नए वस्त्र और आभूषण पहनने चाहिए। गौ, भूमि, स्वर्ण पात्र इत्यादि का दान भी इस दिन किया जाता है। यह तिथि वसन्त ऋतु के अन्त और ग्रीष्म ऋतु का प्रारम्भ का दिन भी है इसलिए अक्षय तृतीया के दिन जल से भरे घडे, कुल्हड, सकोरे, पंखे, खडाऊँ, छाता, चावल, नमक, घी, खरबूजा, ककड़ी, चीनी, साग, इमली, सत्तू आदि गरमी में लाभकारी वस्तुओं का दान पुण्यकारी माना गया है। इस दान के पीछे यह लोक विश्वास है कि इस दिन जिन-जिन वस्तुओं का दान किया जाएगा, वे समस्त वस्तुएँ स्वर्ग या अगले जन्म में प्राप्त होगी। इस दिन लक्ष्मी नारायण की पूजा सफेद कमल अथवा सफेद गुलाब या पीले गुलाब से करना चाहिये।

'सर्वत्र शुक्ल पुष्पाणि प्रशस्तानि सदार्चने।
दानकाले च सर्वत्र मन्त्र मेत मुदीरयेत्॥'

अर्थात सभी महीनों की तृतीया में सफेद पुष्प से किया गया पूजन प्रशंसनीय माना गया है।

ऐसी भी मान्यता है कि अक्षय तृतीया पर अपने अच्छे आचरण और सद्गुणों से दूसरों का आशीर्वाद लेना अक्षय रहता है। भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की पूजा विशेष फलदायी मानी गई है। इस दिन किया गया आचरण और सत्कर्म अक्षय रहता है।

भविष्य पुराण के अनुसार इस तिथि की युगादि तिथियों में गणना होती है, सतयुग और त्रेता युग का प्रारंभ इसी तिथि से हुआ है। भगवान विष्णु ने नर-नारायण, हयग्रीव और परशुराम जी का अवतरण भी इसी तिथि को हुआ था। ब्रह्माजी के पुत्र अक्षय कुमार का आविर्भाव भी इसी दिन हुआ था। इस दिन श्री बद्रीनाथ जी की प्रतिमा स्थापित कर पूजा की जाती है और श्री लक्ष्मी नारायण के दर्शन किए जाते हैं। प्रसिद्ध तीर्थ स्थल बद्रीनारायण के कपाट भी इसी तिथि से ही पुनः खुलते हैं। वृन्दावन स्थित श्री बाँके बिहारी जी मन्दिर में भी केवल इसी दिन श्री विग्रह के चरण दर्शन होते हैं, अन्यथा वे पूरे वर्ष वस्त्रों से ढके रहते हैं। जी.एम. हिंगे के अनुसार तृतीया 41 घटी 21 पल होती है तथा धर्म सिन्धु एवं निर्णय सिन्धु ग्रन्थ के अनुसार अक्षय तृतीया 6 घटी से अधिक होना चाहिए। पद्म पुराण के अनुसा इस तृतीया को अपराह्न व्यापिनी मानना चाहिए। इसी दिन महाभारत का युद्ध समाप्त हुआ था और द्वापर युग का समापन भी इसी दिन हुआ था। ऐसी मान्यता है कि इस दिन से प्रारम्भ किए गए कार्य अथवा इस दिन को किए गए दान का कभी भी क्षय नहीं होता। मदनरत्न के अनुसार:

'अस्यां तिथौ क्षयमुर्पति हुतं न दत्तं। तेनाक्षयेति कथिता मुनिभिस्तृतीया॥
उद्दिष्य दैवतपितृन्क्रियते मनुष्यैः। तत् च अक्षयं भवति भारत सर्वमेव॥'

प्रचलित कथाएँ

अक्षय तृतीया की अनेक व्रत कथाएँ प्रचलित हैं। ऐसी ही एक कथा के अनुसार प्राचीन काल में एक धर्मदास नामक वैश्य था। उसकी सदाचार, देव और ब्राह्मणों के प्रति काफी श्रद्धा थी। इस व्रत के महात्म्य को सुनने के पश्चात उसने इस पर्व के आने पर गंगा में स्नान करके विधिपूर्वक देवी-देवताओं की पूजा की, व्रत के दिन स्वर्ण, वस्त्र तथा दिव्य वस्तुएँ ब्राह्मणों को दान में दी। अनेक रोगों से ग्रस्त तथा वृद्ध होने के बावजूद भी उसने उपवास करके धर्म-कर्म और दान पुण्य किया। यही वैश्य दूसरे जन्म में कुशावती का राजा बना। कहते हैं कि अक्षय तृतीया के दिन किए गए दान व पूजन के कारण वह बहुत धनी प्रतापी बना। वह इतना धनी और प्रतापी राजा था कि त्रिदेव तक उसके दरबार में अक्षय तृतीया के दिन ब्राह्मण का वेष धारण करके उसके महायज्ञ में शामिल होते थे। अपनी श्रद्धा और भक्ति का उसे कभी घमण्ड नहीं हुआ और महान वैभवशाली होने के बावजूद भी वह धर्म मार्ग से विचलित नहीं हुआ। माना जाता है कि यही राजा आगे चलकर राजा चंद्रगुप्त के रूप में पैदा हुआ। स्कंद पुराण और भविष्य पुराण में उल्लेख है कि वैशाख शुक्ल पक्ष की तृतीया को रेणुका के गर्भ से भगवान विष्णु ने परशुराम रूप में जन्म लिया। कोंकण और चिप्लून के परशुराम मंदिरों में इस तिथि को परशुराम जयन्ती बड़ी धूमधाम से मनाई जाती है। दक्षिण भारत में परशुराम जयन्ती को विशेष महत्व दिया जाता है। परशुराम जयन्ती होने के कारण इस तिथि में भगवान परशुराम के आविर्भाव की कथा भी सुनी जाती है। इस दिन परशुराम जी की पूजा करके उन्हें अर्घ्य देने का बड़ा माहात्म्य माना गया है। सौभाग्यवती स्त्रियाँ और क्वारी कन्याएँ इस दिन गौरी-पूजा करके मिठाई, फल और भीगे हुए चने बाँटती हैं, गौरी-पार्वती की पूजा करके धातु या मिट्टी के कलश में जल, फल, फूल, तिल, अन्न आदि लेकर दान करती हैं। मान्यता है कि इसी दिन जन्म से ब्राह्मण और कर्म से क्षत्रिय भृगुवंशी परशुराम का जन्म हुआ था। एक कथा के अनुसार परशुराम की माता और विश्वामित्र की माता के पूजन के बाद प्रसाद देते समय ऋषि ने प्रसाद बदल कर दे दिया था। जिसके प्रभाव से परशुराम ब्राह्मण होते हुए भी क्षत्रिय स्वभाव के थे और क्षत्रिय पुत्र होने के बाद भी विश्वामित्र ब्रह्मर्षि कहलाए। उल्लेख है कि सीता स्वयंवर के समय परशुराम जी अपना धनुष बाण श्री राम को समर्पित कर संन्यासी का जीवन बिताने अन्यत्र चले गए। अपने साथ एक फरसा रखते थे तभी उनका नाम परशुराम पड़ा।

जैन धर्म में अक्षय-तृतीया

तीर्थंकर आदिनाथ को प्रथम आहार देते राजा श्रेयांस (चित्र-अजमेर जैन मन्दिर)जैन धर्मावलम्बियों का महान धार्मिक पर्व है। इस दिन जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर श्री ऋषभदेव भगवान ने एक वर्ष की पूर्ण तपस्या करने के पश्चात इक्षु (शोरडी-गन्ने) रस से पारायण किया था। जैन धर्म के प्रथम तीर्थकर श्री आदिनाथ भगवान ने सत्य व अहिंसा का प्रचार करने एवं अपने कर्म बन्धनों को तोड़ने के लिए संसार के भौतिक एवं पारिवारिक सुखों का त्याग कर जैन वैराग्य अंगीकार कर लिया। सत्य और अहिंसा के प्रचार करते-करते आदिनाथ प्रभु हस्तिनापुर गजपुर पधारे जहाँ इनके पौत्र सोमयश का शासन था। प्रभु का आगमन सुनकर सम्पूर्ण नगर दर्शनार्थ उमड़ पड़ा सोमप्रभु के पुत्र राजकुमार श्रेयांस कुमार ने प्रभु को देखकर उसने आदिनाथ को पहचान लिया और तत्काल शुद्ध आहार के रूप में प्रभु को गन्ने का रस दिया, जिससे आदिनाथ ने व्रत का पारायण किया। जैन धर्मावलंबियों का मानना है कि गन्ने के रस को इक्षुरस भी कहते हैं इस कारण यह दिन इक्षु तृतीया एवं अक्षय तृतीया के नाम से विख्यात हो गया।

भगवान श्री आदिनाथ ने लगभग 400 दिवस की तपस्या के पश्चात पारायण किया था। यह लम्बी तपस्या एक वर्ष से अधिक समय की थी अतः जैन धर्म में इसे वर्षीतप से सम्बोधित किया जाता है। आज भी जैन धर्मावलम्बी वर्षीतप की आराधना कर अपने को धन्य समझते हैं, यह तपस्या प्रति वर्ष कार्तिक के कृष्ण पक्ष की अष्टमी से आरम्भ होती है और दूसरे वर्ष वैशाख के शुक्लपक्ष की अक्षय तृतीया के दिन पारायण कर पूर्ण की जाती है। तपस्या आरम्भ करने से पूर्व इस बात का पूर्ण ध्यान रखा जाता है कि प्रति मास की चौदस को उपवास करना आवश्यक होता है। इस प्रकार का वर्षीतप करीबन 13 मास और दस दिन का हो जाता है। उपवास में केवल गर्म पानी का सेवन किया जाता है। भारत वर्ष में इस प्रकार की वर्षी तपश्चर्या करने वालों की संख्या हज़ारों तक पहुँच जाती है। यह तपस्या धार्मिक दृष्टिकोण से अन्यक्त ही महत्त्वपूर्ण है, वहीं आरोग्य जीवन बिताने के लिए भी उपयोगी है। संयम जीवनयापन करने के लिए इस प्रकार की धार्मिक क्रिया करने से मन को शान्त, विचारों में शुद्धता, धार्मिक प्रवृत्रियों में रुचि और कर्मों को काटने में सहयोग मिलता है। इसी कारण इस अक्षय तृतीया का जैन धर्म में विशेष धार्मिक महत्व समझा जाता है। मन, वचन एवं श्रद्धा से वर्षीतप करने वाले को महान समझा जाता है।

संस्कृति में

इस दिन से शादी-ब्याह करने की शुरुआत हो जाती है। बड़े-बुजुर्ग अपने पुत्र-पुत्रियों के लगन का मांगलिक कार्य आरंभ कर देते हैं। अनेक स्थानों पर छोटे बच्चे भी पूरी रीति-रिवाज के साथ अपने गुड्डा-गुड़िया का विवाह रचाते हैं। इस प्रकार गाँवों में बच्चे सामाजिक कार्य व्यवहारों को स्वयं सीखते व आत्मसात करते हैं। कई जगह तो परिवार के साथ-साथ पूरा का पूरा गाँव भी बच्चों के द्वारा रचे गए वैवाहिक कार्यक्रमों में सम्मिलित हो जाता है। इसलिए कहा जा सकता है कि अक्षय तृतीया सामाजिक व सांस्कृतिक शिक्षा का अनूठा त्यौहार है। कृषक समुदाय में इस दिन एकत्रित होकर आने वाले वर्ष के आगमन, कृषि पैदावार आदि के शगुन देखते हैं। ऐसा विश्वास है कि इस दिन जो सगुन कृषकों को मिलते हैं, वे शत-प्रतिशत सत्य होते हैं। राजपूत समुदाय में आने वाला वर्ष सुखमय हो, इसलिए इस दिन शिकार पर जाने की परंपरा है।

खुदा का इनाम, खुशियों का गुलदस्ता और रौनक का जश्न है ईद उल-फ़ित्र

रमजान इस्लामी कैलेंडर का नौवां महीना है। इस पूरे माह में रोजे रखे जाते हैं। इस महीने के खत्म होते ही दसवां माह शव्वाल शुरू होता है। इस माह की पहली चांद रात ईद की चांद रात होती है। इस रात का इंतजार वर्ष भर खास वजह से होता है, क्योंकि इस रात को दिखने वाले चांद से ही इस्लाम के बड़े त्योहार ईद उल-फ़ित्र का ऐलान होता है। इस तरह से यह चांद ईद का पैगाम लेकर आता है। इस चांद रात को अल्फा कहा जाता है।

रमजान माह की इबादतों और रोजे के बाद जलवा अफरोज हुआ ईद उल-फ़ित्र (ईद-उल फितर) का त्योहार खुदा का इनाम है, मुसर्रतों का आगाज है, खुशखबरी की महक है, खुशियों का गुलदस्ता है, मुस्कुराहटों का मौसम है, रौनक का जश्न है। इसलिए ईद का चांद नजर आते ही माहौल में एक गजब का उल्लास छा जाता है।

ईद के दिन सिवइयों या शीर-खुरमे से मुंह मीठा करने के बाद छोटे-बड़े, अपने-पराए, दोस्त-दुश्मन गले मिलते हैं तो चारों तरफ मोहब्बत ही मोहब्बत नजर आती है। एक पवित्र खुशी से दमकते सभी चेहरे इंसानियत का पैगाम माहौल में फैला देते हैं। अल्लाह से दुआएं मांगते व रमजान के रोजे और इबादत की हिम्मत के लिए खुदा का शुक्र अदा करते हाथ हर तरफ दिखाई पड़ते हैं और यह उत्साह बयान करता है कि लो ईद आ गई।

कुरआन के अनुसार पैगंबरे इस्लाम ने कहा है कि जब अहले ईमान रमजान के पवित्र महीने के एहतेरामों से फारिग हो जाते हैं और रोजों-नमाजों तथा उसके तमाम कामों को पूरा कर लेते हैं, तो अल्लाह एक दिन अपने उक्त इबादत करने वाले बंदों को बख्शीश व इनाम से नवाजता है। इसलिए इस दिन को ईद कहते हैं और इसी बख्शीश व इनाम के दिन को ईद-उल-फितर (ईद-उल-फित्र) का नाम देते हैं।

रमजान माह के रोजे को एक फर्ज करार दिया गया है, ताकि इंसानों को भूख-प्यास का महत्व पता चले। भौतिक वासनाएं और लालच इंसान के वजूद से जुदा हो जाए और इंसान कुरआन के अनुसार अपने को ढाल लें। इसलिए रमजान का महीना इंसान को अशरफ और आला बनाने का मौसम है। पर अगर कोई सिर्फ अल्लाह की ही इबादत करे और उसके बंदों से मोहब्बत करने व उनकी मदद करने से हाथ खींचे तो ऐसी इबादत को इस्लाम ने खारिज किया है। क्योंकि असल में इस्लाम का पैगाम है- अगर अल्लाह की सच्ची इबादत करनी है तो उसके सभी बंदों से प्यार करो और हमेशा सबके मददगार बनो। यह इबादत ही सही इबादत है।

यही नहीं, ईद की असल खुशी भी इसी में है।

भगवान परशुराम के जीवन से जुड़े पौराणिक किस्से

कुछ प्रसिद्ध रामायण वक्ताओं के मुख से कई बार यह सुनाई देता है कि परशुराम क्रोधी थे, जनकपुर में धनुष भंजन के बाद जब वह यज्ञ शाला में पहुंचे तो वे बड़े क्रुद्ध हुए। लक्ष्मण ने उन्हें खूब छकाया, जब भगवान श्री राम ने उनके धनुष में तीर का संधान किया तो राम के सम्मुख नतमस्तक होकर चले गए आदि-आदि। परशुराम दशावतारों में हैं। क्या उन्हें इतना भी आभास नहीं होगा कि यह धनुष किसने तोड़ा? क्या वह साधारण पुरुष हैं?

श्री राम द्वारा धनुष तोड़ने के बाद समस्त राजाओं की दुरभिसंधि हुई कि श्री राम ने धनुष तो तोड़ लिया है, लेकिन इन्हें सीता स्वयंवर से रोकना होगा। वे अतः अपनी-अपनी सेनाओं की टुकड़ियों के साथ धनुष यज्ञ में आए समस्त राजा एकजुट होकर श्री राम से युद्ध के लिए कमर कस कर तैयार हो गए। धनुष यज्ञ गृह युद्ध में बदलने वाला था, ऐसी विकट स्थिति में वहां अपना फरसा लहराते हुए परशुराम जी प्रकट हो गए। वे राजा जनक से पूछते हैं कि तुरंत बताओ कि यह शिव धनुष किसने तोड़ा है, अन्यथा जितने राजा यहां बैठे हैं.... मैं क्रमशः उन्हें अपने परशु की भेंट चढ़ाता हूं। तब श्री राम विनम्र भाव से कहते हैं- हे नाथ शंकर के धनुष को तोड़ने वाला कोई आपका ही दास होगा। परशुराम-राम संवाद के बीच में ही लक्ष्मण उत्तेजित हो उठे, विकट लीला प्रारंभ हो गई। संवाद चलते रहे लीला आगे बढ़ती रही परशुराम जी ने श्री राम से कहा अच्छा मेरे विष्णु धनुष में तीर चढ़ाओ... तीर चढ़ गया, परशुराम जी ने प्रणाम किया और कहा मेरा कार्य अब पूरा हुआ, आगे का कार्य करने के लिए श्री राम आप आ गए हैं। गृह युद्ध टल गया। सारे राजाओं ने श्री राम को अपना सम्राट मान लिया, भेंट पूजा की एवं अपनी-अपनी राजधानी लौट गए। श्री राम के केंद्रीय शासन नियमों से धर्मयुक्त राज्य करने लगे। देश में शांति छाने लगी अब श्री राम निश्चिंत थे क्योंकि उन्हें तो देश की सीमाओं के पार से संचालित आतंक के खिलाफ लड़ना था, इसीलिए अयोध्या आते ही वन को चले गए। पंचवटी में लीला रची गई, लंका कूच हुआ। रावण का कुशासन समाप्त हुआ, राम राज्य की स्थापना हुई। अतः राम राज्य की स्थापना की भूमिका तैयार करने वाले भगवान परशुराम ही थे।

भगवान परशुराम के किस्से- भगवान परशुराम राम के काल में भी थे और कृष्ण के काल में भी उनके होने की चर्चा होती है। ऐसा माना जाता है कि वे कल्प के अंत तक वे धरती पर ही तपस्यारत रहेंगे। पौराणिक कथा में वर्णित है कि महेंद्रगिरि पर्वत भगवान परशुराम की तप की जगह थी और अंतत- वह उसी पर्वत पर कल्पांत तक के लिए तपस्यारत होने के लिए चले गए थे। जानिए परशुराम के किस्से -

- जब एक बार गणेशजी ने परशुराम को शिव दर्शन से रोक लिया तो, रुष्ट परशुराम ने उन पर परशु प्रहार कर दिया, जिससे गणेश का एक दांत नष्ट हो गया और वे एकदंत कहलाए।
- जनक, दशरथ आदि राजाओं का उन्होंने समुचित सम्मान किया। सीता स्वयंवर में श्री राम का अभिनंदन किया।

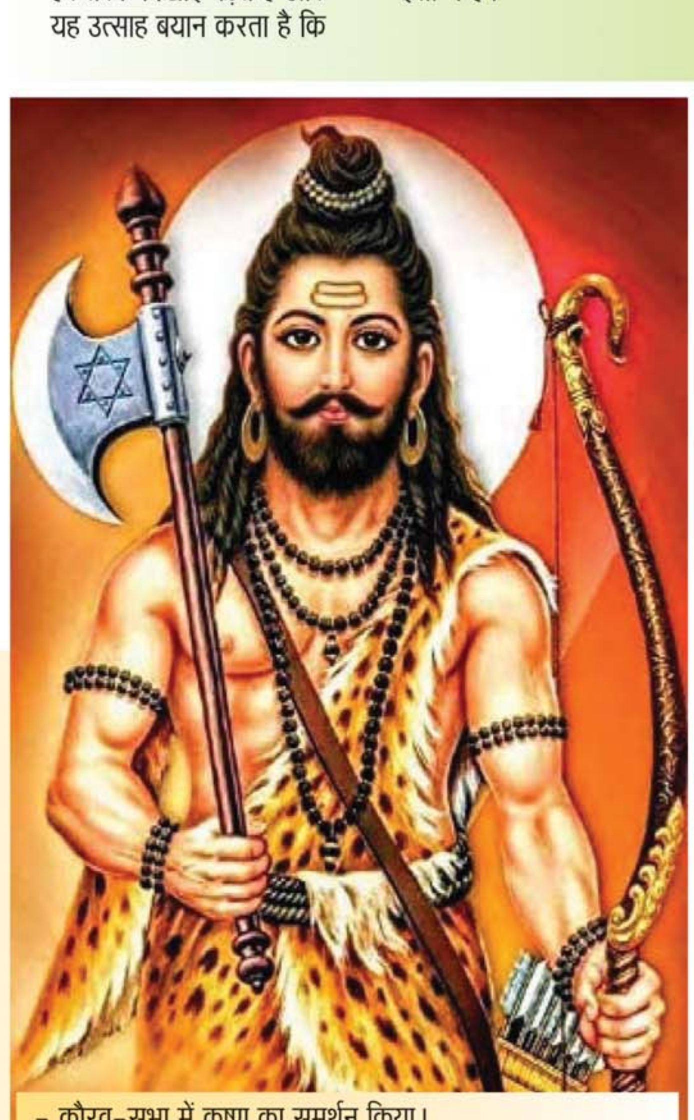

- कौरव-सभा में कृष्ण का समर्थन किया।
- उन्होंने भीष्म, द्रोण व कर्ण को शस्त्र विद्या प्रदान की थी। इस तरह परशुराम के अनेक किस्से हैं।
- असत्य वाचन करने के दंड स्वरूप कर्ण को सारी विद्या विस्मृत हो जाने का श्राप दिया था।